नई दिल्ली
सोमवार 5 अक्टूबर 2026
अश्विन मास कृष्ण पक्ष,
दशमी वर्ष : 30, अंक : 168
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 22

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

केंद्र सरकार की ओर से छग को पीएम आवास योजना के लिए चुना गया

छग में 'पीएम आवास' पर सियासत के बीच साय सरकार को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' अवॉर्ड आज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' अवॉर्ड से आज सम्मानित किया जाएगा। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व आवास दिवस-2026 के राष्ट्रीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया जाएगा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में होने वाले कार्यक्रम में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और नगरीय निकायों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की ओर से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे। राज्य के उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। केंद्र सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ को पीएम आवास योजना के तहत गरीबों के लिए आवास के लिए देश का 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' चुना जाना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली ▶▶शेष पेज 5 पर

कांग्रेस सरकार पर भाजपा लगाती रही है आरोप

दरअसल, छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना लंबे समय से राजनीतिक विवाद का विषय रही है। पिछली भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में भाजपा लगातार आरोप लगाती रही कि गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना का राज्य में अपेक्षित गति से क्रियान्वयन नहीं हुआ। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान इसे प्रमुख राजनीतिक ▶▶शेष पेज 5 पर

सत्ता परिवर्तन के बाद बदली तस्वीर

दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया गया। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बनी सरकार ने गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों को आवास उपलब्ध कराने को लेकर केंद्र की योजनाओं के तेज ▶▶शेष पेज 5 पर

डबल इंजन सरकार के मॉडल को मिलेगा प्रचार

भाजपा इस उपलब्धि को केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार यानी 'डबल इंजन' सरकार के बेहतर समन्वय के उदाहरण के तौर पर भी पेश कर सकती है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और राज्य में विष्णुदेव साय सरकार के बीच योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर तालमेल को भाजपा लगातार अपनी सरकारों की उपलब्धि के रूप में सामने रखती रही है। पीएम आवास योजना में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष प्रदर्शनकर्ता राज्य का सम्मान मिलना इसी ▶▶शेष पेज 5 पर

किन आधारों पर मिला सम्मान

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत राज्यों के प्रदर्शन का आकलन केवल स्वीकृत आवासों की संख्या के आधार पर नहीं किया जाता, बल्कि योजना के वास्तविक क्रियान्वयन से जुड़े कई मानकों को ध्यान में रखा जाता है। इनमें स्वीकृत आवासों के मुकाबले निर्माण की प्रगति, पूर्ण हो चुके आवासों की संख्या, पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने की स्थिति और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे पहलू महत्वपूर्ण हैं। इस लिहाज से छत्तीसगढ़ को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का सम्मान मिलना राज्य के नगरीय प्रशासन एवं आवास से जुड़े विभागों के लिए भी बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

अरुण साव की भूमिका भी अहम

राज्य के उप मुख्यमंत्री अरुण साव नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को संभाल रहे हैं। ऐसे में उनके कार्यकाल में विभाग को मिलने वाला यह राष्ट्रीय सम्मान भाजपा सरकार के लिए अतिरिक्त राजनीतिक महत्व रखता है। विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा केंद्र से पुरस्कार ग्रहण किया जाना प्रशासनिक स्तर पर भी उपलब्धि के रूप में देखा जाएगा।

कांग्रेस के लिए राजनीतिक चुनौती

छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना को लेकर केंद्र से मिलने वाला यह सम्मान कांग्रेस के लिए राजनीतिक चुनौती भी बन सकता है। भाजपा चुनाव के दौरान जिस प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर कांग्रेस सरकार को घेरती रही थी, उसी योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अब राज्य को केंद्र सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना भाजपा के लिए कांग्रेस के खिलाफ जवाबी राजनीतिक अभियान का आधार बन सकता है। हालांकि कांग्रेस की ओर से इस उपलब्धि को लेकर अलग-अलग आंकड़ों और पिछली सरकार के कार्यकाल में योजना की स्थिति का हवाला देकर अपना पक्ष रखा जा सकता है। लेकिन राजनीतिक तौर पर भाजपा के पास अब यह कहने का मजबूत अवसर है कि सत्ता परिवर्तन के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में तेजी आई और उसका परिणाम राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में सामने आया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जीएसटी पर दावा कर सकेंगे बीमा नियोक्ता

नई दिल्ली। नियोक्ता अपने कर्मचारियों को बीमा आवरण देने के लिए जो प्रीमियम चुकाते हैं,



जल्द ही वे उस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकते हैं। जीएसटी परिषद 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक में प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। जीएसटी कानून के तहत व्यक्तियों द्वारा अपने परिवार के लिए जीवन या स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने पर जीएसटी से छूट प्राप्त है।

अधिकारियों का खत्म होगा गिरफ्तारी वाला अधिकार

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद कर अधिकारियों से गिरफ्तारी का अधिकार लेने और किसी भी



गिरफ्तारी के लिए अदालत की मंजूरी के प्रस्ताव पर इस सप्ताह विचार कर सकती है। जीएसटी पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था जीएसटी परिषद सात अक्टूबर की बैठक में अभियोजन से जुड़े सुधारों के पैकेज पर भी विचार कर सकती है।

बाय-बाय जापान, अब कतर में मिलेंगे

नागोया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें 2026



एशियाई खेलों का 4 अक्टूबर 2026 को आधिकारिक समापन हो गया है और अगले 2030 एशियाई खेलों की मेजबानी कतर की राजधानी दोहा को सौंपी गई है। समापन समारोह के दौरान आज एशियन गेम्स का आधिकारिक फ्लैग दोहा को सौंप दिया गया।

म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

अमेरिका ने जानबूझकर खुद को अकेली 'शक्ति' बनाया, चीन के उभार से ही यूएस का बदला रुख



एजेंसी ▶▶ म्यूनिख

- उभरती और मध्यम शक्तियों के बीच जहां उनके हितों का सीधा टकराव नहीं
- अमेरिका-चीन की प्रतिस्पर्धा का दुनिया पर दिख रहा असर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को वैश्विक भू-राजनीति के बदलते समीकरणों पर बात की। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका का बदला हुआ रुख और चीन का उभार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के दो मुख्य स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा अब केवल अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने विभिन्न देशों के पास मौजूद प्रभाव और साधनों के इस्तेमाल को भी एक नए रूप में ला दिया है। म्यूनिख लीडर्स मीटिंग में बोलते हुए जयशंकर ने अमेरिका के बड़े बदलाव वाले रुख का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह ▶▶शेष पेज 5 पर

अमेरिका और चीन दोनों देश एक -दूसरे पर रखते हैं नजर

चीन खुद को एक विशिष्ट देश के रूप में देखता है दोनों में स्पर्धा

यह बदलाव उसकी पसंद का है और एक तरह से उसने जानबूझकर खुद को अधिक अकेली शक्ति बनाया है। उन्होंने कहा कि दूसरी प्रमुख विशेषता चीन का उभार है। जयशंकर के अनुसार, चीन खुद को एक विशिष्ट देश के रूप में देखता है और वैश्विक स्तर पर दोनों के बीच काफी तीखी प्रतिस्पर्धा है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह प्रतिस्पर्धा केवल अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार, इसने किसी भी देश के पास मौजूद किसी भी प्रभाव या साधन के इस्तेमाल को एक हथियार के रूप में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिस्पर्धा आपसी निर्भरता की जटिलता के साथ-साथ चल रही है।

यूरोपीय देशों से गहरी साझेदारी कर हो सकता है वैश्विक लाभ

विदेश मंत्री ने कहा, यूरोप दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है। गहरी साझेदारी के लिहाज से इससे बड़ा लाभ हो सकता है। कभी-कभी मुझे लगता है कि यूरोप खुद भी शायद इसके बारे में पर्याप्त रूप से जागरूक नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में यूरोप समग्र रूप से अधिक एकजुट हुआ है और इसलिए वैश्विक मंच पर बहुध्रुवीय व्यवस्था के एक ध्रुव के रूप में उसकी विश्वसनीयता भी बढ़ी है। जयशंकर ने कहा, आज यूरोप के पास वास्तव में एक बहुत मजबूत पक्ष है और सच कहूं तो भारत जैसे देश के लिए यूरोप से जुड़ने और उसके साथ अपने संबंधों को विकसित करने का यह बेहद मजबूत आकर्षण है।

उभरती और मध्यम शक्तियों के सहयोग पर जोर

जयशंकर ने कहा कि उभरती और मध्यम शक्तियों के बीच जहां उनके हितों का सीधा टकराव नहीं है, वहां वे आपसी सहयोग को मजबूत करने में रुचि रखती हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों का अमेरिका और चीन के साथ सहयोग करना भी स्वाभाविक है। उन्होंने इसके उदाहरण के तौर पर क्वाड का जिक्र किया। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उन्होंने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और नॉर्दर्न सी रूट का जिक्र किया। जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स भी इसका एक उदाहरण है, जहां विभिन्न पक्षों को लगता है कि उनकी सामूहिक आवाज अलग-अलग आवाजों की तुलना में अधिक प्रभावी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि इन दोनों पहलों की शुरुआत भारत ने की और वे सफल रही हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में कई देश, जरूरी नहीं कि वे प्रमुख शक्तियां हों, अपने हितों के अनुसार एक साथ आ रहे हैं। उनके अनुसार, ▶▶शेष पेज 5 पर

बहुध्रुवीयता के तेज उभार का भी जिक्र

जयशंकर ने वैश्विक स्तर पर बहुध्रुवीयता के तेजी से उभरने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देशों के लिए ऐसे कई पक्षों के साथ संबंध रखना जरूरी हो गया है, जिनके साथ अपने हितों को हमेशा आसानी से एक जैसा बनाना संभव नहीं होता, लेकिन जिनके साथ संबंध रखना वास्तविकता है। उन्होंने इसे रुजोखिमों को संतुलित करते हुए आगे बढ़ने की रणनीतिक बताया। जयशंकर ने कहा कि इस स्थिति के बहुपक्षवाद पर पड़ने वाले प्रभावों को भी देखना होगा। उन्होंने कहा कि बहुपक्षवाद पहले से ही दबाव में है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र जैसी प्रमुख बहुपक्षीय संस्था में गतिरोध स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस बदलती स्थिति का एक परिणाम छोटे-छोटे समूहों के रूप में भी सामने आ सकता है।

एफआईआर में देरी पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने जंतर-मंतर की घटना को लेकर अमित शाह से मांगा जवाब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ कथित बदसलूकी और उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।



राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जंतर-मंतर पर एक महिला पत्रकार ने पुलिस अधिकारी पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि सैकड़ों पत्रकार घंटों से इस मांग को लेकर बैठे हैं कि मामले में एफआईआर दर्ज की जाए। राहुल ने सवाल उठाया कि एफआईआर दर्ज करना पुलिस का बुनियादी काम ▶▶शेष पेज 5 पर

सैकड़ों लोगों को हिरासत में लेने का आरोप

राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उसी दिन सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने महिला प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी, कैमरे छीने जाने और पत्रकारों को घसीटे जाने के आरोप भी लगाए। राहुल ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर इस तरह के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि वीडियो सबूतों के साथ पहले भी पुलिस अधिकारियों पर महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के आरोप सामने आ चुके हैं। राहुल ने कहा कि दिल्ली की महिलाएं और छात्राएं अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और सत्याग्रह कर रही हैं, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी वाली पुलिस पर ही महिलाओं के साथ कथित तौर पर हाथ उठाने के आरोप लग रहे हैं।

'एक महिला की शिकायत दर्ज करने से डरती है सरकार?'

राहुल गांधी ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जो सरकार एक महिला की शिकायत दर्ज करने से डरती है, वह आखिर किसकी हिफाजत कर रही है। इसके बाद उन्होंने सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित करते हुए लिखा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है और इस मामले का जवाब उन्हें ही देना है।

3 महिला पत्रकारों से बदसलूकी

पार्लियामेंट स्ट्रीट 'थाने के बाहर' प्रदर्शन, क्राइम ब्रांच करेगी जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन की कवरेज के दौरान 3 महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर बदसलूकी और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। एक महिला पत्रकार ने एसीपी विवेक भगत पर सीने पर हाथ मारने और धक्का देने का आरोप लगाया है। नेहा बोरा ने आरोप लगाया कि उनका अंतरवस्त्र खींचा गया। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर प्रदर्शन किया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ▶▶शेष पेज 5 पर

श्रद्धालुओं से सतर्क रहने की अपील

पं. शास्त्री बोलेः धाम में आने वाली महिलाएं अकेले न आएं

- सेवादार पर आंख मूंदकर भरोसा न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

बागेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने विशेष अपील की है। शनिवार रात दिव्य दरबार के दौरान उन्होंने माताओं-बहनों से कहा कि वे धाम में अकेले आने से बचें। यदि अकेले आना पड़े तो किसी अनजान व्यक्ति या सेवादार पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। शास्त्री ने श्रद्धालुओं से सतर्क और सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ कहीं न जाएं और धाम में अनावश्यक रूप से लंबे समय तक न ठहरें। बागेश्वर धाम का क्षेत्र करीब पांच किलोमीटर में फैला है। मंदिर परिसर और हॉल की व्यवस्था एवं सुरक्षा की ▶▶शेष पेज 5 पर



मुख्यमंत्री ने कहा औद्योगिक विकास और निवेश के लिए हरियाणा में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिया सिंगापुर के निवेशकों को हरियाणा में निवेश का न्योता



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को अपने सिंगापुर दौरे के दौरान सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा सिंगापुर में भारत के राजदूत डॉ. शिल्पक ▶▶शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के उद्योग जगत को हरियाणा में निवेश के अवसरों से कराया अवगत

मुख्यमंत्री सैनी ने कार्यक्रम में हरियाणा की निवेश अनुकूल नीतियों, औद्योगिक क्षमता, अवसंरचनात्मक विकास तथा निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सिंगापुर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे हरियाणा में निवेश के उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ▶▶शेष पेज 5 पर

गुंटूर में शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने देश की पहली 3 डी कंक्रीट प्रिंटिंग हाउसिंग परियोजना का किया शुभारंभ

आंध्र प्रदेश को 3 लाख पक्के आवासों की सौगात हर गरीब का बनेगा पक्का आशियानाः शिवराज



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के बुर्रीपालेम गांव में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में राज्य को 3,600 करोड़ रुपए की लागत से 3 लाख पक्के ▶▶शेष पेज 5 पर

76 हजार के बदले दिए 3 लाख आवास, बोले- मांगेंगे 9 लाख तो वो भी देंगे

चौहान ने घोषणा की, हमारे मंत्रालय के अधिकारियों ने मुझे आंध्र प्रदेश के लिए केवल 76,000 आवासों का कोटा बताया था। लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मुझे अपने राज्य के प्रत्येक गरीब का सपना पूरा करना है, हमें और मकान चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से हमने 76 हजार नहीं, सीधे 3 लाख पक्के मकानों की पहली किस्त आंध्र को सौंप दी है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां नालसर यूनिवर्सिटी में बोले

- अरबपति हो या रिक्शा वाला, सभी के वोट की कीमत समान

वोट देने के अधिकार से वंचित करना उसे अपने ही देश में दूसरे दर्जे का 'नागरिक' बनाने जैसा

मतदान का अधिकार देश के स्वतंत्रता संघर्ष और नागरिकों के बलिदान से जुड़ा, विधायिका को भी ऐसे अनुचित प्रावधान नहीं बनाने चाहिए, जो मतदान के अधिकार को सीमित करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा है कि लाखों भारतीय नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मनमानी है और उसे किसी भी तर्क के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। संविधान नागरिकों के ऐसे दो वर्ग नहीं बनाता, जिनमें एक को



उज्ज्वल भुइयां

वोट देने का अधिकार हो और दूसरे को इससे वंचित रखा जाए। अरबपति हो या रिक्शा चालक, दोनों के वोट की कीमत बराबर है।

जस्टिस भुइयां रविवार को हैदराबाद स्थित नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ (एनएएलएसएआर) में नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नागरिकता ▶▶शेष पेज 5 पर

अनुच्छेद 326 और 14 का दिया हवाला

जस्टिस भुइयां ने कहा कि बड़े पैमाने पर नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने वाली प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और 14 का उल्लंघन कर सकती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियादी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि विधायिका को भी ऐसे तर्कहीन या अनुचित प्रावधान नहीं बनाने चाहिए, जो मतदान के अधिकार को सीमित करें। कानून के मामले में यह ▶▶शेष पेज 5 पर

केरल सरकार का आदेश

ज्ञानेश के खिलाफ पुराने मामले की जांच के आदेश



ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरलम सरकार ने 20 साल पुराने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला वर्ष 2006 का है, जब ज्ञानेश कुमार केरलम में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत थे। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि उस ▶▶शेष पेज 5 पर

कई राज्यों में ट्रैकिंग के बाद मुंबई से किया गया गिरफ्तार

सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी के दो मामलों में वांछित आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



आर्थिक अपराध शाखा ने कुशल समीर मेहता नाम के शख्स को मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी के दो मामलों में वांछित था। पुलिस कई राज्यों में इसकी तलाश में जुटी थी। इसके खिलाफ पहला केस 2022 और दूसरा 2025 में दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार पहला मामला वित्त मंत्रालय के सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत नकली और जाली मंजूरी पत्रों, ट्रेजरी पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स और अन्य सरकारी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी भुगतान जारी करवाने की कोशिश से जुड़ी थी। जिन दस्तावेजों पर सवाल उठाए गए वे एंडीज क्रिएशन के पक्ष में सात करोड़ 62 लाख 30 हजार और एसेन्जा न्यूट्रिशन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 11 करोड़ से संबंधित थे। संबंधित अधिकारियों से जांच करने पर पता चला कि जिन मंजूरी पत्रों व इंस्ट्रूमेंट्स पर सवाल उठाए गए थे, वे असली नहीं थे और सरकारी भुगतान जारी नहीं किए गए थे। जांच के दौरान ऐसे दस्तावेज भी सामने आए जिनमें कथित सरकारी रक्षा आपूर्ति आदेश दिखाए गए थे। इनमें रक्षा मंत्रालय व सेना से जुड़ी प्रस्तावित आपूर्ति भी शामिल थी। इनका मकसद लाभार्थी कंपनियों, बैंकों व निजी फाइनेंसरों और अन्य लोगों के सामने असली सरकारी कामकाज या अनुबंध होने का दिखावा करना था। लाभार्थी कंपनियों से जुड़े लोगों ने भी कुशल समीर मेहता की कथित भूमिका का खुलासा किया था। उसने ही ये संदिग्ध दस्तावेज, सरकारी आपूर्ति आदेश और वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स उपलब्ध कराए थे। 2025 में आरोपी कुशल समीर मेहता का नाम दूसरी बार एफआईआर में शामिल किया गया था। इस मामले में आरोप है कि कुशल समीर मेहता ने दावा किया था कि सरकारी विभागों में उनकी पहुंच व प्रभाव है और वे सरकारी काम करवा सकते हैं। शिकायतकर्ता का आरोप था कि उन्हें लगभग 3.12 करोड़ रुपये का गलत तरीके से नुकसान हुआ। मेहता कोर्ट को कोर्ट द्वारा बार बार नोटिस दिए जाने के बावजूद वह जांच में शामिल नहीं हुआ था। इसके बाद उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे।

आईआईटी के पीएचडी छात्र की डेढ़ माह बाद एम्स में मौत

दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आईआईटी के पीएचडी स्कॉलर मनीष आनंद की डेढ़ माह तक चले इलाज के दौरान शनिवार को एम्स में मौत हो गई। मामले में दिल्ली पुलिस ने रविवार को किशनगढ़ थाने में बीएनएस की धारा 108 के तहत केस दर्ज किया है। छात्र को नींद की गोलियां खाने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को मुनिरका गांव में मनीष अपने किराए के घर में बेहोश और घायल हालत में मिला था। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और पड़ोसियों ने उसे तोड़कर खोला था। पुलिस ने मनीष को इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया था। 45 दिनों तक चले इलाज के बाद 3 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। यह एफआईआर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और आईआईटी दिल्ली के सिक्योरिटी ऑफिसर से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह घटना आईआईटी कैंपस के अंदर नहीं हुई थी। जांच पड़ताल के दौरान, परिवार या गवाहों की ओर से किसी भी व्यक्ति पर कोई शक या आरोप नहीं लगाया गया है, क्योंकि घायल व्यक्ति घर में अकेला था। घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से भी इसकी पुष्टि हुई है। नींद की गोलियां खाने के बाद मनीष किडनी और लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। मनीष ने ऐसा कदम क्यों उठाया और इसके पीछे कोई व्यक्तिगत, शैक्षणिक या अन्य वजह थी या नहीं पुलिस इसकी जांच कर रही है।

डेढ़ माह के अंतराल में दूसरे छात्र की मौत

आईआईटी दिल्ली में करीब डेढ़ महीने के अंतराल में दूसरे छात्र की मौत ने संस्थान में छात्रों के मानसिक दबाव और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक छात्र की मौत की जांच पूरी भी नहीं हुई थी कि अब पीएचडी छात्र मनीष आनंद के निधन ने छात्रों व उनके परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। बायोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी विभाग में पीएचडी कर रहे मनीष आनंद मूलरूप से बिहार के पूर्णिया के रहने वाले थे। मनीष का बड़ा भाई 2025 बैच का आइएफएस अधिकारी है और आईआईटी दिल्ली के एल्युमिनी भी है।

उनकी मौत की सूचना मिलने के बाद संस्थान में शोक का माहौल है। आईआईटी की तरफ से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर मनीष के निधन की जानकारी दी गई और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इससे पहले 22 अगस्त को एमएससी फिजिक्स के छात्र ऋषिकेश कुमार की भी मौत हुई थी। ऋषिकेश की मौत के बाद संस्थान ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी।

मेट्रो निर्माण के दौरान पेड़ों को क्षति पहुंचाने का मामला

अदालत ने डीएमआरसी डीडीए से मांगा जवाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मध्य दिल्ली के करोल बाग इलाके में मेट्रो निर्माण के दौरान पेड़ों को क्षति पहुंचाने के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) से जवाब मांगा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इलाके में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य बेरोकटोक जारी है और इस दौरान हरे-भरे तथा विशाल पेड़ों को क्षति पहुंच रही है।

न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने डीडीए, डीएमआरसी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि यह क्या है? आप आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते। केवल उतना ही हटाएं, जितना बेहद जरूरी हो। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए छह अक्टूबर की तारीख तय की है। याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता अर्पित भार्गव ने दलील दी कि डीएमआरसी करोल बाग में देशबंधु गुप्ता मार्ग पर उनके आवास के पीछे स्थित डीडीए की खाली जमीन पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस जमीन पर कई विशाल और हरे-भरे पेड़ हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान मशीनों और अन्य उपकरणों के इस्तेमाल से बड़ी मात्रा में लोहे तथा इस्पात रॉड एवं अन्य निर्माण सामग्री की कटाई और प्रसंस्करण किया जा रहा है, जिससे भारी मात्रा में धूल और सूक्ष्म कण फैल रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि धूल और निर्माण कार्य से उत्पन्न प्रदूषक पेड़ों के बेहद करीब वातावरण में फैल रहे हैं और पेड़ों की पत्तियों तथा आसपास की मिट्टी जम रहे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि डीएमआरसी ने भूमिगत निर्माण के लिए दीवार बनाने के दौरान कई पेड़ों को नुकसान पहुंचाया है और पुराने एवं विशाल पीपल के पेड़ों को भी काटा जा रहा है।

नियमित सफाई न होने से नालियां जाम

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली। लक्ष्मीनगर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में नियमित सफाई न होने से नालियां जाम रहती हैं। उधर नालियां जाम होने से गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है। मंडावली के शिव मंदिर रोड पर आए दिन सड़कों पर पानी भर जाता है। लोगों का कहना है कि यहां नालियों की सफाई नियमित न होने के कारण ऐसा हो रहा है। यहां कई-कई दिन तक नालियों की सफाई नहीं होती है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नियमित रूप से नालियों की सफाई की जाए और कूड़ा उठाया जाए तो इलाके में गंदगी नहीं रहेगी। लेकिन ओर प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

गांधीनगर की कपड़ा फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गांधीनगर इलाके में स्थित एक कपड़ा फैक्टरी में रविवार को आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मिली सूचना के अनुसार प्रताप गली में एक इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित फैक्टरी में आग लगने की सूचना सुबह 10 बजकर छह मिनट पर दमकल विभाग को मिली। आग पर काबू पाने के लिए पानी के तीन टैंकर सहित अन्य इकाइयों को मौके पर भेजा गया। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि आग पर 11 बजकर 10 मिनट पर काबू पा लिया गया था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आइसा और आप का विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



- आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को बिना नंबर प्लेट वाली प्राइवेट गाड़ी में बैठाया तो हुआ जोरदार विरोध
- नेहा को पुलिस ने नरेला थाने ले जाकर रिहा किया

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर व इंडिया गेट के आसपास रविवार को लगातार तीसरे दिन भी हंगामा और विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के कार्यकर्ताओं ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और कई लेवल के बैरिकेडिंग के बीच जंतर-मंतर तक मार्च निकालने की कोशिश की। जबकि, आम आदमी पार्टी के नेता इंडिया गेट तक जाने की कोशिश में थे। कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। यह आंदोलन चुनाव आयोग पर लगे आरोपों के खिलाफ चल रहा है।

यह क्रम दोपहर बाद से शाम तक चलता रहा। अशोक मार्ग स्थित आंध्र भवन सर्कल, जनपथ रोड पर जंतर-मंतर के नजदीक आइसा व आम आदमी पार्टी का अलग-अलग विरोध प्रदर्शन हुआ। दोपहर में आप कार्यकर्ताओं को हल्की झड़प के बाद पुलिस ने हैदराबाद हाउस के नजदीक से हिरासत में लिया। जिनमें विधायक कुलदीप कुमार और संजीव झा सहित अन्य नेता शामिल थे। आइसा कार्यकर्ता अशोका रोड इलाके से जंतर-मंतर की ओर निकले, लेकिन पुलिस बैरिकेडिंग के कारण उन्हें रोका गया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की और सुरक्षा बलों से हल्की झड़प हुई। आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश करते दिखीं। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के सदस्यों ने रविवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर के पास मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान संगठन की आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को बिना नंबर प्लेट वाली प्राइवेट गाड़ी में उठा लिया और उन्हें अज्ञात स्थान पर ले गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गाड़ी में कोई महिला पुलिस अधिकारी मौजूद नहीं थी, जो नियमों का उल्लंघन है। दिल्ली पुलिस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। बाद में पता चला कि उन्हें नरेला औद्योगिक पुलिस स्टेशन ले जाया गया था और उन्हें रिहा कर दिया गया। इंडिया गेट पर भी आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन हुआ, जहां दिल्ली इकाई प्रमुख सौरभ भारद्वाज और विधायक संजीव झा समेत एक दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को ले जा रही बसों को रोका और बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें फुटबॉल की तरह उठा-फेंक किया और कैमरों से छिपाने के लिए उल्टा लटकाया। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी जी हिटलर को भी पीछे छोड़ गए हैं।

एसीपी पर महिला पत्रकार के यौन उत्पीड़न का आरोप, जांच में जुटी क्राइम ब्रांच

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शनिवार को हुए प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं। कनॉट प्लेस के एसीपी विवेक भगत का नाम भी यौन उत्पीड़न करने वालों में शामिल बताया जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए शिकायतों को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया गया है। पुलिस प्रदर्शन से जुड़े सभी वीडियो और सोशल मीडिया मंचो का विश्लेषण कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला पत्रकारों में से एक ने शनिवार को कहा कि जब वह प्रदर्शन कवर कर रही थीं तो पुलिसकर्मी महिला प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रहे थे और मौके पर कोई महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी। मैने एसीपी विवेक भगत से महिला पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति के बारे में पूछा, जिसके बाद उन्होंने मुझे गलत तरीके से टच करते हुये पीछे धकेल दिया। पत्रकार ने बताया कि इसके बाद वह अन्य पत्रकार साथियों के साथ एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने गए लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यौन उत्पीड़न के इस नये मामले से दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

डिजिटल अरेस्ट से लाखों की धोखाधड़ी के दो आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण जिले की साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट कर लाखों की धोखाधड़ी का मामला सुलझाते हुये दो आरोपियों को जम्मू और कश्मीर व राजस्थान से गिरफ्तार किया है। एक आरोपी के खाते से 10 एनसीआरपी शिकायतें जुड़ी पाई गई है।

पुलिस के अनुसार मामले में आरोपियों ने कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर व्हाट्सएप वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता को छह लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए उकसाया गया था। पुलिस ने मनी ट्रेल और तकनीकी विश्लेषण से पता लगाया कि धोखाधड़ी की रकम सबसे पहले राजस्थान के भीलवाड़ा निवासी मुकेश द्वारा नियंत्रित फेडरल बैंक खाते में जमा की गई थी। आगे की जांच में पता चला कि साढ़े पांच लाख जम्मू एंड कश्मीर के कठुआ निवासी रितीश कुमार मेहरा द्वारा संचालित कोटक महिंद्रा बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी।

मनी ट्रेल का पीछा करते हुए रितीश को कठुआ और मुकेश को भीलवाड़ा, राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद मुकेश की प्रोफाइल जांच करने पर एक और खाता मिला, जिसमें लगभग 50 लाख का लेनदेन हुआ था और जो विभिन्न राज्यों की 10 एनसीआरपी शिकायतों से जुड़ा था। तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि धोखाधड़ी में इस्तेमाल किया गया ऑनलाइन संचार कंबोडिया से भी जुड़ा था।

जैतपुर में ननद और भाभी ने झगड़े में किया आत्महत्या का प्रयास

नई दिल्ली। जैतपुर एक्सटेंशन की खड्डा कॉलोनी में ननद और भाभी ने झगड़े में आत्महत्या की कोशिश की। एक महिला ने बालकनी से छलांग लगा दी, जबकि दूसरी उसी मकान की शाफ्ट के भीतर कूद गई। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुये दोनों को बचाया। पुलिस के अनुसार यह घटना दो अक्टूबर को तब सामने आई जब लगभग 25 वर्ष की एक महिला ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और कहासुनी के दौरान पहली मंजिल की बालकनी से नीचे सड़क पर छलांग लगा दी। इसी बीच करीब 24 वर्षीय दूसरी महिला मकान की शाफ्ट में कूद गई जिसे पुलिस और दमकल कर्मियों ने घायल अवस्था में बाहर निकाला। दोनों महिलाओं का ननद व भाभी का रिश्ता बताया जा रहा है। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि एक महिला ने कथित तौर पर दूसरी महिला का वीडियो रिकॉर्ड कर किसी अन्य व्यक्ति को भेज दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हुई थी।

सर्राफा कारोबारी से गबन के आरोपी भाई चढ़े हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एक सर्राफा कारोबारी से गबन के दो आरोपी भाईयों को 15 साल बाद गिरफ्तार किया गया है। इन पर 1,430 ग्राम सोने और हीरों का कथित तौर पर गबन करने का आरोप था। दोनों आरोपी भाईयों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिंटू कोले (47) और मिंटू कोले (46) को एक और दो अक्टूबर की दरमियानी रात हुगली से गिरफ्तार किया गया।

दोनों के खिलाफ 2011 में कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया था। वे आभूषण बनाने और डिजाइन करने में प्रशिक्षित हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली में विभिन्न सर्राफा कारोबारियों के साथ काम करते हुए आभूषण डिजाइन करने में विशेषज्ञता हासिल की थी।

मामले में दोनों को भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया, जिसके बाद 2012 में प्रत्येक पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच की एक टीम ने हुगली में दोनों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद इन्हें गिरफ्तार किया। आरोपी वहां आभूषण बनाने का काम कर रहे थे। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि वे अपना आभूषण डिजाइन करने का कारोबार शुरू करना चाहते थे लेकिन उनके पास पर्याप्त धन नहीं था।

रात को पूरी सड़क कूड़े के ढेर में हो जाती है तब्दील

बाली नगर की मुख्य सड़क हुई अतिक्रमण की शिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



पश्चिमी जिले के राजधानी कॉलेज व ईएसआई अस्पताल बसई दारापुर के बीच स्थित बाली नगर की मुख्य सड़क पूरी तरह से अतिक्रमण का शिकार हो चुकी है। दिन के समय सड़क किनारे कारों की डेंटिंग पेंटिंग वालों द्वारा कई सौ मीटर सड़क पर अतिक्रमण और रात के समय में यहं कूड़े के ढेर लगने से आसपास रहने वाले लोगों का जीवन किसी नरक से कम नहीं है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था ना होने के कारण रात के अंधेरे में कारों के अंदर शराब पीते व जाम छलकाते लोग भी अमूमन देखे जाते हैं। ऐसे में महिलाओं व पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा भी खतरे में नजर आती है।

सरकार और दिल्ली नगर निगम के कूड़े से आजादी और अतिक्रमण से मुक्ति के दावों की पोल भी खुलती यहां नजर आती है। दिल्ली पुलिस अतिक्रमण और दिल्ली नगर निगम सफाई की चरमराती इस समस्या पर आंखे मूंदे बैठी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे से ही सड़क पर डेंटिंग पेंटिंग वाले कब्जा कर लेते हैं। कई सौ मीटर की सड़क पर कारों की लाइनें दिखाई देने लगती है।

सड़क किनारे और फुटपाथ पर जगह जगह कब्जे के कारण राहगीरों के लिए चलने की जगह तक नहीं बचती। इस सड़क पर कुछ की कदमों की दूरी पर सनातन धर्म मंदिर के पास स्थित पुलिस बूथ भी अतिक्रमण का शिकार हो चुका है। पुलिस बूथ के आसपास इतना अधिक अतिक्रमण है कि बूथ दिखाई ही नहीं पड़ता। राजधानी कॉलेज के छात्रों और ईएसआई अस्पताल के मरीजों की इस इलाके में बड़ी संख्या में आवाजाही है। ऐसे में अतिक्रमण महज यातायात की समस्या नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी गंभीर सवाल बन चुका है।

ईएसआई अस्पताल के सामने गलत दिशा में दौड़ते वाहनों से जान का जोखिम

अस्पताल के सामने से बसई दारापुर की तरफ गलत दिशा में दौड़ते वाहनों से जान का जोखिम भी हमेशा बना रहता है। आम नागरिकों के साथ साथ मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में दिखाई पड़ती है। टूटी फूटी सड़क और ऊपर से गलत दिशा में दौड़ते वाहन ना सिर्फ एक्सीडेंट का खतरा बनाये हुये है बल्कि यातायात नियमों का भी खुला उल्लंघन हैं। दुपहिया वाहनों के साथ साथ चार पहिया वाहन भी गलत दिशा में धड़ल्ले से दौड़ते नजर आते है। यातायात पुलिस इलाके में कहीं नजर नहीं आती। इसके साथ ही अस्पताल के बाहर की पूरी पटरी अतिक्रमण का शिकार हो चुकी है। पटरी ब्लॉक होने की वजह से पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना मजबूरी बन चुका है।

कनॉट प्लेस में राहगिरी डे और संडे ऑन साइकिल का आयोजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में रविवार सुबह साइकिलिंग, फिटनेस गतिविधियों और लाइव संगीत का आयोजन हुआ। 'राहगिरी डे' पहल के तहत व्यस्त कारोबारी इलाके के एक हिस्से को लोगों के लिए खोला गया था। इस दौरान दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राहगिरी कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, अध्यक्ष एनडीएमसी मनोज कुमार द्विवेदी और विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात), दिल्ली पुलिस अजय चौधरी ने राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा भट्ट के साथ साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में साइकिलिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, योग, जुंबा, फिटनेस गतिविधियों, लोक नृत्य, कठपुतली शो, चॉक आर्ट, खेल और फिटनेस जोन के साथ-साथ स्टॉल और अन्य इंटरैक्टिव गतिविधियां शामिल थीं। इन गतिविधियों ने बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और परिवारों को एक साथ भाग लेने और सक्रिय सार्वजनिक स्थलों की खुशी का अनुभव करने का अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने 45 किलोवाट सौर संयंत्र का किया लोकार्पण

हरेवली गोशाला को मिली स्वच्छ ऊर्जा की सौगात : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली देहात के बवाना विधानसभा स्थित हरेवली स्थित गौशाला में नवनिर्मित भवन तथा '45 किलोवाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र' का लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सपरिवार हवन-पूजन, गौपूजन, गौदान और चारा सेवा की।

इस दौरान उन्होंने गौशाला में विशेष देखभाल पा रहीं गौमाताओं के बीच समय बिताया और वहां उपलब्ध सेवा एवं देखभाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा संयंत्र गौशाला को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



है। इससे गौशाला की ऊर्जा जरूरतों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने गौसेवा और गौसंरक्षण को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा बताते हुए कहा कि गौपूजन में श्रद्धा, गौसेवा में करुणा और गौदान में लोकमंगल की भावना निहित है। इस दौरान सांसद योगेंद्र चांदोलिया, कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज और विधायक तिलक राम गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान गौशाला में धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा और बेहतर व्यवस्थाओं का संदेश भी दिया गया।

गौसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की जरूरत है और ऐसे प्रयासों को अन्य संस्थानों तक भी पहुंचाया जाना चाहिए। गौशाला परिसर में नए भवन के लोकार्पण से वहां की व्यवस्थाओं को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। हरेवली गौशाला में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को गौसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने वाली पहल के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने गौमाताओं की सेवा के दौरान गौशाला की व्यवस्थाओं को नजदीक से देखा और सेवा कार्यों में शामिल लोगों से भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गौसेवा और गौसंरक्षण की चिरंतन परंपरा को आगे बढ़ाना समाज और सरकार दोनों का सांस्कृतिक दायित्व है।

नए भवन से व्यवस्थाओं को मजबूती की उम्मीद

हरेवली गौशाला के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी इस कार्यक्रम की अहम कड़ी रहा। इससे गौशाला में उपलब्ध सुविधाओं और सेवा व्यवस्था को बेहतर आधार मिलने की उम्मीद है। राजधानी में गौशालाओं को लेकर अक्सर पशुओं की देखभाल, स्वच्छता, चारा, पानी और स्वास्थ्य जैसी व्यवस्थाएं चर्चा में रहती हैं। ऐसे में नई सुविधाओं के साथ यह भी जरूरी होगा कि इनका नियमित रखरखाव और गौमाताओं की देखभाल प्रभावी तरीके से सुनिश्चित की जाए।

सौर ऊर्जा से कम हो सकता है बिजली खर्च

गौशालाओं में बिजली की जरूरत लगातार बनी रहती है। पशुओं की देखभाल, पानी, प्रकाश, पंखे और अन्य व्यवस्थाओं के संचालन के लिए नियमित बिजली की आवश्यकता होती है। ऐसे में '45 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र' गौशाला की बिजली जरूरतों में वैकल्पिक स्वच्छ ऊर्जा का योगदान दे सकता है। इससे भविष्य में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता और ऊर्जा खर्च को कम करने में मदद मिलने की संभावना है।

ईवी चार्जिंग ढांचे के लिए 382 स्थल को भारी उद्योग मंत्रालय की मंजूरी : सूद

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद ने रविवार को कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग ढांचा स्थापित करने के लिए 382 स्थलों को मंजूरी दी है। सूद ने बयान में कहा कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने ईवी चार्जिंग ढांचे के लिए 456 स्थल की पहचान की थी, जिनमें से 382 को एमएचआई ने मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि 30 जून को अधिसूचित दिल्ली ईवी नीति के तहत पिछले तीन महीनों में सभी 382 स्थल का दोबारा आकलन किया गया। इसके तहत दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए अलग-अलग स्थल की पहचान की गई है। सूद ने कहा कि इन स्थल का आकलन यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि दिल्ली का चार्जिंग नेटवर्क आगामी कानूनी अनिवार्यताओं के अनुरूप हो। इनमें एक जनवरी, 2027 से तिपहिया वाहनों और एन1 श्रेणी के हल्के वाणिज्यिक वाहनों के 100 प्रतिशत पंजीकरण तथा एक अप्रैल, 2028 से दोपहिया वाहनों के 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक पंजीकरण का प्रावधान शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) के रूप में वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी केपीएमजी को नियुक्त किया है। और स्थल का व्यापक पुनर्मूल्यांकन पूरा हो चुका है। सूद ने कहा कि सरकार अब पहले चरण में 160 से 180 ऐसे स्थल के लिए निविदा जारी करने जा रही है, जहां चार्जिंग ढांचा स्थापित करने की बेहतर तैयारी है।

पत्नी को चाकू से काटने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एजीएस टीम ने पालम इलाके में अपनी पत्नी की चाकू से हत्या करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रदीप (36) इस सनसनीखेज हत्या के बाद से फरार था। इसने 30 वर्षीय पत्नी की हत्या अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर हुई तीखी बहस के बाद की थी। आरोपी जेजे कॉलोनी, पालम में बिरयानी की दुकान चलाता था। दंपति की शादी 2017 में हुई थी और इनके दो बेटे है। पुलिस के अनुसार मामला 27 सितंबर को सामने आया था। शाम लगभग 4:49 बजे, पालम गांव थाने को काली माता मंदिर, जेजे कॉलोनी के पास एक महिला को चाकू मारे जाने के बारे में पीसीआर कॉल मिली थी। घायल महिला को तुरंत इंदिरा गांधी अस्पताल भेजा गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीडीए चला रहा महीने भर का 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- अभियान से जन-जागरूकता और जनभागीदारी को दिया जा रहा बढ़ावा

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा अपने पार्कों, हरित क्षेत्रों, खेल परिसरों और मनोरंजन सुविधाओं में महीने भर का व्यापक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता, पर्यावरण सुधार, जन-जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। डीडीए प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के नेतृत्व में इस अभियान के दौरान 'चिल्ड्रन टू द ग्रीन- लर्न, केयर एंड पार्टिसिपेट', 'बिन बिफोर ओवरफ्लो' और 'कैपिटल्स प्रॉमिस' जैसी विशेष पहल शामिल की गई हैं। इसके साथ ही स्वच्छता, पौधरोपण, पर्यावरण जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। डीडीए के अनुसार, उपराज्यपाल संधू का जोर दिल्ली को स्वच्छ, हरा-भरा और बेहतर ढंग से व्यवस्थित शहर बनाने पर है। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर 2026 को 'स्वच्छता ही सेवा 2026' की भावना के अनुरूप हुई थी और इसके तहत लगातार स्वच्छता, सैनिटेशन, पौधरोपण, जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में डीडीए के अधिकारी एवं कर्मचारी, 75 आरडब्ल्यूए, विद्यार्थी, बच्चे, पार्कों में आने वाले लोग और सार्वजनिक स्थलों से जुड़े नागरिक भाग ले रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य सार्वजनिक सुविधाओं की स्वच्छता और रखरखाव में सुधार करना है।

उपराज्यपाल संधू ने जनता को जागरूक करते हुए बताया कि स्वच्छ भारत मिशन में जनभागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि, स्वच्छ भारत इस सदी का दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जन-नेतृत्व वाला और जन-संचालित सार्वजनिक आंदोलन है। उन्होंने यह भी कहा है कि कहीं न कहीं इसकी शुरुआत एक व्यक्ति से होती है, फिर दूसरे लोग उससे जुड़ते हैं और आंदोलन बढ़ता जाता है। यही जनभागीदारी है। तीन विशेष पहल 'चिल्ड्रन टू द ग्रीन-लर्न, केयर एंड पार्टिसिपेट' पहल के तहत बच्चों और विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों में पार्कों, पेड़ों और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा उन्हें स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदार बनाना है।

सीईओ कार्यालय ने दिल्ली के सभी पोलिंग स्टेशन पर स्पेशल कैंप किए आयोजित, लोगों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत रविवार को राजधानी के सभी बूथों पर स्पेशल कैंप का आयोजन किया। इन कैंपों में लोगों ने उन्हें मिले नोटिस सहित अन्य कार्य करवाएं। कैंपों में मौजूद बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) मतदाताओं की परेशानियों का हल करने में हर संभव लगे दिखाई दिए। वहीं कई क्षेत्रों के मतदाताओं का कहना है कि उनका बीएलओ कई कई बार फोन करने के बाद भी बात नहीं करता। वहीं कुछ लोगों की शिकायत मिली की जो दस्तावेज मांगे जा रहे है उनको लेकर भी बीएलओ के अलग अलग मानदंड है। रविवार को लगे पहले कैंपो में लोगों ने नए पात्र नागरिको ने मतदाता सूची में शामिल होने के लिए फॉर्म-6 भरकर जमा कराए। वहीं कई बूथों पर मतदाता सूची में मौजूद अपात्र अथवा गलत मतदाता के नाम को हटाने के लिए फॉर्म-7 जमा कराए गए। जबकि फॉर्म-8 भरकर लोगों ने विभिन्न प्रकार की त्रुटियों में सुधार कराए, जैसे हिंदी और इंगलिश में नाम की स्पेलिंग में अंतर, जन्मतिथि या पते में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी आदि को ठीक करने के लिए फार्म जमा कराए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह सही है कि कुछ लोगों ने शिकायत भी की है, और हमने सुना है। अधिकारी ने भरोसा दिया कि हमारे सीईओ अशोक कुमार के सख्त निर्देश हैं कि एक भी वैध मतदाता का नाम सूची से बाहर नहीं होना चाहिए, इसके लिए हर संभव कदम उठाने पड़े तो जरूर उठाएं। अधिकारी ने कहा कि हम हर मतदाता को भरोसा दिलाते है कि नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि आपका नाम अब सूची में जुड़ेगा ही नहीं। जो त्रुटियों रह गई या हुई है उन्हें सुधारने के लिए ही यह प्रक्रिया चलाई जा रही है। अधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं को विसंगतियों या नाम मैपिंग को लेकर निर्वाचन आयोग से नोटिस मिले हैं, वह अपने सभी जरूरी दस्तावेज जिसमें पहचान और पते का प्रमाण, अपने संबंधित बीएलओ के पास जमा कर अपनी समस्याओं का निवारण कर सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि कैंप के अलावा बीएलओ संबंधित नोटिस वाले मतदाता के घर जाकर उनकी मदद करते हुए सुधार में सहयोग करेंगे। बावजूद इसके अगर किसी को बीएलओ से शिकायत है तो उससे ऊपर के अधिकारियों से मिले और अपनी पहचान के सबूत सामने रखें और सूची में आराम से अपना दर्ज करा सकते है। अधिकारी ने बताया कि सभी बूथों पर अगला एक दिवसीय कैंप आगामी रविवार, 11 अक्टूबर को सभी पोलिंग स्टेशनों पर लगाए जाएगें। बता दें कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत दिल्ली में करीब 33 लाख से अधिक मतदाताओं को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। ऐसे में चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि सितंबर से बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 तक कर दी है।

मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय पर कांग्रेस सात अक्टूबर को करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के साथ कांग्रेस 7 और 8 अक्टूबर को दिल्ली में जिला स्तर पर प्रदर्शन करेगी। इस बात की जानकारी रविवार को कांग्रेस नेता अनिल भारद्वाज ने दी है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय रविवार को हुई इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के नेताओं के साथ हुई एक बैठक में लिया गया है। बैठक में शामिल हुए अनिल भारद्वाज ने बताया कि 7 अक्टूबर 2026 को कश्मीरी गेट स्थित दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन में दिल्ली के मुख्य निर्वाचन आधिकारी (सीईओ) की उन विफलताओं को उजागर किया जाएगा जिनके कारण विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों से आने वाले या शहर के गरीब इलाकों में रहने वाले मतदाताओं का नामांकन नहीं हो पाया है। इस प्रदर्शन में दिल्ली में एसआईआर के तहत मसौदा मतदाता सूची से 47 लाख 5 हजार से अधिक लोगों के नाम हटाए जाने और ईसीआई द्वारा अन्य 33 लाख मतदाताओं को नोटिस दिए जाने की चिंता उठाई जाएगी, जिसमें उनसे अपनी पात्रता साबित करने को कहा गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर बीएलओ ड्यूटी का बोझ

पहले से संभाल रहीं है बच्चों और पोषण की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और वोट कटने को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत काम करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का अतिरिक्त कार्य सौंपे जाने से उनमें नाराजगी बढ़ रही है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि विभागीय जिम्मेदारियों के साथ चुनाव संबंधी अतिरिक्त काम करने से उन पर काम का दबाव बढ़ जाएगा। उनका सवाल है कि जब उन्हें आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी जिम्मेदारियां निर्धारित समय तक निभानी होती हैं तो उसके बाद बीएलओ की जिम्मेदारी के लिए पर्याप्त समय कैसे निकलेगा? नाम नहीं छापने की शर्त पर कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे सुबह से दोपहर करीब दो बजे तक आंगनवाड़ी केंद्र का काम करती हैं। इसके बाद भी यदि उन्हें मतदाता सूची से संबंधित बीएलओ का जबरन काम दिया जाएगा है तो घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच इस अतिरिक्त कार्य को पूरा करना उनके लिए मुश्किल हो जाएगा।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अतिरिक्त जिम्मेदारी देने के लिए चुनाव प्रशासन द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला एवं बाल विकास विभाग की जमीनी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक देखभाल से जुड़ी सेवाओं के साथ गर्भवती और धात्री महिलाओं से संबंधित कार्य भी उनकी जिम्मेदारियों में शामिल हैं। ऐसे में यदि इन्हीं कर्मियों पर चुनावी ड्यूटी का अतिरिक्त भार डाला जाता है तो इसका असर उनके मूल काम पर पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सवाल यह है कि सरकार और चुनाव विभाग अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपने से पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यभार और उपलब्ध समय का आकलन क्यों नहीं कर रहे? यदि बीएलओ का काम जरूरी है तो उसके लिए पर्याप्त समय, प्रशिक्षण, स्पष्ट निर्देश और सम्मानजनक संवाद सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। आखिर मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम उन कर्मियों पर अतिरिक्त दबाव डालकर नहीं होना चाहिए, जिन पर पहले से ही बच्चों और महिलाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

एशियन गेम्स-2026 में कबड्डी खेल में स्वर्ण पदक जीतकर लौटे गौरव

ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से किया अभिनंदन



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एशियन गेम्स-2026 की कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले 'नरेला स्थित पाना उद्यान के बेटे गौरव खत्री' का रविवार को रामदेव चौक के निकट कम्फर्ट जोन परिसर में आयोजित समारोह में जश्न के माहौल में भव्य स्वागत किया है। पहले नरेला के मुख्य मार्ग पर विजय रैली निकाली और उसके बाद समारोह में गौरव के पहुंचते ही ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच ग्रामीणों और युवाओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां जनप्रतिनिधियों सहित गणमान्य लोगों ने फूल-मालाओं के साथ गौरव का अभिनंदन किया, वहीं उनके सम्मान में नोटों की माला भी पहनाई गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा अपने इस होनहार बेटे की उपलब्धि का जश्न मनाने समारोह में पहुंचे। बता दें कि गांव की पृष्ठभूमि से निकले गौरव खत्री की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे नरेला और दिल्ली देहात का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। साधारण किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक पहुंचे गौरव ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि ग्रामीण पृष्ठभूमि में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। समारोह में मौजूद लोगों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीतते हैं तो यह पूरे दिल्ली देहात के लिए गर्व की बात होती है। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, रविंन्द्र इंद्राज, सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक राजकरण खत्री, विधायक गजेंद्र दराल, पार्षद दिनेश भारद्वाज, लववंशीय खत्री खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रणबीर सिंह, पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी, बवाना बावनी के प्रधान चौधरी दारा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रजनीश खत्री, कर्मवीर खत्री, धर्मवीर खत्री, पंकज खत्री सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। गणमान्य अतिथियों ने कहा कि गौरव जैसे खिलाड़ी गांव के उन बच्चों के लिए प्रेरणा हैं, जो सीमित संसाधनों के बावजूद खेलों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। वहीं, गौरव के भारत टीम के कोच बलवान सिंह दहिया ने भी अपने शिष्य की उपलब्धि पर खुशी जताई।

एक अक्टूबर से लागू कर दिया गया है पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड

पिंक कार्ड से टिकट निकालने में हो रही देरी, कई बसों में पिंक कागजी पास अभी भी लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा के लिए 1 अक्टूबर से पिंक सहेली कार्ड लागू कर दिया गया है। इस पिंक कार्ड से कई बसों में कंडक्टरों को टिकट निकालने में समय लग रहा है। उधर अभी कई बसों में पुरानी पिंक कागज वाला ही पास महिलाओं को दिया जा रहा है। गौरतलब है कि रविवार को बस रूट संख्या 144ए सिंधु बॉर्डर से कमला मार्केट तक चलने वाली



बस में जब महिलाओं ने पिंक सहेली कार्ड से टिकट लिया तो कंडक्टर को इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (इटीएम) मशीन से टिकट निकालने में समय लग गया। ऐसा कई बसों में देखने को मिला है। इससे कंडक्टर के पास महिलाओं की भीड़ लग जाती है। वहीं रूट नंबर 442 आजादपुर से नेहरू प्लेस के बीच चलने वाली बस में पंजाबी क्लब के पास जब एक महिला ने पिंक सहेली कार्ड से टिकट लेना चाहा तो कंडक्टर ने महिला को पुराना पिंक कागज वाला पास महिला को दे दिया। उस कंडक्टर का कहना था कि डीटीसी प्रशासन ने कहा कि अभी पिंक कागज वाला पास महिलाओं को दिया जा सकता है। दरअसल एक ही मशीन से पिंक सहेली कार्ड और टिकट की सुविधा होने से टिकट निकालने में देरी हो रही है। महिला यात्रियों का कहना है कि पिंक सहेली कार्ड के लिए प्रशासन को अलग मशीन की व्यवस्था करनी चाहिए। एक महिला यात्री ने बताया कि कार्ड से यात्रा आसान हो सकती है, लेकिन भीड़ में एक ही मशीन पर कई कार्ड टैप होने से समय लग रहा है। इसके लिए प्रशासन को अलग से व्यवस्था करनी होगी तभी पिंक सहेली कार्ड से टिकट लेने में सहजता होगी। महिला एक महिला यात्रा ने कहा कि पिंक सहेली कार्ड के कई फायदे भी हैं। डिजिटल और कार्ड-आधारित प्रक्रिया से महिलाओं को हर बार टिकट के लिए छुट्टा पैसों का इंतजाम करने की झंझट से मुक्ति मिली है। कामकाजी महिलाओं, छात्राओं और दैनिक मजदूरी करने वाली महिलाओं के मासिक बजट में इससे सीधी बचत हो रही है। गौरतलब है कि परिवहन विभाग ने पूरी तरह से पिंक सहेली कार्ड की अनिवार्यता के लिए उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी और अधिसूचना जारी होने तक पिंक पर्ची जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

एक सप्ताह में 45 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

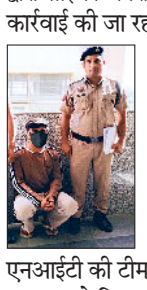
फरीदाबाद। साइबर अपराधियों के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस



उपायुक्त मुख्यालय हिमाद्री कौशिक के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीमों ने 26 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच एक सप्ताह के दौरान प्रभावी कार्रवाई करते हुए 45 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 13,48,600 की राशि बरामद की गई है।

फोन हैक कर 58 हजार रुपए की ठगी

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों पर लगतार कार्रवाई की जा रही है, जिस पर



फोन हैक कर व्यक्ति से 58 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुये साइबर थाना एनआईटी की टीम ने अमन वासी गुरुग्राम को गिरफ्तार किया है। कुरैशीपुर फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि 24 अगस्त 2026 को अचानक उसका मोबाइल फोन हैक हो गया।

ठगी के मामले में खाताधारक धराया

फरीदाबाद। इंस्टाग्राम एड के माध्यम से गिफ्ट भेजने के नाम पर 37,944 रुपये की ठगी करने के



मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी की टीम ने हरिराम माली निवासी सवाई माधोपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार एनआईटी फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 6 सितंबर को उसने इंस्टाग्राम पर गिफ्ट का एक विज्ञापन देखा।

सीपी का इनर सर्कल बना सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र, युफोरिया की प्रस्तुति ने बांधा समां

राहगीरी डे पर सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, साइकिलिंग और पैदल चलने का दिया संदेश, दी लाइव प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

राहगीरी डे के दौरान रविवार को सीपी का इनर सर्कल हजारों लोगों की मौजूदगी से गुलजार रहा। 'संडेज ऑन साइकिल' पहल के शुभारंभ के साथ सड़कें साइकिलिंग, पैदल चलने, योग, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बन गईं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने खुले सार्वजनिक स्थानों में गतिविधियों का आनंद लिया। राहगीरी डे में बच्चों को साइकिल और स्कूटर चलाते देखा गया, वहीं परिवारों ने सड़क पर होने वाले खेलों, योग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। आयोजन के जरिए सुरक्षित, सुलभ और सभी के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थानों की जरूरत को सामने रखा गया। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि शहरों में पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध होने चाहिए, ताकि लोग स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपना सकें। कार्यक्रम में पॉप-रॉक बैंड 'युफोरिया' ने डॉ. पलाश सेन के नेतृत्व में लाइव प्रस्तुति दी।

इनर सर्कल हजारों लोगों की मौजूदगी से गुलजार रहा



ताकि लोग स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपना सकें



राहगीरी डे साइकिलिंग करते और लुत्फ उठाती सडकों पर उमड़ी भीड़।

शहर के साथ जुड़ने का अवसर देता है

मुख्य मार्ग पर हुई प्रस्तुति में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और संगीत के साथ कार्यक्रम का माहौल और जीवंत हो गया। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने कहा कि हर रविवार प्रमुख मार्गों को पैदल चलने और साइकिल चलाने के लिए उपलब्ध कराने से नागरिकों को स्वस्थ और हरित राजधानी की दिशा में भागीदारी का अवसर मिलता है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी अजय चौधरी ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा और प्राथमिकता महत्वपूर्ण है। वहीं एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि नई दिल्ली में साइकिलिंग और पैदल यात्रियों के लिए बेहतर स्थान विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। 'युफोरिया' के फ्रंटमैन डॉ. पलाश सेन ने कहा कि राहगीरी डे लोगों को पैदल चलने, सक्रिय रहने और शहर के साथ जुड़ने का अवसर देता है। राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा भट्ट ने कहा कि राहगीरी का उद्देश्य ऐसा समावेशी वातावरण तैयार करना है, जहां हर उम्र और क्षमता के लोग सार्वजनिक स्थानों का स्वतंत्र रूप से इस्तेमाल कर सकें।

सेवा मेरा योगदान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने 400 पौधे किए वितरित

भाजपा की जिला मासिक बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा और सेवा संकल्प अभियान की हुई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित में अनेक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू कर रही है। इन योजनाओं से समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण भाजपा संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और प्रत्येक बूथ को सक्रिय बनाना हमारी प्राथमिकता है। भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद की मासिक संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय अटल कमल पर जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में भाजपा जिला प्रभारी एवं कालका की पूर्व विधायक लतिका शर्मा, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग एवं शोभित अरोड़ा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल एवं जिला प्रभारी लतिका शर्मा व पर्यावरण विभाग के जिला संयोजक ललित भारद्वाज ने उपस्थित कार्यकर्ताओं व नागरिकों को 400 पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

> लतिका शर्मा ने कहा-मजबूत बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और निरंतर जनसंपर्क से सशक्त होगा संगठन नागरिकों को 400 पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

- प्रत्येक बूथ को सक्रिय बनाना हमारी प्राथमिकता है
- सक्रिय बूथ, निरंतर जनसंपर्क और समर्पित कार्यकर्ता ही



जनसंपर्क और समर्पित कार्यकर्ता ही मजबूत संगठन की पहचान हैं

जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। जिला प्रभारी लतिका शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान बनाने की अपील की। रामपाल ने बताया कि 7 अक्टूबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा व सेवा ज्योति यात्रा जिले के गांवों वार्डों और क्षेत्रों से निकलकर सेक्टर-12 में संपन्न होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में जिला प्रभारी लतिका शर्मा ने संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ स्तर पर संगठन मजबूती और जनसंपर्क बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए शेष कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा नए लोगों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सक्रिय बूथ, निरंतर जनसंपर्क और समर्पित कार्यकर्ता ही मजबूत संगठन की पहचान हैं।

शिविर आयोजित करने पर अधिकारियों को

इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी वजीर सिंह डागर, जिला उपाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना, हरेन्द्र भड़ाना, भारती भाकुनी, गोल्डी अरोड़ा, मुकेश शर्मा, एडवोकेट विक्रम सिंह अरुआ, जिला सचिव तरनजीत सिंह भाटिया, गिर्राज त्यागी, पुनीता झा, डॉ. अनुराधा डीगवाल, महिला मोर्चा अध्यक्षा राजबाला सरधाना, खेडी मंडल प्रभारी नीरज मित्तल, नरेंद्र जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुधीर मेहता, अमित आहूजा, आनंद कश्यप, मुकेश झा, शिव गुप्ता, कृष्ण पहलवान, सौरभ खंडूजा, सचिन गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक सतीश कुमार फागना के भाई एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कविंद्र चौधरी ने कहा कि यह आयोजन सामाजिक सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान महादान, हमारा छोटा सा प्रयास किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता हैः सर्वप्रिय त्यागी



रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम वार्ड-23 में पार्षद कुणाल यादव की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और आयोजकों एवं रक्तदाताओं का आभार जताया। इस अवसर पर सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया छोटा सा प्रयास किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है।

बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया

रक्तदान जैसे कार्य लोगों को एक-दूसरे की मदद के लिए प्रेरित करते हैं और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देते हैं। त्यागी ने रक्तदाताओं का आभार जताते हुए युवाओं से रक्तदान सहित अन्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार समाजहित में योगदान दे सकता है और सेवा कार्य समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। शिविर में वार्ड-23 के पार्षद कुणाल यादव, सरस्वती मंडल अध्यक्ष दिनेश शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान कर अभियान में सहभागिता दर्ज कराई।

प्रतियोगिता का आयोजन पैरामाउंट इंटरनेशनल स्कूल, नरवाना, जींद में हुआ था

खुले दरबार में पहुंचे विभिन्न वर्गों के लोग मंत्री राजेश नागर ने सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हर रविवार की तरह इस रविवार को भी हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर के निवास पर खुले दरबार का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न वर्गों के लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं, सुझाव और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषय मंत्री के समक्ष रखे। मंत्री राजेश नागर ने लोगों की बातें सुनते हुए संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। खुले दरबार में फरीदाबाद की होनहार खिलाड़ी कियारा गेरा की उपलब्धि भी चर्चा का विषय रही। कियारा ने चौथी हरियाणा राज्य सब-जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप- 2026 में फरीदाबाद का प्रतिनिधित्व करते हुए 24 किलोग्राम भार वर्ग एवं 9 से 11 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन पैरामाउंट इंटरनेशनल स्कूल, नरवाना, जींद में हुआ था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद अब कियारा उड़ीसा में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कियारा के कोच संतोष थापा और दिव्या थापा ने बताया कि कियारा पिछले पांच वर्षों से सेक्टर-9 स्थित ड्रैगन मार्शल आर्ट अकादमी में कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनकी मेहनत का परिणाम लगातार बेहतर प्रदर्शन के रूप में सामने आ रहा है। कियारा शिव नादर स्कूल की कक्षा पांच की छात्रा हैं।

खुले दरबार में सामाजिक मुद्दों से जुड़े प्रतिनिधि पहुंचे

खुले दरबार में सामाजिक मुद्दों से जुड़े प्रतिनिधि भी पहुंचे। गुर्जर सभा हरियाणा की ओर से 18 अक्टूबर को गांव की अनाज मंडी में आयोजित होने वाली सामाजिक कुरीतियों के विरोध की महापंचायत का निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। ऐसे आयोजन लोगों को सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी क्रम में एक अभियान जिंदगी के नाम के प्रतिनिधियों ने 11 अक्टूबर को आयोजित होने वाले हेलमेट लंगर की जानकारी मंत्री को दी।

मेवाड़ में गांधी-शास्त्री जयंती आयोजित

दोनों महापुरुषों के योगदान को देशवासी रखें याद-डॉ. गदिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र के प्रति योगदान पर आधारित भाषण, कविताएं, गीत और देशभक्ति से ओतप्रोत नारों की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में दोनों महान नेताओं के योगदान और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने महात्मा गांधी व शास्त्री जी के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग सुनाये। उन्होंने बताया कि गांधी जी सम्पन्न परिवार से होने के बावजूद सादा जीवन जिये और आम आदमी की तरह जनता के बीच रहे, इसीलिए उनका आंदोलन जन आंदोलन बना। अंग्रेजों से उन्होंने जनता के बूते स्वाधीनता छीनी। जनता की आवाज बने, तभी गांधी जी राष्ट्रपिता कहलाये। इसी प्रकार साधारण कद-काठी होने के बावजूद शास्त्री जी ने असाधारण कार्य किये। अन्न संकट से देश की जनता को छुटकारा दिलाया। दोनों महापुरुषों का जो सम्मान विदेशों में है, हमारे देश में भी वैसा अगर हो तो हम सच्चे देशभक्त कहलाने के लायक होंगे।

बैठक में हुई समाज को मजबूत करने व समाज में भागीदारी

पंजाबी समाज को संगठित करने के लिए इंटरनेशनल अरोड़वंश खत्री फाउंडेशन की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लंबे समय से असंगठित रह रहे पंजाबी समाज को संगठित करने की बड़ी और मजबूत मुहिम शुरू की गई है। इस मुहिम के तहत इंटरनेशनल अरोड़वंश खत्री फाउंडेशन का गठन किया गया है। जिसकी महत्वपूर्ण बैठक फरीदाबाद के वल्ड स्ट्रीट पर एआईएफओएम कार्यालय प्रांगण में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डा.एनसी वधवा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन पंचकूला से आए राकेश वधवा व उद्योगपति श्याम सुंदर कपूर ने किया। बैठक में विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा एवं उत्तराखंड के विभिन्न शहरों से विशिष्ट सदस्यों सहित दिल्ली एनसीआर के शहरों से



प्रशासनिक, उद्योग, कारोबार, शिक्षा, मीडिया, चिकित्सा, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े 54 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत सभी प्रतिनिधियों द्वारा अपना परिचय देने से हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डा.एनसी वधवा ने संस्था के गठन के उद्देश्य से लेकर समाज हित में अब तक हुए कार्यों पर प्रकाश डाला। संचालन करते हुए राकेश वधवा ने अब तक हुई संस्था की पिछली छह बैठकों के बारे में बताया। डा.एनसी वधवा सहित सभी सदस्यों ने पंजाबी समाज के लोगों द्वारा आजादी के आंदोलन से लेकर देश को आजाद कराने के साथ-साथ उसके बाद राष्ट्र को आगे बढ़ाने में दिए योगदान पर चर्चा की।

स्वच्छता एवं अनुरक्षण व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

नेहरू क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं आमजन को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शनंद किशोर कलाल व सदर विधायक संजीव शर्मा ने रविवार को प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ नेहरू क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्टेडियम में खिलाड़ियों, युवाओं एवं आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, स्वच्छता, अनुरक्षण तथा अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उपाध्यक्ष ने स्टेडियम परिसर की स्वच्छता एवं अनुरक्षण व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए संबंधित अनुरक्षण एजेंसी को नियमित साफ-सफाई, समुचित रख-रखाव एवं उच्च गुणवत्ता के अनुरक्षण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि अनुरक्षण एजेंसी द्वारा लीज के संबंध में प्राधिकरण में जमा कराई गई धनराशि के सापेक्ष स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं आमजन के हित में आवश्यक विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएं।

> प्राधिकरण उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने विधायक संजीव शर्मा के साथ किया निरीक्षण, स्टेडियम में आने वाले खिलाड़ियों, युवाओं एवं आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राधिकरण की प्राथमिकता

- समुचित रख-रखाव एवं उच्च गुणवत्ता के अनुरक्षण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए



इसके अंतर्गत स्टेडियम में ये प्रमुख कार्य कराए जाएंगे

- वॉकिंग ट्रैक का निर्माण एवं सुधार
- ओपन जिम की स्थापना
- स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण
- स्टेडियम को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित करना
- उद्यान एवं हरित क्षेत्रों का विकास
- ड्रेनेज सिस्टम का सुधार एवं सुचारु संचालन
- शौचालयों की मरम्मत एवं आवश्यक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण
- वॉटर कूलर की स्थापना
- जनसुविधा संबंधी कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएं।

बेहतर खेल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र बन सके

उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित कार्यों के लिए अभियंत्रण अनुभाग द्वारा शीघ्र प्राक्कलन तैयार कर नियमानुसार निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए, ताकि चयनित एजेंसी के माध्यम से कार्यों को यथाशीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण कराए जाएं। स्टेडियम में आने वाले खिलाड़ियों, युवाओं एवं आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राधिकरण की प्राथमिकता है।उपाध्यक्ष ने स्टेडियम परिसर को स्वच्छ, हरित, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक जनसुविधाओं से युक्त खेल परिसर के रूप में विकसित किए जाने पर विशेष जोर दिया, जिससे नेहरू क्रिकेट स्टेडियम शहर के खिलाड़ियों एवं युवाओं के लिए बेहतर खेल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र बन सके।

केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की

सपा का विरोध मार्च, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को विरोध मार्च निकाला। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।

जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन की शुरुआत नवयुग मार्केट से हुई। यहां सपा कार्यकर्ता एकत्र हुए और पैदल मार्च करते हुए गांधी पार्क पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारे लगाए। जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने आरोप लगाया कि



एस आई आर प्रक्रिया के जरिए मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उनके मुताबिक, हाल के चुनावों में चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सवाल उठे हैं और विपक्ष लगातार निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग की। महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि चुनाव आयोग पर सत्ता के दबाव में काम करने के आरोप लग रहे हैं।

खबर संक्षेप

सीट बंटवारे पर अखिलेश को मसूद का जवाब



लखनऊ। यूपी चुनाव 2027 से पहले सपा व कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सहमति बनती नहीं दिख रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन में बात सीटों की नहीं, बल्कि जीत की होनी चाहिए। वहीं यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद ने इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

पत्नी को लटकाकर दौड़ाने वाला पति काबू

मेरठ। जिले में पत्नी को कार के बोनट पर लटकाने वाले पति मयंक सिंह और उसकी गर्लफ्रेंड माही



वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। दरअसल एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कार के बोनट पर महिला लटकी हुई दिखाई दे रही थी। पति और उसकी प्रेमिका को कार में देखकर पत्नी ने भड़क गई थी। विरोध किया तो सड़क पर हंगामा खड़ा हो गया। महिला कार रोकने के लिए बोनट पर चढ़ गई तो पति ने कार दौड़ा दी।

झारखंड में पीडीएस केंद्र होंगे मजबूत

रांची। झारखंड के 25,000 जनवितरण प्रणाली दुकानों को मजबूत करने और 2.62 करोड़ से



अधिक लाभुकों को समय पर राशन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए 172.73 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने केंद्र प्रायोजित एनएफएसए के तहत डीलर मार्जिन योजना के क्रियान्वयन के लिए राशि जारी की है।

जेडीयू के अनंत-नीरज झगड़े पर प्रशांत किशोर बोले

नीतीश थे जदयू की ताकत, अमित शाह चला रहे उनकी पार्टी, शिक्षक संवाद के बाद मीडियाकर्मियों से की बात

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार एमएलसी चुनाव से पहले नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के दो बड़े चेहरे अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच सिसायी जंग पर प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। तिरहुत की स्नातक और शिक्षक सीट पर जन सुराज पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगने मुजफ्फरपुर पहुंचे प्रशांत किशोर ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब जदयू का भारतीय जनता पार्टी में विलय हो जाएगा। इन दिनों बिहार में जेडीयू को नीतीश कुमार नहीं बल्कि, अमित शाह अपने हिसाब से चला रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब जदयू का भारतीय जनता पार्टी में विलय हो जाएगा। इन दिनों बिहार में जेडीयू को नीतीश कुमार नहीं बल्कि, अमित शाह अपने हिसाब से चला रहे हैं...

... जब जदयू का भाजपा में विलय हो जाएगा



जेडीयू का अब कोई भविष्य नहीं ?

मुजफ्फरपुर में आयोजित शिक्षक संवाद के बाद प्रशांत किशोर ने मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने स्नातक सीट के उम्मीदवार डॉ वीमोहन और शिक्षक सीट के उम्मीदवार श्यामनंदन यादव को जीत दिलाने की अपील की। पत्रकारों ने उनसे पटना सीट पर नीरज और अनंत सिंह के बीच सीधी टक्कर पर भी सवाल पूछा। जवाब में उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जनता दल यू की ताकत थे। उन्होंने परोक्ष रूप से राजनीति से सन्यास ले लिया है। अब बिहार में जनता दल यूनाइटेड का संचालन अमित शाह अपने हिसाब से कर रहे हैं। अब इस दल का कोई भविष्य नहीं है।

तीन चार सालों में भाजपा जदयू का अस्तित्व खत्म कर देगी

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि ऐसे ही जेडीयू को कमजोर किया जा रहा है। ऐसी स्थिति बनाई जा रही है कि जेडीयू भाजपा की बी टीम बन जाए या मर्ज कर जाए। आने वाले तीन चार सालों में भाजपा जदयू का अस्तित्व खत्म कर देगी। थोड़ा इंतजार कीजिए। जब स्थिति उनके अनुकूल बनेगी तब यह काम अपने फायदे के लिए कर लेंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज सत्ता और पद हासिल करने के लिए राजनीति नहीं कर रहा है। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन कराना हमारा मकसद है। जन सुराज लोगों के साथ चल रही है। आज किसी को व्यवस्था से निराशा हाथ लगती है तो वह जन सुराज के पास आता है।

अब प्रदेश से पलायन नहीं होता, अपनी माटी में हुनर दिखा रहे कारीगर

65 देशों के 450 से अधिक बायर्स और 250 एग्जीबिटर्स ले रहे एक्सपो में हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संत रविदास नगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश था, लेकिन बीच में बीमारू मानसिकता वाली सरकारों ने इसे बीमारू बना दिया था। जिस उत्तर प्रदेश में कभी कारीगर और हस्तशिल्पी रोजी-रोजगार के लिए पलायन पर मजबूर थे, आज उन्हें अपनी ही माटी में हुनर दिखाने का मंच मिल रहा है। 2017 से पहले दंगा-कर्फ्यू और अराजकता से कारोबार बेहाल था, लेकिन अब कोई माफिया खुली जीप में पिस्टल लहराकर नहीं धमका सकता। न ही बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है। आज कालीन उद्योग को तकनीक, डिजाइन और बाजार के साथ बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षा मिली है। भदोही का कालीन दुनिया के बाजार में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने रविवार को संत रविदास नगर, भदोही के कारपेट एक्सपो मार्ट में 4-7 अक्टूबर तक आयोजित इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण का शुभारंभ किया। उन्होंने स्टॉलों पर जाकर कारीगरों व हस्तशिल्पियों के उत्पाद देखे। इस एक्सपो में लगभग 250 एग्जीबिटर्स और 65 देशों के 450 से अधिक विदेशी बायर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें ब्रिक्स देशों के 106 बायर्स भी हैं।

मुख्यमंत्री ने रविवार को संत रविदास नगर, भदोही के कारपेट एक्सपो मार्ट में 4-7 अक्टूबर तक आयोजित इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण का शुभारंभ किया। उन्होंने स्टॉलों पर जाकर कारीगरों व हस्तशिल्पियों के उत्पाद देखे। इस एक्सपो में लगभग 250 एग्जीबिटर्स और 65 देशों के 450 से अधिक विदेशी बायर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें ब्रिक्स देशों के 106 बायर्स भी हैं...

संत रविदास नगर, भदोही में इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण

- अब कोई माफिया खुली जीप में पिस्टल लहराकर नहीं धमका सकता
- बेटी-व्यापारी की सुरक्षा में नहीं लगा सकता सेंध



छह घंटे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी का सीधा लाभ कालीन उद्योग को मिल रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे का विंध्य एक्सप्रेसवे के रूप में विस्तार होने पर संत रविदास नगर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट छह घंटे में पहुंचा जा सकेगा। वहां कार्गो सुविधा से भदोही के कालीन दुनिया के बाजारों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही वाराणसी से हल्दिया के बीच इनलैंड वाटरवे और वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी कार्गो सुविधा उपलब्ध है। इससे व्यापारियों को लाभ होगा।

सिल्क क्लस्टर से 6,100 करोड़ का निर्यात

सीएम ने कहा कि संत रविदास नगर और सिल्क क्लस्टर से 6,100 करोड़ का निर्यात हो रहा है। देश के कुल कालीन निर्यात में संत रविदास नगर, मीरजापुर और वाराणसी के सिल्क क्लस्टर की हिस्सेदारी 60% है। अकेले भदोही में 2,500 एमएसएमई यूनिट हैं, जिनका वार्षिक टर्नओवर 10 हजार करोड़ है। इस उद्योग से पांच लाख से अधिक लोगों को सीधे रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि जनपद में निर्मित 90 प्रतिशत कालीन अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा , ब्रिटेन समेत विभिन्न देशों को निर्यात किए जाते हैं। भदोही के हस्तनिर्मित कालीन को जीआई टैग भी मिला है। कारपेट और टेक्सटाइल क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा, डिजाइनिंग और डाइंग के प्रशिक्षण के लिए भदोही में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी स्थापित है।

उद्यमियों से मुख्यमंत्री ने किया सीधा संवाद

सिल्क क्लस्टर के रूप में विकसित होंगे भादोही, वाराणसी



हरिभूमि न्यूज ▶▶ संत रविदास नगर

सीएम योगी ने कहा कि संत रविदास नगर, मीरजापुर व वाराणसी को सिल्क क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण में कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और प्रमुख उद्यमियों से सीधे संवाद के दौरान यह बात कही। उद्यमियों ने कालीन उद्योग के लिए अलग नीति, कारोबार की जरूरतों और महिला उद्यमियों की भागीदारी से जुड़े विषय रखे।

ओडीओपी से मिला लाभ अब कालीन नीति की मांग

इम्तियाज अहमद ने कहा कि ओडीओपी योजना से उद्यमियों को बहुत लाभ मिला है। इसी तर्ज पर कालीन उद्योग के लिए नीति बनाई जाए तो कारोबार को और फायदा होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि तीसरी बार उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद मिला है। हस्तनिर्मित कालीन के लिए अलग व्यवस्था का सुझाव पीयूष कुमार बरनवाल ने कहा कि हस्तनिर्मित कालीन में भारत नंबर वन है।

महिलाओं को सीईपीसी से जोड़ने की उठी बात

आदर्श पूर्णिमा ने कहा कि पहले इंडिया कारपेट एक्सपो दिल्ली में लगता था। तब यह कल्पना भी नहीं की गई थी कि इसका आयोजन भदोही में होगा। अब इतना बड़ा मेला अपने ही जनपद में हो रहा है और मुख्यमंत्री लगातार दूसरी बार कालीन उद्योग का उत्साह बढ़ाने पहुंचे हैं। कालीन उद्योग में बड़ी संख्या में महिला उद्यमी और वर्कर्स हैं, लेकिन कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) का मौजूदा ढांचा महिलाओं को अपने साथ नहीं जोड़ पाया है।

पेज एक का शेष

छग में 'पीएम ...

भाजपा सरकार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

आज विज्ञान भवन में होगा सम्मान समारोहः विश्व आवास दिवस-2026 के अवसर पर 5 अक्टूबर को विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

राजनीतिक संदेश साफः छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर वर्षों तक चली राजनीतिक बहस के बीच केंद्र से मिला यह सम्मान भाजपा के लिए महज एक प्रशासनिक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। कांग्रेस शासन के दौरान जिस योजना को लेकर भाजपा ने विधानसभा चुनाव में बड़ा अभियान चलाया था, उसी योजना में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष प्रदर्शन के लिए सम्मान मिलना साय सरकार के लिए निश्चित तौर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डबल इंजन सरकार के लिए ब्रांडिंग का अवसर भी।

योजनाओं का राज्य में असर बताने का मौकाः भाजपा इस सम्मान को केवल राज्य सरकार की उपलब्धि के रूप में नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की योजनाओं के राज्य में प्रभावी क्रियान्वयन के प्रमाण के तौर पर भी प्रचारित कर सकती है। पार्टी के लिए यह संदेश महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र की योजनाओं का लाभ सीधे गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रहा है। विधानसभा चुनाव के बाद साय सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वह चुनावी वादों को जमीन पर उतारने के साथ-साथ केंद्र की योजनाओं के क्रियान्वयन को भी गति दे। ऐसे में राष्ट्रीय सम्मान सरकार के लिए एक सकारात्मक रिपोर्ट कार्ड के तौर पर सामने आया है।

चुनावी मुद्दे से राष्ट्रीय सम्मान तकः

* भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री आवास योजना को बनाया था बड़ा मुद्दा
* सत्ता परिवर्तन के बाद साय सरकार ने योजना के क्रियान्वयन पर दिया जोर
* पीएम आवास योजना में छत्तीसगढ़ को मिला 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का दर्जा
* केंद्र के सम्मान से भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का मिला नया आधार
* 'डबल इंजन सरकार' के बेहतर समन्वय को भी भाजपा कर सकती है हाईलाइट

कांग्रेस सरकार पर ...

मुद्दा बनाया था। भाजपा नेताओं का आरोप था कि केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे संसाधनों और प्रधानमंत्री आवास योजना के बावजूद बड़ी संख्या में गरीब परिवार पक्के मकान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित मकानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया और सत्ता में आने पर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का वादा किया था।

सत्ता परिवर्तन के ...

क्रियान्वयन पर जोर दिया। अब केंद्र सरकार द्वारा पीएम आवास योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का पुरस्कार दिए जाने से भाजपा को अपने उस राजनीतिक दावे को मजबूत करने का अवसर मिला है, जिसमें वह कांग्रेस सरकार के मुकाबले अपने कार्यकाल में आवास योजना के तेज क्रियान्वयन का दावा करती रही है।

डबल इंजन सरकार...

राजनीतिक नैरेटिव को मजबूती दे सकता है। खासकर ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में अपनी सरकार के कामकाज को लेकर जनता के सामने उपलब्धियां गिनाने की तैयारी कर रही है।

अमेरिका ने जानबूझकर ...

उसकी अपनी पसंद का रुख है और एक तरह से अमेरिका जानबूझकर खुद को अधिक अकेली शक्ति बना चुका है। जयशंकर ने कहा, आज के परिदृश्य की पहली प्रमुख विशेषता अमेरिका का अपने रुख में बड़ा बदलाव है।

उभरती और मध्यम ...

ऐसे देश काम करने की व्यवस्थाएं बनाते हैं, एजेंडा तैयार करते हैं, संगठन विकसित करते हैं और सहयोग की आदतें विकसित करते हैं। उन्होंने इसे आज की बदलती वैश्विक व्यवस्था का हिस्सा बताया।

राहुल गांधी ने ...

है, फिर ऐसा क्यों नहीं किया गया।

महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर लगाए आरोपः मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। दिल्ली पुलिस ने इन शिकायतों को जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंपे जाने की जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जा रही है।

एफआईआर को लेकर प्रदर्शनः महिला पत्रकारों की शिकायत के बाद पत्रकारों और अन्य लोगों की ओर से पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसी मुद्दे को लेकर पुलिस थाने के बाहर भी विरोध प्रदर्शन हुआ और शिकायतकर्ताओं की बात सुनने तथा कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। जंतर-मंतर पर यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों को लेकर किया गया था। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति भी बनी तथा कई लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरें सामने आईं।

पार्लियामेंट स्ट्रीट ...

ने एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। दिल्ली पुलिस के अनुसार महिला पत्रकारों की शिकायतें मिल गई हैं। निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। महिला पत्रकारों का दावा है कि प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने के दौरान मौके पर महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थीं।

10 अक्टूबर को सीजेपी दिल्ली में प्रदर्शन करेगीः सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर को कहा था कि ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली पहुंचेंगे। दीपके ने लिखा- अगर दिल्ली पुलिस हमें रोकने की कोशिश करती है, तो जहां वे हमें रोकेंगे, वही हमारा जंतर-मंतर होगा। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण होगा। हम महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर चलेंगे।

प्रियंका और राहुल ने उठाए सवालः कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मामले पर नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि वे इस घटना पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली की महिलाएं और छात्राएं सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और सत्याग्रह कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले में जवाब देना चाहिए।

पं. शास्त्री बोलेः...

जिम्मेदारी धाम प्रबंधन की है, लेकिन पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना संभव नहीं है। उन्होंने मंदिर परिसर और निर्धारित हॉल के अलावा किसी अनजान जगह पर जाने से बचने की सलाह दी। पं. शास्त्री ने वृंदावन सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर सामने आई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि वह नहीं चाहते कि किसी अप्रिय घटना के कारण बागेश्वर धाम या श्री बालाजी महाराज की बदनामी हो।

मुख्यमंत्री नायब ने ...

अंबुले भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिंगापुर के विशिष्ट उद्योगपतियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस उच्चस्तरीय बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और सिंगापुर के बीच पारस्परिक सहयोग एवं समन्वय को और अधिक मजबूत बनाना तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना था।

भारत-सिंगापुर आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने पर जोरः यह कार्यक्रम आर्थिक कूटनीति के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, जिसमें भारत के दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति रही। इस दौरान सिंगापुर के व्यापारिक समुदाय के साथ भारत और सिंगापुर के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री सैनी ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के संवाद से द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी तथा दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग के नए अवसर विकसित होंगे। इस कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक यश गर्ग, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक विनय प्रताप सिंह, एचएसआईआईडीसी के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक अनिरुद्ध यादव तथा सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन प्रसून मुखर्जी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सिंगापुर ...

विष्णुदेव साय ने भी अपने राज्य में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। सिंगापुर में भारत के राजदूत डॉ. शिल्पक अंबुले ने दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई।

आंध्र प्रदेश को ...

आवासों की बड़ी सौगात सौंपी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री चौहान ने देश की पहली 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक से बनने वाली 177 पायलट आवास परियोजना की नींव रखी।

3डी कंक्रीट तकनीकः 6 महीने में तैयार होंगे मजबूत घरः बुर्रीपालेम और ओबुलनायडुपालेम में शुरू हो रही 3D कंक्रीट प्रिंटिंग परियोजना को देश की आवासीय क्रांति करार देते हुए उन्होंने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट समय, लागत और श्रम की बड़ी बचत करेगा। मशीनरी और उन्नत तकनीक के माध्यम से ये घर मात्र 6 महीने में बनकर तैयार होंगे, जिनकी मजबूती और उम्र पारंपरिक मकानों से कहीं अधिक होगी। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद में कानून पारित कराकर अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र स्थायी राजधानी का दर्जा दिलाया और 15,000 करोड़ रु. की विशेष सहायता राशि जारी की। पोलावरम जैसी जीवनदायिनी परियोजना, अब केंद्र सरकार की 100 प्रतिशत ग्रांट से पूरी गति से पूरी की जा रही है। साथ ही अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा राज्य की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयां देगा।

वोट देने के अधिकार...

और मतदान का अधिकार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। किसी भारतीय नागरिक को वोट देने के अधिकार या मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित करना उसे अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने जैसा होगा। उन्होंने इसकी तुलना शरीर से आत्मा निकालने से की।

अनुच्छेद 326 ...

सिद्धांत लागू होता है, तो किसी प्रशासनिक प्रक्रिया पर भी इसकी जिम्मेदारी उतनी ही, बल्कि अधिक है। उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का उल्लेख करते हुए कहा कि लिंग, नस्ल, धर्म, संपत्ति, शिक्षा या सामाजिक स्थिति के आधार पर नागरिकों के बीच भेदभाव नहीं किया जा सकता, सिवाय सीमित और उचित अपवादों के। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के भाषण का हवाला देते हुए कहा कि मतदान के अधिकार को संवैधानिक संरक्षण मिलना चाहिए, इसे केवल संसदीय कानून के भरोसे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

संविधान से ऊपर कोई प्राधिकरण नहीं : जस्टिस भुइयां ने कहा कि मतदान का अधिकार देश के स्वतंत्रता संघर्ष और नागरिकों के बलिदान से जुड़ा है। संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत किसी प्रक्रिया को स्वीकार नहीं किया जा सकता। कोई भी संस्था या प्राधिकरण संविधान से ऊपर नहीं है। इस दौरान उन्होंने एनएएलएसएआर के छात्रों और शिक्षकों की भी सराहना की। उन्होंने छात्रों को प्रतिभाशाली, निडर और साहसी बताते हुए कहा कि उन्होंने देश और दुनिया के सामने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, विशेषकर कानून के छात्रों की क्षमता का उदाहरण पेश किया है।

ज्ञानेश के खिलाफ...

समय कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले की जांच में कोई बाहरी दबाव डाला गया था या नहीं। यह मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के उन्नयन कार्य से जुड़ा है। इस परियोजना में शामिल पीएटीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से भी इसका संबंध बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, कथित सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने की बात सामने आई थी। हालांकि, आरोपों की सच्चाई और उस समय की घटनाओं का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

सुल्तानपुर हादसे पर सीएम ने लिया संज्ञान

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता



हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुल्तानपुर

सुल्तानपुर के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने हादसे में मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने, घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

दरअसल, हलियापुर थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 79.6 के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार एंबुलेंस सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। एंबुलेंस शहीद सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर पंचकूला से देवरिया लेकर जा रही थी। हादसे में एंबुलेंस सवार चार लोगों की मौत हो गई। दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो की इलाज के दौरान मौत हुई। हादसे में चालक समेत अन्य लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। गैस कटर की मदद से एंबुलेंस में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शहीद का पार्थिव शरीर सम्मानपूर्वक सुरक्षित रखवाया। शुरुआती जांच में चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।



ऑरा इंडिया टूर : सात शहरों में होंगे दिलजीत के कॉन्सर्ट

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का मोस्ट अवेटेड 'ऑरा इंडिया टूर 2026' आने वाला है। कुछ महीनों पहले ही गायक ने लंदन के वेम्बली में परफॉर्म करते हुए यह ऐलान किया था कि वह अहमदाबाद में जल्द कॉन्सर्ट करने जा रहे हैं। दरअसल, दिलजीत देश के सात शहरों में परफॉर्म करने वाले हैं। यह टूर नवंबर और दिसंबर में होगा। सिर्फ इतना ही नहीं, इसकी टिकट और तारीखों का ऐलान भी हो गया है। भारत में यह टूर 1 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर से शुरू होगा। इसके बाद 15 नवंबर को इंदौर, 21 नवंबर को अहमदाबाद, 27 नवंबर को मुंबई, 29 नवंबर को बेंगलुरु और 5 दिसंबर को लखनऊ में शो होगा।

लाइफ Style

मृणाल

घर की अलमारी से चुराती थीं घड़ियां

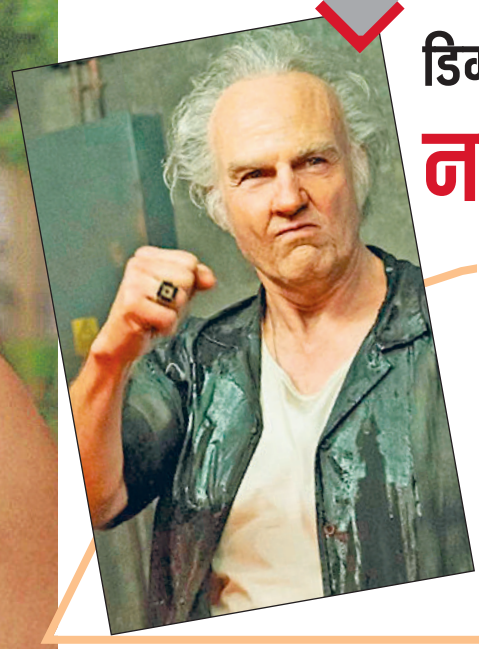
एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों फिल्म 'पूजा मेरी जान' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें बताया कि वह अपनी मां की अलमारी से घड़ियां चुरा लेती थीं। साथ ही उन्होंने इसकी वजह भी बताई है।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अभिनय के साथ-साथ अक्सर अपने क्लासिक फैशन सेंस को लेकर भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें क्लासिक घड़ियों से बहुत प्यार है और यह प्यार उनको उनकी मां से मिला, जिन्हें वह क्लासिक लेडी कहती हैं। मृणाल ने बताया कि कई बार खास मौकों के लिए वह अपनी मां की अलमारी से उनकी घड़ियां चुरा लिया करती थीं। एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी मां ने मुझे बिगाड़ दिया, क्योंकि वह हमेशा से एक क्लासिक महिला रही हैं। कई बार अपने सबसे खास मौकों के लिए मैं उनकी घड़ी चुरा लेती थी। दरअसल, अभिनेत्री वसंत कुंज के डीएलएफ प्रोमेनेड में टिसॉट बुटीक के लॉन्च पर पहुंची थीं। वहां एक्ट्रेस ने कहा कि अब वह रेड-कार्पेट अपीयरेंस और फॉर्मल मीटिंग से लेकर डिनर तक अलग-अलग मौकों पर अपने कलेक्शन की घड़ियों को शामिल करने की योजना बना रही हैं। मृणाल के लिए घड़ी सिर्फ समय देखने की चीज नहीं है। वह इसे एक जरूरी एक्सेसरी मानती हैं, जो उनके व्यक्तित्व और पहचान को दिखाने में मदद करती है और उनके सादे स्टाइल को पूरा करती है।



हॉलीवुड मसाला



डिगर के फ्लॉप पर नहीं हैं दुखी

लॉस एंजिल्स। टॉम क्रूज की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'डिगर' की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर संतोषजनक नहीं रही। मगर फिल्म के इस प्रदर्शन से एक्टर के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर बीटीएस तस्वीर शेयर करने साथ टीम के लिए एक भावुक पोस्ट साझा किया। बीते शनिवार टॉम क्रूज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने इन फोटोज के साथ अपनी टीम के लिए एक प्यार भरा कैप्शन लिखा।



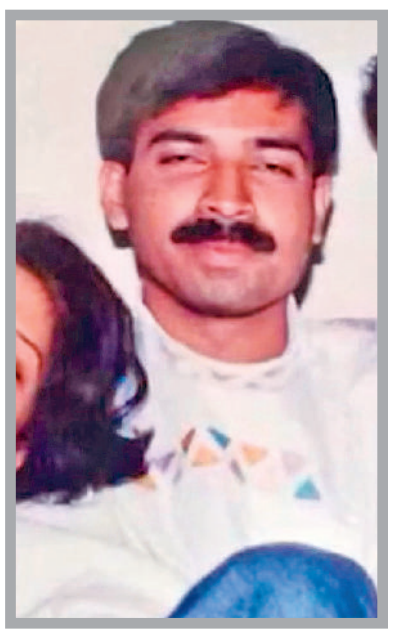
इस्लाम विरोधी बयान से कॅरियर हो गया खत्म

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी एक्ट्रेस सेल्मा ब्लेयर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कूएल इंटेंशन्स, लीगली ब्लॉन्ड, द स्वीटेस्ट थिंग और हेलबॉय फ्रेंचाइजी फेम सेल्मा ब्लेयर ने बताया है कि दो साल पहले 'इस्लाम-विरोधी' बयान के बाद उन्हें न सिर्फ सोशल मीडिया पर लोगों की खूब आलोचना झेलनी पड़ी, बल्कि इसने उनके हॉलीवुड कॅरियर को भी 'खत्म' कर दिया। 54 साल की सेल्मा ब्लेयर हाल ही द ज्यूइश म्यूजियम में एंटी-डिफेमेशन लीग के 'स्टेट ऑफ द आर्ट्स' कार्यक्रम में पहुंची थीं, जहां उनका कॅरियर को लेकर दर्द छलका। सेल्मा ब्लेयर ने दो साल पहले फरवरी 2024 में इजराइल-हमास युद्ध के दौरान सीरियाई-यहूदी शरणार्थी अब्राहम हमरा के एक इंस्ट्राग्राम वीडिया पर 'एंटी-इस्लाम' कमेंट किया था। अब सेल्मा ब्लेयर ने इवेंट में कहा, 'मैं जानती हूं कि सब कुछ खत्म हो जाने का एहसास कैसा होता है।



हिंदी फिल्मों का गणित बिगाड़ेगी 'ओम'

नई दिल्ली। तेरे इश्क में और कारा जैसी कई शानदार फिल्मों से फैंस का दिल जीतने वाले अभिनेता धनुष लंबे समय से अपनी अपकमिंग मूवी ओम चैप्टर-1 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। 16 अक्टूबर को ओम चैप्टर-1 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। लेकिन , ओम चैप्टर-1 को 26 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा। ओम चैप्टर-1 अब नई रिलीज डेट 26 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस जिसका कारण इसी महीने (अक्टूबर) रिलीज होने वालीं कई बड़ी तमिल फिल्में हैं। 26 नवंबर को ओम चैप्टर-1 को रिलीज किया जाना है और इसके अगले दिन इमरान हाशमी की गनमास्टर जी9 और आयुष्मान खुराना की ये प्रेम मोल लिया आ रही है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इन तीनों मूवीज के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।



आर माधवन ने खोला यादों का पिटारा

मुंबई। चर्चित अभिनेता आर माधवन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। लगता है रविवार को फुरसत के पलों में उन्होंने अपना पुराना एल्बम खोल लिया है। इससे कुछ अनदेखी तस्वीरें उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर करते हुए एक वीडयो कोलाज पोस्ट किया है। इसमें उनके पुराने दिनों की तस्वीरें हैं, जब दोस्तों की महफिलें सजा करती थीं। तस्वीरों के साथ एक्टर ने लिखा है, 'पुराने दिन'। आर माधवन की इन तस्वीरों में उनकी पत्नी सरिता बिरजे भी नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में आर माधवन अपनी मॉडिफाइड बाइक पर सवार होकर पोज देते दिख रहे हैं। यादों की गुल्लक खोलते हुए आर माधवन ने अपने सभी दोस्तों को भी पोस्ट में टैग किया है।

टीवी मसाला



राइज एंड फॉल 2: झगड़ा खत्म कर स्वरा के फिटनेस कोच बने शहजाद

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर फिलहाल रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 का हिस्सा है। अब हाल ही में वहां से एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह अपनी बेटी राबिया को याद करते हुए रोते नजर आईं और तेज प्रताप यादव अभिनेत्री को चुप करवाते दिखाई दिए। स्वरा भास्कर के लिए काम की वजह से अपनी छोटी सी बेटी से दूर रहना काफी मुश्किल हो रहा है। एक वीडियो सामने आया, जिसमें शहजाद और स्वारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखी। शो की शुरुआत में स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला के बीच अच्छे रिश्ते देखने को नहीं मिले थे। लेकिन जैसे-जैसे यह शो आगे बढ़ रहा है, दोनों के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। हाल ही में शहजाद पूनावाला अभिनेत्री के फिटनेस कोच बने नजर आए। बता दें कि दोनों के बीच शो से बाहर राजनीति ओपिनियन को लेकर टकराव होते रहते हैं। शो का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस रोती हुई नजर आ रही हैं। वह बार-बार अपनी बेटी राबिया की फोटो देखने या उसका चेहरा देखने की गुजारिश करती दिखाई दीं। जब शो में उनके साथ मौजूद गौतम गुलाटी ने पूछा कि वह इतनी इमोशनल क्यों हो गईं, तो स्वरा ने कहा, 'किसी ने सुशी कहा और मुझे अपनी बेटी की याद आ गई।' स्वरा ने आगे कहा, 'यार उसका फेस दिखा दो, उसकी फोटो दिखा दो प्लीज।' उनकी इस बात से साफ पता चला कि रियलिटी शो के दौरान वह अपनी बेटी को कितना याद कर रही हैं।

तुलसी और मिहिर का शो होगा बंद?

नई दिल्ली। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' 29 जुलाई 2025 को शुरू हुआ था। टीवी के साथ-साथ इस बार यह ओटीटी पर भी स्ट्रीम हुआ। पहले पार्ट की अधिकांश कास्ट शो का हिस्सा बनी और साथ ही नई पीढ़ी के रूप में कुछ नए सितारे जुड़े। इस बार भी इस शो को भर-भरकर प्यार मिला। मगर, चर्चा है कि यह शो अब अलविदा कहने वाला है। बंद होने की चर्चाओं के बीच शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी एक पोस्ट शेयर किया है।

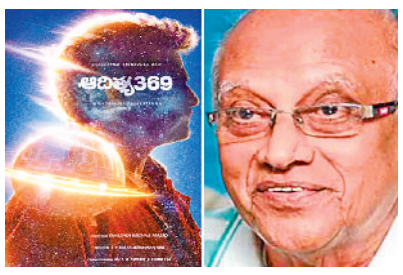
एकता कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सीरियल की टीम के साथ एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'इस काम में शामिल सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। बस अभी 'क्योंकि...' का आखिरी एपिसोड लिखना खत्म किया है। क्या यह वाकई आखिरी है'? एकता कपूर ने आखिरी एपिसोड का जिक्र तो किया है, मगर साथ ही सवाल भी छोड़ दिया है। ऐसे में नेटिजंस पूछ रहे हैं कि क्या वाकई शो बंद हो रहा है? 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में नोयना का किरदार अदा करने वाली एक्ट्रेस बरखा बिष्ट ने कमेंट कर एकता कपूर का शुक्रिया अदा किया है।

1991 में ही बना दी थी टाइम ट्रेवल पर फिल्म

नई दिल्ली। डायरेक्टर सिंगीथम श्रीनिवास राव ने 94 साल की उम्र में अपनी आखिरी सांस ली। सिंगीथम श्रीनिवास को पुष्पक विमाना, आदित्य 369 और सिंग गीथम जैसी फिल्में बनाने के लिए जाना जाता था। सिंगीथम श्रीनिवास का जन्म आंध्र प्रदेश के उदयगिरि, नेल्लोर में 21 सितंबर, 1931 को हुआ था। उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा में क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। सिंगीथम ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में करीब 60 फिल्में डायरेक्ट की हैं।

डायरेक्टर के तौर पर किया था डेब्यू

सिंगीथम श्रीनिवास ने साल 1972 में रिलीज हुई फिल्म नीति नियति से डायरेक्टर के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। ये तेलुगु भाषा की एक कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ-साथ सिंगीथम श्रीनिवास ने फिल्म को लिखा भी था।



94 की उम्र में भी डायरेक्ट की थी फिल्म

सिंगीथम श्रीनिवास राव ने 94 साल की उम्र में भी काम करना नहीं छोड़ा। उनकी आखिरी फिल्म सिंग गीथम इस साल रिलीज हुई। ये एक म्यूजिकल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर सकते हैं। फिल्म में अहिल्या बमरू, अयान और मणि कृष्ण जैसे कलाकार नजर आए हैं।

पॉपुलर फिल्में

पुष्पक विमानाः साल 1987 में रिलीज हुई पुष्पक विमाना में कमल हासन लीड रोल में नजर आए थे। पुष्पक विमाना एक डार्क कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड समेत कुल 7 अवॉर्ड्स जीते थे। 1988 में श्रीनिवास को बेस्ट फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस फिल्म की खास बात ये थी कि इस फिल्म में कोई भी डायलॉग नहीं थे।

जीते कई अवॉर्ड्स

श्रीनिवास राव ने अपने शानदार कॅरियर में कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स अपने नाम किए। श्रीनिवास ने दो नेशनल अवॉर्ड्स (पुष्पक विमाना और दिक्कत्रा पार्वती), तीन नंदी अवॉर्ड्स (मयूरी, वृंदावनम और भैरव द्वीपम), फिल्म हालू जेनू के लिए कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार जैसे अवॉर्ड्स जीते। इसी के साथ, 19वें चेन्नई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (2021) में उन्हें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। साल 2011 में फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भी उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

नीतू ने बैक साइड की फोटो लेने पर तंज भरे लहजे में किया सवाल

मुंबई। नेहा धूपिया और सलमान खान के बाद अब नीतू कपूर ने पैपराजी के बैक साइड की फोटो लेने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कैमरामैन से तंज भरे लहजे में सवाल किया है। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने पैपराजी के उस चलन पर सवाल उठाया है, जिसमें वे अभिनेत्रियों से कैमरे की तरफ पीठ करके पोज देने के लिए कहते हैं। रविवार को वह मुंबई में नजर आईं। उन्होंने फोटोग्राफर्स के पीछे से फोटो लेने की गुजारिश पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या उन्हें ऐसे शॉट्स लेने में खास मजा आता है? जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलीं और अपनी कार की ओर जा रही थीं, तो वहां मौजूद फोटोग्राफर्स ने उनसे कैमरे की तरफ पीठ करके पोज देने को कहा। ऐसा करने के बजाय, अभिनेत्री मुड़ीं और तंज भरे अंदाज में उनसे इस गुजारिश के बारे में पूछा। नीतू ने कहा, 'आपको यह बहुत अच्छा लगता है ना, 'बैक'?' पैपराजी ने इस पर ना में जवाब दिया। इसके बाद नीतू अपनी कार में बैठीं और दरवाजा बंद कर लिया। नीतू कपूर का यह रिएक्शन तब आया है, जब नेहा धूपिया ने फोटोग्राफर्स की तरफ से अभिनेत्रियों की गलत तरीके से बैक शॉट्स लेने पर आपत्ति जताई। मुंबई में एक अवॉर्ड इवेंट के दौरान, नेहा ने पैपराजी से सवाल किया और इस हरकत पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'तुम लोगों में से बदतमीजी से बैकशॉट कौन लेता है? बंद करो।' नेहा ने साफ किया कि उनकी आपत्ति सिर्फ अपने अनुभव तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह उन महिलाओं की तरफ से बोल रही थीं जिन्होंने फोटोग्राफरों से बार-बार रुकने के लिए कहा था और जो 'बार-बार यह कहते-कहते थक चुकी थीं।' सलमान खान ने भी 'बिग बॉस 20' में इस मुद्दे पर बात की।



बॉलीवुड में एक शब्द ने बदल दी फिल्मों की कहानियां

हिंदी सिनेमा का 'दिल': कभी दीवाना, कभी पागल, कभी बदतमीज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में 1946 से लेकर 2026 तक ऐसी कई फिल्में बनी हैं, जिनमें 'दिल' शब्द का अलग-अलग कहानी को बयां करने के लिए किया गया है। ऐसे कई शब्द हैं, जिनका इस्तेमाल टाइटल में करते हुए हिंदी सिनेमा में बहुत सारी फिल्में बनी। 'दिल' भी उन्हीं में से एक है। पर्दे पर जब किसी किरदार ने प्यार किया, तो टाइटल 'दिल' पड़ गया। जब प्रेम अधूरा रहा, तो 'हम दिल दे चुके सनम' हो गया और जब किसी ने अपनी राह खुद चुनी, तो 'चांद मेरा दिल' बन गया। लगभग 80 वर्षों में साल दर साल इस एक शब्द ने किसी न किसी तरह अलग-अलग टाइटल के साथ जुड़कर बॉलीवुड को कई कहानियां दीं। सिर्फ इतना ही नहीं, दशकों के सफर में प्यार की परिभाषा बदली, रिश्तों का स्वरूप बदला, नायक-नायिका बदले, कहानियों का अंदाज बदला, लेकिन दिल अपनी जगह बना रहा। खास बात ये है कि यह सफर सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। बल्कि, फिल्मों के गाने और टीवी शो में भी इसका खूब इस्तेमाल हुआ।

जब दिल से हुई शुरुआत

हिंदी सिनेमा के इतिहास में 'दिल' शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले 1946 में रिलीज हुई फिल्म के टाइटल में हुआ था। इस फिल्म का नाम ही 'दिल' था। इस फिल्म का निर्देशन एस. एफ. हसनैन ने किया था और इसमें नूरजहां, अमीना नजर आए थे। यह ब्लैक एंड व्हाइट ड्रामा फिल्म थी।

1950-60 के दशक में कैसे हुआ दिल का इस्तेमाल

1950 और 1960 के दशक में 'दिल' वाले फिल्मी टाइटल तेजी से बढ़े। 1959 में आई 'दिल देके देखो'। अगले ही साल 'दिल अपना और प्रीत पराई' आई, जिसका टाइटल ही प्रेम और सामाजिक रिश्तों के बीच तनाव को सामने रखता है। 1960 में ही 'दिल भी तेरा हम भी तेरे', 1962 में 'दिल तेरा दीवाना', 1963 में 'दिल एक मंदिर', 'दिल एक सौ अफसाने' और 1966 में 'दिल दिया दर्द लिया' जैसे टाइटल ने इस शब्द को अलग-अलग इमोशनल मीनिंग दिए। यानी 'दिल' एक ही दशक में कई रूप ले चुका था, जिसमें वह कभी दीवाना बना, तो कभी मंदिर और उसी ने दर्द भी दिया।



80 के दशक में 'दिल' गानों में हुआ ज्यादा इस्तेमाल

1980 के दशक में फिल्मों के नामों में 'दिल' मौजूद रहा, लेकिन इस दौर में दिल को सबसे बड़ी ताकत गानों में दिखाई दी। दिल के झरोखे में, दिल क्या करे, दिलबर मेरे, मेरा दिल भी कितना पागल है जैसे गानों ने दिल को प्रेम की भाषा से आगे बढ़ाकर व्यक्तिगत भावनाओं की भाषा बनाया।

70 के दशक में बदलने लगी दिल की दुनिया : 1970 के दशक तक हिंदी सिनेमा में रोमांस के साथ-साथ सामाजिक और पारिवारिक संघर्ष भी मजबूत हो रहे थे। ऐसे में आई 1972 में 'दिल दौलत दुनिया', 1978 में 'दिल और दीवार', 'दिल से मिले दिल', 1979 में 'दिल का हीरा'। इनके साथ 'दिल' अब केवल प्रेम कहानी का शब्द नहीं रह गया था। अब दिल को दौलत, दुनिया, दीवार, हीरे और रिश्तों के साथ रखा जा रहा था।

90 के दशक में हुआ 'दिल' का रोमांटिक विस्फोट

अगर हिंदी सिनेमा के इतिहास में किसी एक दशक को 'दिल का दशक' कहा जाए, तो वह 1990 का दशक होगा। इस साल इंद्र कुमार की 1990 में 'दिल' आई। आमिर खान और माधुरी दीक्षित की यह फिल्म प्रेम, परिवार, अहंकार और सामाजिक हैसियत के टकराव की कहानी थी। फिर 1991 'दिल है कि मानता नहीं' आई। इसमें आमिर खान और पूजा भट्ट नजर आए। इसके बाद 1993 में दिल तेरा आशिक, 1994 में दिलवाले, 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे आई। इसमें लोगों को राज और सिमरन की कहानी देखने को मिली, जो आज भी बहुत मशहूर है। 1997 में दिल तो पागल है आई। 1998 में 'दिल से' ने दस्तक दी। इसमें शाहरुख खान और मनीषा कोइराला नजर आए। 1999 में 'हम दिल दे चुके सनम' और 'दिल क्या करे' ने दस्तक दी।

2000-26 के दशक में दोस्ती से जुड़ा दिल का खेल

साल 2000 में 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' और 'हमारा दिल आपके पास है' आई। इसके बाद 2001 में दिल दोस्त चाहता है, 2002 में दिल है तुम्हारा, 2003 में दिल का रिश्ता और ये दिल आई। साल 2004 में दिल मांगे मोर, 2005 में दिल जो भी कहे, 2006 में दिल दिया है आई। 2007 में दिल दोस्ती **Etc**', 2008 में दिल कबड्डी'और 2009 में दिल बोले हडिप्पा आई। साल 2011 से लेकर 2026 तक में दिल टाइटल के साथ दिल तो बच्चा है जी, दिल धड़कने दो, ऐ दिल है मुश्किल, पल पल दिल के पास, दिल बेचारा, दिल दोस्ती और डॉग्स जैसी फिल्में आई।

सोनीपत में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री ने सर्वसमाज से किया आह्वान

36 बिरादरी एकजुट होकर समाज की दिशा तय करें: कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत की छोटूराम धर्मशाला में रविवार को आयोजित भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने 36 बिरादरी की सामाजिक सरदारी से एकजुट होकर समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक या चुनावी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज के चिंतन और आत्ममंथन का अवसर है। आज समाज ऐसे दौराहे पर खड़ा है, जहां उसे बदलते समय के अनुसार अपने लक्ष्य तय करने और नई पीढ़ी के भविष्य के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। समाज की सबसे बड़ी ताकत उसका भाईचारा है। अलग-अलग जातियों और वर्गों में बंटकर रहने से किसी का भविष्य सुरक्षित नहीं होगा। सभी बिरादरियों को आपस में संवाद बढ़ाना होगा और पड़ोसी के साथ खड़ा होना होगा। बोलना और समय पर अपनी बात रखना जरूरी है। कई बार विवाद बातचीत से सुलझ सकते हैं, लेकिन संवाद नहीं होने पर छोटी-छोटी बातें बड़े संघर्ष का रूप ले लेती हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने सामाजिक सरदारी की निष्क्रियता पर भी चिंता जताई। किसी समाज को उतना नुकसान उसकी बुरी शक्तियां नहीं पहुंचातीं, जितना सज्जन और सक्षम लोगों की निष्क्रियता से होता है। इसलिए सामाजिक नेतृत्व को चुप रहने के बजाय आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अलग-अलग जिलों में जाकर सामाजिक लोगों से सक्रिय होने और समाज का नेतृत्व करने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सामाजिक संबंधों में सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव भी दिखाई दे रहा है। जातिगत समूहों के बीच आपत्तिजनक टिप्पणियां और विवाद समाज में दूरी बढ़ा रहे हैं। ऐसे माहौल से बच्चों और युवाओं को बचाने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर होने वाले विवादों से कुछ लोगों को भले ही लाभ होता हो, लेकिन इसका नुकसान समाज और आने वाली पीढ़ी को उठाना पड़ता है।



सोनीपत। भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में पहुंचे पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानि करते हुए विभिन्न खापों के प्रतिनिधि।



सोनीपत। छोटूराम धर्मशाला में समारोह के दौरान उपस्थित जन को संबोधित करते हुए पूर्वमंत्री कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

मेलजोल को मजबूत करने पर जोर दिया

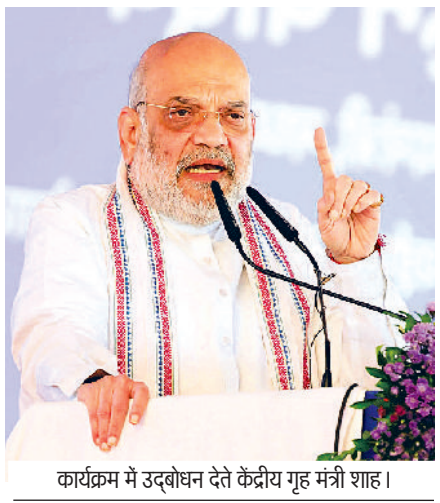
पूर्व मंत्री ने सामाजिक परंपराओं और आपसी मेलजोल को मजबूत करने पर भी जोर दिया। तीज-त्योहार मिलकर मनाने, धार्मिक और सामाजिक स्थानों पर सामूहिक सेवा करने तथा एक-दूसरे के घर आने-जाने की परंपरा को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। इससे 36 बिरादरी के बीच आपसी विश्वास और भाईचारा बढ़ेगा। उन्होंने सर छोटूराम और भगत फूल सिंह जैसे महापुरुषों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वजों ने किसान, मजदूर और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। सर छोटूराम ने किसानों के हित में मंडी व्यवस्था और फसल के उचित मूल्य जैसे विषयों को मजबूती से उठाया, वहीं भगत फूल सिंह ने सामाजिक कुरीतियों और छुआछूत के खिलाफ संघर्ष किया। उनका सपना ऐसा हरियाणा देखने का है, जहां खेलों में प्रदेश के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतें, किसान का बेटा देश की सीमा पर जवान बनकर सेवा करे और विज्ञान, चिकित्सा व कृषि के क्षेत्र में भी प्रदेश के युवा देश-दुनिया में योगदान दें।

ये लोग मौजूद रहे

कार्यक्रम में खरखौदा विधायक पवन खरखौदा, पूर्व आईएएस युद्धवीर सिंह मलिक, सीएम के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा, सीए पवन गुप्ता, पूर्व मंत्री साहब सिंह, नरवाल खाप के राष्ट्रीय अध्यक्ष भलेराम नरवाल, भटगांव गोशाला के प्रधान अनिल दहिया, नैन खाप के प्रधान जगपाल नैन, महावीर सिंह गहलावत, मोहन सिंह गहलावत, जयवीर, दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया, भानेराम प्रधान, श्रीपाल हेडमास्टर प्रधान सतगामा, जसवंत खत्री राष्ट्रीय महासचिव खत्री खाप, विजेंद्र प्रधान जटवाड़ा 360 सोनीपत, हुडा खाप के प्रधान धर्मपाल हुडा, सरोहा खाप के प्रधान रणधीर सिंह सरोहा, पीएम ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक डॉ. विजयपाल नैन, गलैक्सी कोचिंग के संचालक डॉ. कुलदीप कटारिया, डॉ. सुभाष सिसौदिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रसन्नी मलिक, मार्केट कमेटी गन्नौर के चेयरमैन निशांत छौक्कर, पूर्व चेयरमैन अनिल झरोठी, पूर्व प्रधान जसबीर दोदवा, पूर्व प्रधान तीर्थ राणा, जिला परिषद के वाइस चेयरमैन मोनू बाघड़ू, विभिन्न खापों के प्रतिनिधि, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, बुजुर्ग और युवा मौजूद रहे।

भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों से लेकर 14 अलग-अलग जोन में सजीव मॉडलों का प्रदर्शन

भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों से आम आदमी का ज्ञानवर्धन कराती है सजीव प्रदर्शनी



कार्यक्रम में उद्बोधन देते केंद्रीय गृह मंत्री शाह।

- नागरिक, विद्यार्थी, युवाओं और कानून में रुचि रखने वालों के लिए उपयोगी है प्रदर्शनी
- केंद्रीय मंत्री शाह, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित प्रदर्शनी शुरू की
- भेल दशहरा मैदान पर 7 अक्टूबर तक जारी रहेगा यह नवाचार



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। भेल दशहरा मैदान पर आयोजित यह प्रदर्शनी 7 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों, नवीन न्याय संहिताओं के प्रावधानों तथा अपराध की सूचना प्राप्त होने से लेकर विवेचना, फॉरेंसिक जांच, अभियोजन, न्यायालयीन कार्यवाही और अंतिम न्याय तक की संपूर्ण प्रक्रिया को 14 अलग-अलग ज़ोन में सजीव मॉडल, डिजिटल तकनीक, वीडियो, चार्ट प्रदर्शित किया गया है।

पांच दिवसीय प्रदर्शनी, नवीन न्याय संहिताओं के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह को प्रदेश में नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन की दिशा में संचालित गतिविधियों, सायबर सुरक्षा एवं जागरूकता, मप्र पुलिस के सामाजिक अभियानों और नवाचारों से अवगत कराया। उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, अपर मुख्य सचिव गृह संजय शुक्ला और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना मौजूद थे। प्रदर्शनी के उद्घाटन में सचिव गृह शिल्पा गुप्ता, केंद्र सरकार के अधिकारी तथा प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आपातकालीन नंबर डायल-112 की कार्यप्रणाली का सजीव प्रदर्शन

प्रदर्शनी का जोन एक नवीन न्याय संहिताओं के परिचय पर केंद्रित है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), 2023 के प्रमुख प्रावधानों तथा उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई है। डायल-112 प्रणाली के एकीकरण तथा आधुनिक स्टेट कमांड सेंटर की तकनीकी क्षमताओं का सजीव प्रदर्शन किया गया है। क्राइम सीन और फॉरेंसिक जाँच से संबंधित जोन-3 में अपराध स्थल के वास्तविक 3डी मॉडल के माध्यम से घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम की भूमिका, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन तथा साक्ष्यों की अनिवार्य वीडियो रिकॉर्डिंग की प्रक्रिया प्रदर्शित है।



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी में प्रस्तुत कोर्ट का दृश्य।

चिकित्सा सेवाओं एवं मेडिकल साक्ष्य को समर्पित जोन-5 में पीड़ितों के उपचार की प्रस्तुति

जोन-4 थाना प्रणाली एवं प्रारंभिक जाँच पर केंद्रित है। इसमें पुलिस थाने के मॉडल के माध्यम से विवेचना के प्रारंभिक चरण, ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर एवं सीसीटीएनएस से संबंधित सेवाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी इस जोन में दी गई है। चिकित्सा सेवाओं एवं मेडिकल साक्ष्य को समर्पित जोन-5 में पीड़ितों के उपचार, मेडिकल परीक्षण, पोस्टमार्टम तथा समयबद्ध मेडिकल रिपोर्ट के माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली में स्वास्थ्य विभाग की भूमिका को दर्शाया गया है।

चार्जशीट तैयार करने से लेकर न्यायालय में प्रभावी पैरवी तक की जानकारी

न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक साइंस लैब के महत्व को जोन 6 में प्रदर्शित किया गया है। इस जोन में डीएनए, फिंगरप्रिंट, बैलिस्टिक एवं डिजिटल फॉरेंसिक जैसी वैज्ञानिक जाँच तकनीकों के माध्यम से अपराध के वैज्ञानिक अनुसंधान और साक्ष्यों की विश्वसनीयता बढ़ाने की प्रक्रिया दिखाई गई है। जोन-7 में अभियोजन की भूमिका पर केंद्रित है। जोन-8 में जिला न्यायालय पर केंद्रित है।



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी।

जेल सुधार, जेल मैनुअल में हुए बदलाव

जोन-9 जेल सुधार एवं ई-प्रिजन व्यवस्था को समर्पित है। यहां जेल सुधार, जेल मैनुअल में हुए बदलाव, पैरोल, बंदियों के पुनर्वास कार्यक्रम तथा ई-प्रिजन प्रणाली की कार्यप्रणाली का लाइव डिस्प्ले किया है। जोन-10 उच्च न्यायालय की गरिमापूर्ण पीठ को दर्शाता है। यहां मप्र उच्च न्यायालय, जबलपुर के मुख्य कोर्ट रूम का स्वरूप प्रदर्शित किया गया है।

ऑनलाइन ई-जीरो एफआईआर की प्रक्रिया की जानकारी

इसी क्रम में जोन-11 में नक्सल उन्मूलन में उपलब्धियाँ प्रदर्शित हैं। यहां प्रदेश में नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा पुलिस की उपलब्धियों को फोटोग्राफिक एवं डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जोन-12 साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित है। जोन-14 में सामाजिक पहल के प्रदर्शन के साथ ही लाइव क्विज रखा गया है।

गोपालक सम्मेलन में शाह ने की शिरकत

उज्जैन में 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का लोकार्पण, भोपाल में 16.5 करोड़ की सहकारी प्रयोगशाला शुरू



भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को राजधानी में आयोजित गोपालक सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन से पहले उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद पुलिस और न्याय व्यवस्था में आए तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक बदलावों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। शाह ने दोपहर 12:13 बजे प्रदर्शनी का अवलोकन शुरू किया और विभिन्न काउंटरों पर रुककर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में नए कानूनों के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली, न्यायिक प्रक्रिया और तकनीक के इस्तेमाल में हुए बदलावों को प्रदर्शित किया गया था। शाह ने जिला एवं सत्र न्यायालय की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके अलावा जय प्रकाश अस्पताल और जबलपुर हाईकोर्ट की प्रदर्शनी भी देखी। पुलिस विभाग के काउंटर पर करीब दो मिनट रुककर उन्होंने नई कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद वे सहकारिता विभाग की प्रदर्शनी में पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी।

255 करोड़ के डेयरी प्लांट का लोकार्पण

प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद शाह गोपालक सम्मेलन के मंच पर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उज्जैन में 255 करोड़ रुपए की लागत से तैयार तीन लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी प्लांट का लोकार्पण किया गया। वहीं भोपाल में 16.5 करोड़ रुपए की लागत से सहकारी क्षेत्र में तैयार पहली प्रयोगशाला का भी शुभारंभ हुआ।

लखपति गोपालक दीदियों और दुग्ध उत्पादकों का सम्मान

कार्यक्रम में लखपति गोपालक दीदी शशिबाई, मनीषा मालवीय, ममताबाई मेवाड़ा, सुषमाबाई और आफरीन को सम्मानित किया गया। सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले प्रीतिबाई दांगी, संदीप धाकड़ और राजेश धाकड़ को भी सम्मान मिला। डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राही धीरज त्रिपाठी और रितु मार्गव का भी सम्मान किया गया।

50 लाख लीटर दूध कलेक्शन का लक्ष्य

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि सरकार से संगठन और संगठन से उत्पादन की दिशा में काम किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रदेश में 50 लाख लीटर दूध के कलेक्शन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह दूध सांची के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सकेगा।

मंच पर मौजूद रहे कई दिग्गज

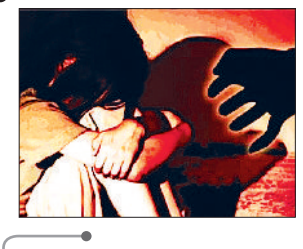
कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कृष्णा गौर, एदल सिंह कंसाना, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

दुर्ग के खुर्सीपार थाना क्षेत्र का मामला

अधेड़ पर छह साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

खुर्सीपार थाना क्षेत्र में 45 वर्षीय मकान मालिक पर छह साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित परिवार की शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दिलावर को 3 अक्टूबर को हिरासत में ले लिया है। पुलिस फिलहाल घटना से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की गहन जांच कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार, यौन अपराध की यह घटना 2 अक्टूबर की है। पीड़ित बच्ची अपने परिवार के साथ आरोपी के ही मकान में रहती थी। घटना के बाद जब बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, तब परिजनों को मामले की जानकारी हुई। अस्पताल में जांच के दौरान चिकित्सकों ने बच्ची के साथ यौन अपराध होने की पुष्टि की।



पूर्व में भी आरोपी कर चुका बच्ची के साथ गलत हरकत

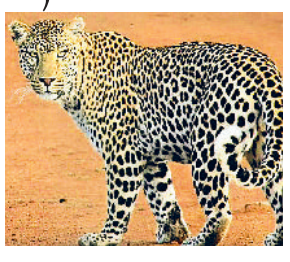
परिजनों के अनुसार, दिलावर की लंबे समय से बच्ची पर बुरी नजर थी। आरोपी ने इससे पहले भी बच्ची के साथ गलत हरकत करने का प्रयास किया था, लेकिन वह अपने प्रयास में सफल नहीं हो पाया था। 2 अक्टूबर को मौका मिलते ही आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़ी जानकारियां एकत्र कर रही है।

चार पुरुष और दो महिलाएं घायल, परिजनों ने घर के एक कमरे में तेंदुए को किया बंद

बीती देर रात एक घर में घुसा तेंदुआ, परिवार के छह सदस्यों पर किया हमला, तीन लोगों की हालत गंभीर, अस्पताल में इलाज जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले के झिटकी गांव में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात एक तेंदुआ घर में घुस गया और यादव परिवार के छह सदस्यों पर हमला कर दिया। हमले में चार पुरुष और दो महिलाएं घायल हुए हैं, जिनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। तेंदुए के हमले के बीच परिजनों ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए उसे घर के ही एक कमरे में बंद कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। इस घटना के बाद से झिटकी गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।



चीख- पुकार मचने के बावजूद दिखाया साहस

घर के भीतर चीख-पुकार मचने के बावजूद परिजनों ने सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। अपनी जान बचाते हुए परिजनों ने तेंदुए को चालाकी से एक कमरे में कैद कर दिया और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस और वन विभाग को दी गई।

घायलों को 112 से पहुंचाया अस्पताल

तेंदुए के हमले में घायल सभी छह लोगों को आपातकालीन सेवा 112 की मदद से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को महासमुंद मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आगे के इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया। वहीं, खबर लिखे जाने तक वन विभाग ने तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने की तैयारी शुरू कर दी है। तेंदुए को पकड़ने के लिए रायपुर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। टीम के पहुंचने के बाद तेंदुए के रेस्क्यू की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

रेंगालपाली सर्किल का मामला, वन विभाग अलर्ट

जंगली सुअरों से ग्रामीणों में डर का माहौल जान- माल को पहुंचा रहे नुकसान

रायगढ़। जिले के रेंगालपाली सर्किल में जंगली सुअरों की बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों में भारी डर बना हुआ है। जंगल से बाहर निकलकर जंगली सुअर गांवों के आसपास और खेतों में दाखिल हो रहे हैं। जंगली सुअरों के झुंड रात के समय खेतों में पहुंचकर मूंगफली समेत अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। बीते दिनों करांजोर क्षेत्र में एक जंगली सुअर ने एक महिला पर हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों में डर और चिंता और अधिक बढ़ गई है। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी है।



रेंगालपाली सर्किल के अंतर्गत आने वाले झारमुड़ा, सारसमाल, लिंजिर, पुसलदा, जामपाली, सुर्री और करांजोर समेत आसपास के गांवों में जंगली सुअरों की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। सुअरों के झुंड रात में खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वन विभाग ने किया इलाके का निरीक्षण

सूचना मिलते ही विभाग की टीम ने प्रभावित गांवों और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। जंगली सुअरों को पकड़ने के लिए करांजोर में दो से तीन पिंजरे लगाए गए हैं। वन रेंजर संजय लकड़ा ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके का जायजा लिया गया था। महिला के घायल होने पर प्रकरण तैयार कर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

चिंतन

एआई की दुनिया में सतर्कता और जवाबदेही बेहद जरूरी



मुद्दा
अम्बरीष प्रजापति

एआई ने दुनिया को काम करने की अभूतपूर्व गति दी है, लेकिन यही गति अब साइबर अपराध की दुनिया को भी मिल रही है। जिस काम को करने में कभी हमलावरों को कई दिन लगते थे, एआई की मदद से सिस्टम की कमजोरियां तलाशने, जानकारी जुटाने और हमले को अंजाम देने में बेहद कम समय लग रहा है। ऐसे में एआई को केवल तकनीकी सुविधा मानकर आगे बढ़ना जोखिम भरा हो सकता है। एआई की दुनिया के विस्तार के साथ सतर्कता और जवाबदेही को भी उतनी ही तेजी से मजबूत करना होगा। तभी इसके फायदे सही मायने में सामने आ पाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल डिफेंस रिपोर्ट 2026 के आंकड़े खतरे की गंभीरता बताते हैं। भारत दुनिया के शीर्ष 7 साइबर प्रभावित देशों में शामिल है और दुनिया भर में ट्रैक किए गए साइबर खतरों में भारत की हिस्सेदारी 2.5 प्रतिशत रही है। सबसे चिंताजनक बात रैनसमवेयर हमलों में 5 गुना बढ़ोतरी है। यानी अपराधियों के लिए डिजिटल माध्यम केवल धोखाधड़ी का जरिया नहीं रह गया, बल्कि संस्थानों और महत्वपूर्ण ढांचे को बंधक बनाने का हथियार भी बनता जा रहा है। साइबर अपराधियों ने हमले के तरीके भी बदल दिए हैं। अब केवल संदिग्ध ईमेल या लिंक से सावधान रहने की जरूरत नहीं है। ईमेल अथवा पीडीएफ में भेजे गए क्यूआर कोड के जरिए फिशिंग कराई जा रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक साल में ऐसे 14.5 करोड़ क्यूआर फिशिंग हमले पकड़े हैं। फर्जी कैप्चा के जरिए यूजर से कमांड कॉपी-पेस्ट करवाकर सिस्टम में सेंध लगाने का तरीका भी तेजी से बढ़ा है। करीब 11 लाख डिवाइस पर ऐसी गतिविधि देखने को मिली हैं। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर वॉइस फिशिंग में एक साल में 502 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सबसे बड़ा खतरा यह है कि अपराधी अब तकनीक के साथ-साथ विश्वास को भी निशाना बना रहे हैं। बॉस, एचआर, पेरोल टीम, वेंडर या कारोबारी साझेदार की पहचान की नकल कर कर्मचारियों को जाल में फंसाया जा रहा है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान रिपोर्ट किए गए 85 प्रतिशत फिशिंग ईमेल में किसी व्यक्ति या संस्था की पहचान की नकल किए जाने की बात सामने आई। इसका मतलब है कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी विभाग की जिम्मेदारी नहीं रह गई। हर कर्मचारी और हर डिजिटल उपयोगकर्ता इसकी पहली सुरक्षा पंक्ति है। दूसरी ओर, एआई एजेंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। अनुमान है कि दो साल में एआई एजेंट की संख्या 130 करोड़ तक पहुंच सकती है। ये एजेंट ईमेल, कैलेंडर, सिस्टम अपडेट और डेटा एक्सेस जैसे काम कर सकेंगे। यही सुविधा यदि पर्याप्त सुरक्षा के बिना दी गई तो एक एआई एजेंट पर हमला उसके जरिए जुड़े कई सिस्टम और संवेदनशील डेटा तक पहुंच का रास्ता खोल सकता है। इसलिए चुनौती एआई के इस्तेमाल को रोकने की नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदार और सुरक्षित बनाने की है। सरकारों को महत्वपूर्ण डिजिटल ढांचे की सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र मजबूत करना होगा। कंपनियों को एआई एजेंट को अधिकार देने से पहले उनकी निगरानी, सीमाएं और जवाबदेही तय करनी होगी। कर्मचारियों और आम लोगों को फर्जी कैप्चा, क्यूआर कोड, आवाज की नकल और पहचान आधारित धोखाधड़ी के नए तरीकों के प्रति जागरूक करना होगा। डिजिटल दुनिया में सुविधा की रफ्तार जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी यह सुनिश्चित करना है कि तकनीक की यह रफ्तार अपराधियों के हाथों की ताकत न बन जाए।

क्यों है चुनाव आयोग संदेह के घेरे में

> बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बिना सुनवाई के नाम काटने तथा फार्म -8 के स्वत: खारिज होने पर चुनाव आयोग को लगाई गई कड़ी फटकार और प्रशासनिक नियमों की दी गई दलीलें, एक बार फिर इस बहस को केंद्र में ले आई है कि लोकतांत्रिक ढांचे में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली कितनी निष्पक्ष और पारदर्शी है। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों के बाद से ही विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है, लेकिन दो चुनाव आयुक्तों द्वारा आपत्तियों के मीडिया में खुलासे के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार निशाने पर हैं। निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के फैसलों पर ही चुनाव आयोग की साख टिकी है।

हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बिना सुनवाई के नाम काटने तथा फार्म -8 के स्वतः खारिज होने पर चुनाव आयोग को लगाई गई कड़ी फटकार और प्रशासनिक नियमों की दी गई दलीलें, एक बार फिर इस बहस को केंद्र में ले आई है कि लोकतांत्रिक ढांचे में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली कितनी निष्पक्ष और पारदर्शी है। अदालत की यह टिप्पणी कि देश कानून से चलेगा, न कि सॉफ्टवेयर या मनमाने प्रशासनिक तौर - तरीकों से। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर उठने वाले सवालों को ओर गंभीर बना दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर के तहत विभिन्न कारणों से लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के मतदाता सूची से नाम काटे गए हैं। इनके नाम काटे जाने से चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों के घेरे में आ गया। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों के बाद से ही विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है, लेकिन दो चुनाव आयुक्तों द्वारा आपत्तियों के मीडिया में खुलासे के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार निशाने पर हैं। ज्ञानेश कुमार द्वारा दोनों आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ बैठक कर और प्रेस रिलीज जारी कर 'आयोग में सब कुछ ठीक' होने का दावा करने की सफलता तो मिल गई, लेकिन आयोग द्वारा किए गए सुधारात्मक कदमों से उन आरोपों के सवालों एवं संदेह की पुष्टि भी हो गई। कांग्रेस पार्टी से लेकर पूरा विपक्ष व कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर से पहले की मतदाता सूची बहाल करने तथा बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग को लेकर सड़क पर उतर गए। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर दिल्ली में इंडिया गठबंधन के बैनर तले लगभग 20 विपक्षी पार्टियों ने व्यापक स्तर पर आंदोलन किया। मुंबई के शिवाजी पार्क में सीजेपी ने आंदोलन किया और कांग्रेस ने कई राज्य में प्रदर्शन किया। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग कर दी है।

इस समय भले ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा हो लेकिन चुनाव आयोग को लेकर स्वतंत्रता के बाद का इतिहास देखने पर साफ हो जाता है कि यह कोई पहली बार नहीं है जो चुनाव आयोग पर आरोप लग रहा हो। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक देश में शायद ही कोई ऐसी सरकार रही हो जिसके कार्यकाल में मुख्य चुनाव आयुक्त पर पक्ष या विपक्ष की ओर से अंगुली न उठाई गई हो। विडंबना यह है कि राजनीति के इस अखाड़े में पाले बदलते ही नियम और नेताओं के सुर बदल जाते हैं। सत्ता में रहते हुए जो दल चुनाव आयोग को दुनिया का सबसे स्वायत्त और बेहतरीन बताता है, वहीं दल विपक्ष में बैठते ही चुनाव आयोग को सत्ताधारी दल की कठपुतली और लोकतंत्र का हत्यारा करार देने लगता है। ऐसा सिर्फ कोई एक दल नहीं करता, बल्कि कांग्रेस से लेकर बीजेपी और क्षेत्रीय दलों तक समान रूप से करते हैं। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि क्या वाकई हर बार गलती चुनाव आयोग या आयुक्त की होती है? या फिर इसके पीछे राजनीतिक दलों की अपनी मजबूरियां और कुंठाए हैं। इस संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य का गहराई से विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग पर लगने वाले



आरोप असल में भारतीय राजनीतिक संस्कृति के उस अंतर्विरोध को उजागर करते हैं, जहां हार का ठीकरा हमेशा सिस्टम पर फोड़ा जाता रहा है। कोई भी राजनीतिक दल अपनी हार की समीक्षा करने की बजाय हार के कारणों को बाहरी संस्थाओं, चुनाव आयोग की मिलीभगत से जोड़ने में अधिक सहज महसूस करता है। जब कोई दल सत्ता में होता है तो वह प्रशासनिक मशीनरी, नौकरशाही और संवैधानिक संस्थाओं के साथ अपने तालमेल को अपनी राजनीतिक कुशलता का नाम देता है। वह हर उस फैसले को सही ठहराता है जो उसके अनुकूल होता है, लेकिन जैसे ही जनादेश उसके खिलाफ जाता है और वह विपक्ष की बेंच पर बैठता है, वहीं संस्था अचानक उसे पक्षपाती नजर आने लगती है। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाना, एसआईआर पुनरीक्षण में गड़बड़ी का आरोप लगाना और केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत का दावा करना, यह सब विपक्ष का एक स्थापित और राजनीतिक हथियार बन चुका है। जब वही विपक्षी दल दोबारा सत्ता में लौटते हैं तो उनके तेवर व सुर बिल्कुल बदल जाते हैं और चुनाव आयोग की आलोचना करने वालों को लोकतंत्र का विरोधी बताने लगते हैं। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता और उसकी चयन प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवाल पूरी तरह निराधार भी नहीं है। हाल ही में अदालतों की सख्त टिप्पणियां इस बात का प्रमाण हैं कि कई बार चुनाव आयोग की प्रशासनिक, तकनीकी और सॉफ्टवेयर आधारित त्रुटियां जनता के संवैधानिक अधिकारों पर भारी पड़ने लगती हैं।

यह अकाट्य सच है कि कार्यपालिका और विधायिका के पास चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की जो शक्तियां रही हैं, उसने भी कहीं न कहीं जनता के मन में यह संदेह पैदा किया है कि क्या नियुक्त होने वाला आयुक्त पूरी तरह निष्पक्ष रहकर काम कर रहा है? सुकुमार सेन से लेकर टी. एन. सेशन और आज के दौर के आयुक्तों तक, संस्था के भीतर कामकाज के तौर-तरीकों को लेकर हमेशा बहस होती रही है। टी.एन. सेशन को एक कड़क, सख्त और सुधारवादी आयुक्त के रूप में जाना जाता है। इनके कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए, तो अधिकांश समय चुनाव आयोग पर यह दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया है कि सत्ता के गलियारों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखे। आयोग की तरफ से जब जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा में तकनीकी खामियों का हवाला दिया जाता है, तो स्वाभाविक रूप से चुनाव आयोग आशंकाओं के घेरे में आ जाता है लेकिन जनता को यह भी समझना होगा कि राजनीतिक दल अक्सर अपनी राजनीतिक विफलता को छिपाने के लिए चुनाव आयोग को एक आसान बलि का बकरा बनाते हैं।

चुनाव हारने के बाद अपनी रणनीतिक कमियों, जनविरोधी नीतियों और संगठन के भीतर की फूट को स्वीकार करने के बजाय, ईवीएम, वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों और आयोग के फैसलों को अपनी हार का एकमात्र कारण बता देते हैं। यह रवैया न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है, बल्कि मतदाताओं के उस विवेक का भी अपमान करता है जो सोच-समझकर अपना मत करता है। यदि चुनाव आयोग वास्तव में किसी एक दल की कठपुतली होता, तो भारत के इतिहास में राज्यों और केंद्र में सत्ता परिवर्तन के इतने बड़े अप्रत्याशित रिकॉर्ड कभी देखने को नहीं मिलते। निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के फैसलों पर आयोग की साख टिकी है। आयोग संवैधानिक अधिकार तथा जनविश्वास एक –दूसरे को मजबूत करें, न कि विपरीत दिशाओं में जाएं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विचार
राजीव श्रीवास्तव



एशियन गेम्स 2026 में भारत का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हॉकी की दोहरी स्वर्णिम सफलता ने मन गर्व से भर दिया। आइची-नागोया एशियाई खेलों से भारत के लिए सबसे सुखद और ऐतिहासिक समाचार भारतीय हॉकी का दोहरा स्वर्ण है। पुरुष टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और महिला टीम ने चीन को 1-0 से हराकर 44 वर्ष बाद एशियाई खेलों का स्वर्ण हासिल किया। दोनों टीमों ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई भी किया। एक भारतीय खेल प्रशासक के रूप में मेरे लिए यह उपलब्धि विशेष संतोष का विषय है। मैंने खेल प्रशासन को बहुत करीब से देखा है और मेरा अनुभव है कि किसी टीम की सफलता केवल मैदान पर दिखाई देने वाले खिलाड़ियों की सफलता नहीं होती। उसके पीछे वर्षों की प्रतिभा पहचान, कोचिंग, फिटनेस, प्रशासनिक सहयोग, खेल विज्ञान और सबसे बढ़कर एक मजबूत टीम संस्कृति होती है। भारतीय हॉकी की यह सफलता उसी सामूहिक प्रयास का परिणाम है। पुरुष और महिला दोनों टीमों का एक ही एशियाई खेल में स्वर्ण जीतना भारतीय हॉकी के इतिहास का यादगार अध्याय है। विशेष रूप से महिला टीम का 44 वर्ष बाद स्वर्ण जीतना आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों के लिए बहुत बड़ा संदेश है कि अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारत की बेटियां किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं।

85 पदक-गर्व का विषय, लेकिन आत्मसंतोष का नहीं : भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। कुल पदकों की दृष्टि से यह हांगझोउ 2023 के 106 पदकों के बाद भारत का दूसरा सर्वश्रेष्ठ एशियाई खेल प्रदर्शन है। मेरी दृष्टि में 85 पदकों को केवल हांगझोउ के 106 पदकों से तुलना करके कमतर आंकना उचित नहीं होगा। अलग-अलग एशियाई खेलों में स्पर्धाओं की संख्या, प्रतिस्पर्धा और परिस्थितियां बदलती हैं। लेकिन 22 पदकों की कमी और स्वर्ण पदकों का 28 से घटकर 21 होना एक गंभीर संकेत जरूर है। मैं इसे असफलता नहीं मानता, लेकिन इसे नजरअंदाज भी नहीं किया जाना चाहिए। यही वह बिंदु है जहां उपलब्धि के साथ आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। मेरी नजर में इस एशियाड की सबसे बड़ी सकारात्मक बात - पदकों का फैलाव : इस बार भारत ने हॉकी, क्रिकेट, कबड्डी, तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, निशानेबाजी, गोल्फ और एथलेटिक्स जैसे अनेक खेलों में अपनी ताकत दिखाई। महिला गोल्फ में प्रणवी उर्स का स्वर्ण, तीरंदाजी में कुमकुम मोहोद का स्वर्ण और विभिन्न टीम खेलों की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन मुझे सबसे अधिक आश्वस्त करता है। किसी भी देश की खेल शक्ति का वास्तविक आकलन केवल वर्तमान पदकों से नहीं, बल्कि इस बात से होता है कि उसके पास अगली पीढ़ी के कितने खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं। कुमकुम जैसी युवा प्रतिभाएं मेरे लिए केवल आज का पदक नहीं हैं। वे 2032 और 2036 के भारत की संभावित ओलंपिक शक्ति का संकेत हैं।

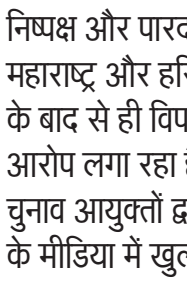
हांगझोउ के 106 से 85 तक - सवाल कठिन है, लेकिन पूछना जरूरी है: हांगझोउ में भारत ने 106 पदक जीते थे और नागोया में 85। इस अंतर के कई कारण हो सकते हैं। हर संस्करण में खेलों और स्पर्धाओं की संरचना बदलती है, विभिन्न देशों की तैयारी अलग होती है और पदक की प्रतिस्पर्धा भी बदलती रहती है। फिर भी एक पूर्व खेल प्रशासक के रूप में मैं मानता हूं कि 22 पदकों का अंतर हमें कुछ कठिन सवाल पूछने के लिए बाध्य करता है। क्या हमारी पदक रणनीति अभी भी कुछ चुनिंदा खेलों पर बहुत अधिक निर्भर है? क्या हम अधिक पदक अवसर वाले खेलों में पर्याप्त निवेश कर रहे हैं? क्या जूनियर खिलाड़ियों को सीनियर स्तर तक पहुंचने के लिए पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिल रहा है? और क्या हमारे रजत तथा कांस्य पदकों को भविष्य में अधिक स्वर्ण में बदला जा सकता है? इन सवालों के जवाब किसी खिलाड़ी को दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए खोजे जाने चाहिए।

भारत और एशिया की शीर्ष शक्तियां- अब अंतर कम करना होगा : चीन 341, जापान 269 और दक्षिण कोरिया 150 पदकों के साथ भारत से आगे रहे, जबकि भारत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। चौथा स्थान सम्मानजनक है, लेकिन मेरे विचार से भारत जैसे विशाल प्रतिभा आधार वाले देश के लिए यह अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। दक्षिण कोरिया से 65 पदकों का अंतर हमें बताता है कि केवल कुछ खेलों में मजबूत होना पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसे खेलों में भी दीर्घकालीन निवेश करना होगा जिनमें पदकों की संख्या अधिक है- जैसे तैराकी, जिम्नास्टिक्स, साइक्लिंग, रोइंग, फेंसिंग और अन्य तकनीकी खेल। मेरी स्पष्ट राय है कि अब 'टॉप-4 में बने रहना' लक्ष्य नहीं होना चाहिए। टॉप-3 में स्थायी स्थान बनाना भारत का रणनीतिक लक्ष्य होना चाहिए।

मेरा व्यक्तिगत निष्कर्ष : मैं इस एशियाड के परिणाम को न तो असफलता मानता हूं और न ही अंतिम सफलता। मेरे लिए यह एक महत्वपूर्ण संक्रमण-बिंदु है। एक ओर 85 पदक और चौथा स्थान भारतीय खेलों की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। दूसरी ओर हांगझोउ के 106 से 85 तक आना और शीर्ष तीन एशियाई शक्तियों से हमारा अंतर यह बताता है कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे सबसे अधिक भरोसा हमारे खिलाड़ियों की क्षमता पर है। मेरी चिंता खिलाड़ियों की प्रतिभा को लेकर नहीं, बल्कि उस प्रतिभा के आसपास खड़ी व्यवस्था की निरंतरता को लेकर है। हमारे खिलाड़ियों को केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं है कि 'और मेहनत करो'। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें बेहतर कोच, बेहतर प्रतियोगिता, बेहतर खेल-विज्ञान, बेहतर चिकित्सा सहायता, बेहतर मानसिक तैयारी और पारदर्शी खेल प्रशासन मिले। यदि हम यह कर सके, तो 85 पदकों को अगली बार 100 से आगे ले जाना असंभव लक्ष्य नहीं है। लेकिन मेरा बड़ा लक्ष्य केवल पदक संख्या नहीं है। मेरा लक्ष्य यह देखना है कि भारत ऐसी खेल व्यवस्था खड़ी करे जो हर एशियाड और हर ओलंपिक चक्र में नई प्रतिभाओं को तैयार करती रहे।

-लेखक पूर्व एवं प्रथम खेल आयुक्त, छत्तीसगढ़

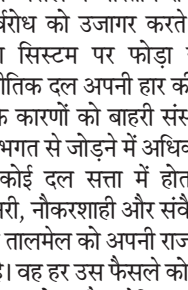
पूर्वजों के प्रति आभार जताने के दिन



संकलित
दर्शन

श्राद्ध केवल एक अनुष्ठान नहीं है। यह पूरी श्रद्धा के साथ किया जाने वाला एक ऐसा कार्य है, जिसके द्वारा हम अपने जीवन में परिवार के मृत सदस्यों के योगदान को पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं। इसके अलावा उन्हें याद करते हुए कृतज्ञता की भावना व्यक्त करते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से कुछ ऐसे कंपन उत्पन्न होते हैं, जो इस भौतिक संसार के दायरे से परे चले जाते हैं और इस अर्थ में दिवंगत आत्मा तक पहुंचते हैं। यदि आप कृतज्ञता और श्रद्धा की भावना महसूस किए बिना केवल अनुष्ठान करते हैं, तो उसका कोई अर्थ नहीं है। श्राद्ध हमारे उन पूर्वजों की याद में अच्छे कर्म करने का एक माध्यम है, जो अस्तित्व के इस भौतिक स्तर को पार कर चुके हैं। यह जीवित लोगों को याद कराता है, सब कुछ अनित्य है। हमारे प्राचीन ग्रंथ कहते हैं, 'यत पिंडे तत ब्रह्माण्डे'- 'जो इस शरीर में है, वही ब्रह्मांड में है।' कोई आत्मा अपने सांसारिक जगत से निकलती है, तो वह सार्वभौमिक चेतना में विलीन हो जाती है। यह एक निराकार और अगोचर क्षेत्र है। यह टीवी के विभिन्न चैनलों में ट्यूनिंग के कार्य के समान है। हम एक चैनल से संपर्क बनाते हैं, लेकिन उसी स्थान पर अन्य चैनलों की तरंगें भी मौजूद होती हैं, जिन्हें हम आवृत्ति बदलने पर प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार, हम अपने दिवंगत प्रियजनों की आत्मा की उपस्थिति को तब महसूस कर सकते हैं, जब हम उन्हें श्रद्धा के साथ याद करते हैं।

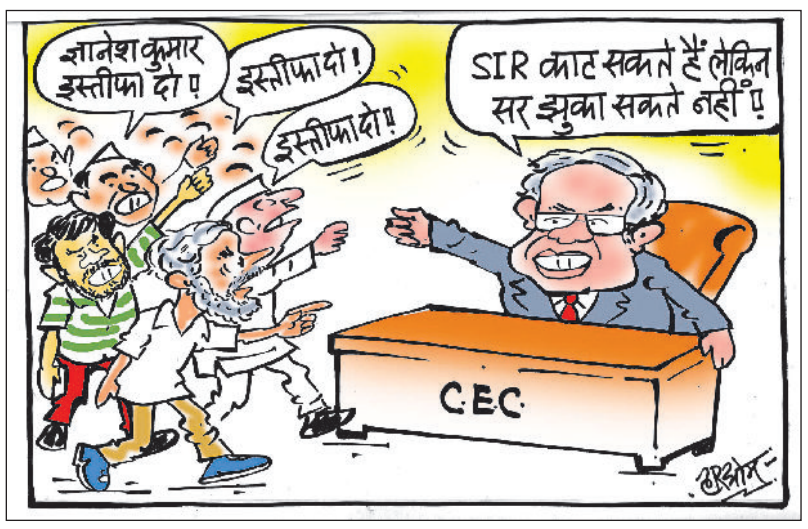
क्रोधी जीवनसाथी से रहें सावधान



संकलित
प्रेरणा

आचार्य चाणक्य ने हमेशा क्रोध करने वाली पत्नी से दूरी की बात कही है। उनके समय की सामाजिक व्यवस्था आज से अलग थी, इसलिए इस सीख को केवल महिलाओं तक सीमित करके देखना जरूरी नहीं है। इसका व्यापक अर्थ ऐसे जीवनसाथी से जुड़ा है, जिसके व्यवहार में लगातार क्रोध, झगड़ा और कटुता बनी रहे। पति-पत्नी के रिश्ते में सम्मान और संवाद का होना जरूरी है। हर बात पर गुस्सा और विवाद घर के माहौल को प्रभावित करता है। इसलिए रिश्ते में समस्या आने पर बातचीत, समझ और सुधार की कोशिश जरूरी है। चाणक्य की यह सीख बताती है कि केवल रिश्ते का नाम बनाए रखना ही पर्याप्त नहीं, उसके भीतर स्नेह और सम्मान भी होना चाहिए। चाणक्य कहते हैं कि रिश्ते सिर्फ नाम या खून के संबंध से नहीं निभते, उनमें अपनापन और स्नेह भी होना चाहिए। अगर कोई अपना ही व्यक्ति आपके सुख-दुख से कोई मतलब नहीं रखता और जरूरत के समय साथ खड़ा नहीं होता, तो ऐसे रिश्ते को केवल मजबूरी में ढोते रहने का कोई अर्थ नहीं है। लगातार उपेक्षा और स्वार्थ वाले संबंध मन को भीतर से परेशान करते हैं। ऐसे लोगों से हर समय उलझने के बजाय जरूरत के अनुसार, दूरी बनाना बेहतर है। चाणक्य की इस सीख का भाव रिश्ते तोड़ने से ज्यादा ऐसे संबंधों को पहचानने का है, जहां अपनापन खत्म हो चुका है और साथ केवल नाम भर का रह गया है।

अंतर्मन



आज की पाती

दशहरे पर आत्ममंथन की जरूरत

हर साल जब दशहरे की शाम को रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं, तो दर्शकों की आंखों में उत्सव का रोमांच दिखाई देता है। पटाखों की गड़गड़ाहट, आतिशबाज़ी की चमक और भीड़ का शोर इस पर्व को एक रंगीन उत्सव में बदल देता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस पूरे आयोजन का संदेश- बुराई पर अच्छाई की जीत- हमारे जीवन और समाज में कहीं उतर पाता है? आज दशहरा एक मनोरंजन का ट्रेंड बनकर रह गया है। लोग पुतले जलाते हैं, फोटो और वीडियो बनाते हैं, सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। लेकिन यह सोचने का समय शायद ही निकालते हैं कि यह रावण दहन केवल परंपरा निभाने के लिए नहीं, बल्कि हमें आत्ममंथन और सामाजिक सुधार का अवसर देने के लिए शुरू हुआ था।

संजय सिंह, रायपुर

ट्रेंड

अधिकारों की लड़ाई



देश भर में लोग अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले ही लड़ रहे हैं। जेन ज़ी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएँ-हर संघर्ष की अपनी कहानी है। लेकिन जो आवाज़ अकेले उठती है, वह अक्सर दबा दी जाती है।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

गठबंधन की जीत हो



जब नज़र मंज़िल पर टिकी हो, तो सफर आसान हो जाता है! अहम बात यह नहीं है कि गठबंधन को कितनी सीटें मिलती हैं या कौन सी सीट किसे मिलती है, अहम बात यह है कि हम सब यह पक्का करें कि जीत गठबंधन की ही हो।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

खिलाड़ियों का समर्थन



हमारे खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स में मेंडल टेबल पर चौथा स्थान हासिल किया। सभी को बधाई। हमें हर खेल में अपने खिलाड़ियों का समर्थन और हौसला बढ़ाना चाहिए। वे सच में इसके हकदार हैं।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कानून का डर कम



पंजाब में न तो कानून का रुतबा बचा है और न ही अपराधियों में कानून का डर ! एक ही दिन में एक इन्फ्लुएंसर और एक पूर्व सरपंच की हत्या बेहद चिंताजनक है। दिन-दहाड़े होने वाले अपराध इस बात का संकेत हैं कि अपराधियों के मन से कानून का डर कम होता जा रहा है।

- **सचिन पायलट,** पूर्व केंद्रीय मंत्री

करंट अफेयर

फेलोशिप पाने वाले पीएचडी के शोधार्थियों के लिए गाइडलाइन

दिल्ली के अंबेडकर विश्वविद्यालय ने फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी शोधार्थियों के लिए अपने दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। नए दिशानिर्देशों ने 31 जुलाई को जारी उस कार्यालय आदेश का स्थान लिया है, जिसके बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था।



विश्वविद्यालय की 31 जुलाई की अधिसूचना में फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी शोधार्थियों के लिए उपस्थिति संबंधी अनिवार्यता लागू की गई थी। इससे शोधार्थियों के बीच उनकी अकादमिक और शोध संबंधी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर चिंता पैदा हुई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब कहा है कि 31 जुलाई की अधिसूचना को 30 सितंबर को जारी संशोधित कार्यालय आदेश से बदल दिया गया है। नए आदेश में शोधार्थियों को अधिक लचीलापन दिया गया है, हालांकि, उन्हें पाठ्यक्रम और सेमिनार में उपस्थित रहना होगा तथा अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के साथ अपने शोध कार्य में प्रगति बनाए रखनी होगी। प्रशासन ने कहा कि उपस्थिति का रिकॉर्ड शोध पर्यवेक्षक और कार्यक्रम समन्वयक रखेंगे तथा संबंधित स्कूल के डीन इसकी पुष्टि करेंगे। शोध पर्यवेक्षक, डीन के समग्र मार्गदर्शन में, शोधार्थी की संतोषजनक अकादमिक भागीदारी और उसके शोध कार्य में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार होंगे।

ऑफ बीट

विनिमय दर को बचाव तंत्र के रूप में काम करने दे भारत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से वैश्विक वित्तीय स्थितियां सख्त होंगी। इसके साथ ही उसने भारत को सुझाव दिया कि वह विनिमय दर को बचाव तंत्र के रूप में काम करने दे। आईएमएफ के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि ऐतिहासिक रूप से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने पूंजी प्रवाह, वित्तपोषण की स्थितियों और विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जरिए उभरते बाजारों के लिए कुछ दबाव पैदा किया है।



मुद्रास्फीति से निपटने के अपने प्रयासों के तहत फेडरल रिजर्व ने 17 सितंबर को जुलाई 2023 के बाद पहली बार ब्याज दरों में वृद्धि की और संकेत दिया कि आगे एक और बढ़ोतरी हो सकती है। प्रवक्ता ने कहा कि अन्य देशों की तरह भारत पर इसका प्रभाव सख्ती (दर वृद्धि) की गति और अवधि के साथ ही घरेलू आर्थिक स्थितियों पर निर्भर करेगा। आईएमएफ प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, भारत इस दौर में मजबूती की स्थिति के साथ प्रवेश कर रहा है। मजबूत वृद्धि की रफ्तार, एक भरोसेमंद मुद्रास्फीति-लक्षित ढांचा, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और कंपनियों तथा वित्तीय क्षेत्र के मजबूत बही-खातों ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को बढ़ाया है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भाजपा ने कोयल मल्लिक और दिनेश आर्य को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया

पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को राज्यसभा के लिए पार्टी उम्मीदवार घोषित किया

टीएमसी की पूर्व सांसद कोयल मल्लिक ने राज्यसभा से दिया था इस्तीफा, भाजपा में हुई थी शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक और उत्तराखंड से दिनेश आर्य को राज्यसभा के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को राज्यसभा चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। उत्तराखंड से राज्यसभा सदस्य बीजेपी के नरेश बंसल इस साल नवंबर में रिटायर होने वाले हैं।

- दिनेश आर्य ने 2022 विधानसभा चुनाव में इन्होंने नैनीताल सीट से दावेदारी की थी, नहीं मिला था टिकट, अब राज्यसभा जाएंगे

उत्तराखंड में बीजेपी के पास मजबूत बहुमत है। इस वजह से उत्तराखंड में बीजेपी अपनी सीट बनाए रखने की मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। दिनेश आर्य नैनीताल के रहने वाले हैं। वह पूर्व में नैनीताल जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने कभी विधायक के लिए दावेदारी की थी, लेकिन अब पार्टी ने चार साल बाद उन्हें सीधे उच्च सदन की राह दिखाई है। दिनेश आर्य मुख्यमंत्री धामी के पीआरओ रहे हैं। 2022 विधानसभा चुनाव में इन्होंने नैनीताल सीट से दावेदारी की थी। तब भजपा ने सरिता आर्य को टिकट दिया तो इन्होंने इस्तीफा दे दिया। बाद में मान-मनौव्वल के तहत इनको सरकार में जिम्मेदारी दी गई।

इसी तरह, पश्चिम बंगाल की बात करें तो यहां भी राज्य विधानसभा में अपनी मजबूती के कारण पार्टी राज्यसभा सीट जीतने की स्थिति में है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 11 राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव 16 अक्टूबर को होंगे। वोटिंग सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगी और उसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी।

पश्चिम बंगाल की एक राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। यह उपचुनाव उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में होने वाले द्विवार्षिक चुनावों के साथ ही होगा। पश्चिम बंगाल की यह सीट 16 जुलाई, 2026 को रुक्मिणी मल्लिक (जिन्हें कोयल मल्लिक के नाम से भी जाना जाता है) के राज्यसभा से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। उनका कार्यकाल असल में 2 अप्रैल, 2032 को खत्म होने वाला था।

कोयल मल्लिक जुलाई 2026 में इस्तीफा देने वाली चौथी राज्यसभा सांसद थीं। इससे पहले, सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बारिक ने भी उच्च सदन से इस्तीफा दिया था। बाद में ये तीनों बीजेपी में शामिल हो गए और दोबारा चुने गए। ये घटनाक्रम 2026 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत के बाद पश्चिम बंगाल में मची राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सामने आए हैं। 57 विधायकों के समर्थन से ऋतब्रत बनर्जी के विपक्ष का नेता बनने के बाद टीएमसी में विधानसभा के भीतर बगावत देखने को मिली थी। यह बगावत बाद में संसद के दोनों सदनों तक फैल गई, जिसमें कई नेताओं ने टीएमसी छोड़कर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन दिया।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

भाजपा ने 3 उम्मीदवारों के नाम किए घोषित



मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर भाजपा ने नामों की घोषणा कर दी है। पुणे से डॉ. स्मिता योगेश जाधव,नागपुर से सुधाकर विट्ठलराव कोहले ,पुणे शिक्षक सीट से कौस्तुभ मुरलीधर गावडे चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस बार स्नातक और शिक्षक मतदाताओं के बीच पकड़ रखने वाले चेहरों पर दांव लगाया है। पुणे स्नातक सीट से डॉ. स्मिता जाधव शिक्षित वर्ग और महिला मतदाताओं के बीच अच्छी पकड़ रखती हैं। वहीं, नागपुर से सुधाकर कोहले एक अनुभवी और संगठन से जुड़े पुराने नेता माने जाते हैं।

इस तरह किया गया महायुति में सीट बंटवारा

महायुति ने इन चुनावों के लिए 3:1:1 का सीट बंटवारा फॉर्मूला तय किया है। महायुति में भाजपा के अलावा शिंदे की शिवसेना और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। तय फॉर्मूले के तहत भाजपा 3 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

खबर संक्षेप

कन्हैयालाल हत्याकांड में 5 की जमानत खारिज

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने कन्हैया लाल हत्याकांड से जुड़े 5 आरोपियों की जमानत याचिकाएं



खारिज कर दी हैं। सीजे संजय अग्रवाल और न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने वसीम अली, मुस्लिम खान, मोहसिन खान, मोहम्मद मोहसिन और आसिफ हुसैन की याचिकाओं पर फैसला सुनाया।साथ ही सख्त टिप्पणी भी की।

फौजी का शव लेकर लौट रहे बेटे समेत 4 की मौत

सुल्तानपुर । यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार को सुबह सैनिक का पार्थिव शरीर ले



जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा हलियापुर थाना क्षेत्र के जरई कला के पास हुआ। इस हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। योगी ने कहा दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद है।

उदयनिधि स्टालिन पर एफआईआर दर्ज

धारापुरम। तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा उपचुनाव के बीच विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन



की मुश्किल बढ़ गई है। तिरुपुर पुलिस ने उनके खिलाफ चुनाव प्रचार में एक बच्चे को कथित तौर पर शामिल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। शनिवार को धारापुरम शहर में पेरियार की प्रतिमा के पास एक चुनावी सभा हुई थी।

1 करोड़ की स्मैक लेकर घूम रहा तस्कर अरेस्ट

सहारनपुर। मिर्जापुर थाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने गांव आलमपुर में चेकिंग के दौरान



492 ग्राम स्मैक के साथ शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग एक करोड़ है। आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर ,नशे की तस्करी के मुकदमे दर्ज है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए

रमेश ने अपनी पोस्ट की शुरुआत 'चंदा चोरी, आस्था धोखा' से करते हुए सरकार की भूमिका पर संदेह जताया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: जयराम रमेश का केंद्र पर हमला, घटनाएं 105, आरोपी सिर्फ 8 क्यों?

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली



अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लंबी पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से कई सवाल पूछे। उन्होंने सवाल किया कि सीसीटीवी में चढ़ावे की रकम निकालने की 105 कथित घटनाएं सामने आने के बावजूद जांच की दिशा केवल आठ आरोपियों तक कैसे सीमित रह गई और मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय तथा ट्रस्टी अनिल मिश्रा को आरोपी बनाने के बजाय गवाह क्यों बनाया गया ? जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट की शुरुआत 'चंदा चोरी, आस्था धोखा' से करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के अयोध्या मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में सरकार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले में जांच उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंची, जिन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने के बावजूद कथित चोरी को संरक्षण देने का संदेह जताया जा रहा है।

सीसीटीवी में सामने आईं 105 कथित घटनाएं

एसआईटी की जांच से जुड़े हालिया विवरण के अनुसार, राम मंदिर परिसर में चढ़ावे की रकम की गिनती के दौरान सीसीटीवी फुटेज में नकदी को कथित तौर पर अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने की 105 घटनाओं की पहचान की गई है। जांच में सीसीटीवी फुटेज के साथ गवाहों के बयान, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और अन्य दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। जयराम रमेश ने इसी आंकड़े को आधार बनाते हुए सवाल किया कि यदि 105 घटनाएं सीसीटीवी में सामने आईं तो कुल कितनी रकम गायब हुई, इसका पूरा हिसाब देश के सामने क्यों नहीं रखा गया। उन्होंने पूछा कि क्या जांच का उद्देश्य केवल उन लोगों को पकड़ना था जिन्होंने कथित तौर पर रकम निकाली, या उन अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करना भी था जिनकी निगरानी में चढ़ावे की गिनती और सुरक्षा व्यवस्था चल रही थी।

79.85 लाख की बरामदगी पर भी सवाल

एसआईटी की चार्जशीट से जुड़े विवरण के अनुसार, आठ आरोपियों से कथित तौर पर 79.85 लाख बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी बताया गया है कि रकम की बरामदगी सात आरोपियों से हुई, जबकि आठवें आरोपी से नकदी या कीमती सामान की बरामदगी नहीं हुई। जयराम रमेश ने इसी बरामदगी को लेकर सवाल उठाया कि 105 कथित घटनाओं के मुकाबले केवल 79.85 लाख की रकम बरामद होने के बाद क्या मामले को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पूछा कि आखिर यह कैसे निर्धारित होगा कि इन 105 घटनाओं में कुल कितने रुपए का चढ़ावा गायब हुआ। हालांकि, जांच एजेंसियों के अनुसार मामला केवल बरामद नकदी तक सीमित नहीं है। एसआईटी ने कथित धन के लेन-देन, बैंक खातों, संपत्तियों, वाहनों और अन्य वित्तीय गतिविधियों की भी जांच की है। जांच में आरोपियों के मोबाइल फोन से हजारों संदेश बरामद किए जाने की बात भी सामने आई है।

चंपत राय और अनिल मिश्रा आरोपी नहीं, गवाह क्यों?

कांग्रेस नेता ने मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को चार्जशीट में गवाह बनाए जाने पर भी सवाल उठाया है। एसआईटी की चार्जशीट में दोनों को अभियोजन पक्ष के गवाहों की सूची में शामिल किया गया है। कुल 133 गवाहों में चंपत राय और अनिल मिश्रा के नाम भी हैं। जयराम रमेश का सवाल है कि जब मंदिर परिसर में चढ़ावे की गिनती और उसकी सुरक्षा की व्यवस्था ट्रस्ट की निगरानी में थी, तब कथित चोरी की इतनी घटनाओं के बावजूद शीर्ष स्तर पर जिम्मेदारी क्यों तय नहीं की गई। गौरतलब है कि आरोप सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट के अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, एसआईटी की जांच में अनिल मिश्रा पर पर्यवेक्षण और प्रशासनिक स्तर पर गंभीर चूक की जिम्मेदारी तय किए जाने की खबरें भी सामने आई थीं।

4 जून से 25 जून के बीच 21 दिन पर सवाल

जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में मामले की समय-सीमा को लेकर भी सवाल उठाया। उनका कहना है कि 4 जून को चोरी की रकम से संबंधित वीडियो चंपत राय तक पहुंच गया था, 5 जून को सीसीटीवी फुटेज देखे गए और 25 जून को एफ़आईआर दर्ज हुई। उन्होंने पूछा कि इन 21 दिनों के दौरान क्या कार्रवाई हुई और एफआईआर दर्ज करने में देरी की वजह क्या थी।

मामले में एफआईआर 25 जून को राम जन्मभूमि थाने में ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज की गई थी। इसके अगले दिन आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एसआईटी की चार्जशीट में भी यह उल्लेख है कि 4 जून को चंपत राय को वीडियो और संदेश के माध्यम से कथित तौर पर गिनती वाले कमरे के बाथरूम में रखी नकदी की जानकारी दी गई थी। बाद में उन्हें कथित तौर पर अन्य सीसीटीवी फुटेज भी दिखाए गए।

आठ आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा

जांच में आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रामाशंकर मिश्रा, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं। आरोपियों पर आपराधिक विश्वासघात, चोरी/गबन, आपराधिक साजिश तथा भ्रष्टाचार निवारण कानून से संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। एसआईटी के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि चढ़ावे की रकम की गिनती के दौरान कथित तौर पर नकदी निकाली या छिपाई गई। वहीं, गिनी हुई रकम को बाद में बैंक तक पहुंचाने की प्रक्रिया में चोरी होने का कोई प्रमाण जांच में नहीं मिला है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में शुरुआत से ही सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है और इसलिए जांच में किसी भी स्तर पर संदेह की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए धन की कथित चोरी के मामले में जवाबदेही कब तय होगी? उन्होंने पूछा कि क्या सरकार वास्तव में पूरे मामले की तह तक जाना चाहती है या फिर जांच को केवल उन आठ लोगों तक सीमित रखना चाहती है जिन्हें आरोपी बनाया गया है।

अब अदालत में आगे की कार्रवाई पर नजर

एसआईटी ने सितंबर में मामले में विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में सीसीटीवी के आधार पर 105 कथित घटनाओं का उल्लेख है और आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है। चंपत राय और अनिल मिश्रा समेत 133 लोगों को गवाह बनाया गया है। मामले में अदालत ने आरोपियों को चार्जशीट और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं तथा अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को निर्धारित है। इस बीच, राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अलग से दायर एक याचिका पर भी सुनवाई प्रस्तावित है। याचिका में मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और कथित अनियमितताओं से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं।

सीएम सुवेंदु का बड़ा ऐलान

बंगाल में 6 माह में लागू होगा यूसीसी यहां 'लव और लैंड जिहाद' होगा बंद

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि राज्य में



उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर यूसीसी लागू की जाएगी। सरकार 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ भी कानून बनाएगी। इन कानूनों को अगले छह महीने में लाने की तैयारी है। इसके अलावा कहा कि पूर्व सीएम ममता के खिलाफ जांच की जाएगी।

सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी

सुवेंदु ने कोलकाता में आयोजित विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार भारतीय संस्कृति पर किसी भी तरह का हमला नहीं होने देगी और पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक धार्मिक पर्यटन सर्किट भी विकसित किया जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय का अहम फैसला

5 शास्त्रीय भाषाओं के लिए बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देने शिक्षा मंत्रालय ने



शास्त्रीय भाषाओं के रिसर्च के लिए 5 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' को मंजूरी दी है। केंद्र भारत की समृद्ध भाषाई और साहित्यिक विरासत पर शोध, संरक्षण, डिजिटलीकरण और उसे व्यापक स्तर पर फैलाने का काम करेगी।

असमिया, शास्त्रीय बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत भाषाएं होंगी शामिल

मंत्रालय ने शास्त्रीय असमिया, शास्त्रीय बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत भाषाओं के अध्ययन के लिए 5 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने को मंजूरी दी है। इन शास्त्रीय भाषाओं से जुड़े उच्च-स्तरीय एकेडेमिक रिसर्च, भाषाई और साहित्यिक विरासत के संरक्षण व डिजिटाइजेशन और ज्ञान के व्यापक प्रसार के लिए स्पेशल इंस्टीट्यूशनल सहयोग मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज और सीएम नायडू ने बुर्रीपालेम से भरी विकास की हुंकार

केंद्र सरकार ने दी आंध्रप्रदेश को 3 लाख पक्के आवासों की 'ऐतिहासिक सौगात'

एजेंसी ⏭ गुंटूर

आंध्र प्रदेश के समग्र विकास और ग्रामीण उत्थान को नई गति देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुंटूर जिले के बुर्रीपालेम गांव में राज्य को 3,600 करोड़ की लागत से 3 लाख पक्के आवासों की बड़ी सौगात दी। प्रदेश के सीएम नारा चंद्रबाबू नायडू की गरिमामयी मौजूदगी में चौहान ने देश की पहली 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक से बनने वाली 177 पायलट आवास परियोजना की नींव रखी। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की 'एक और एक ग्यारह' वाली जोड़ी राज्य को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए 360 डिग्री विकास कर रही है।

पायलट आवास परियोजना की नींव रखी



3 डी कंक्रीट प्रिंटिंग हाउसिंग पायलट परियोजना की शुरुआत भी की

तेनाली मंडल में ग्रामीण विकास की दिशा में कीर्तिमान बना। चौहान तथा नायडू ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण 2.0) के तहत 3 लाख पक्के मकानों की सौगात गरीबों को दी। देश की पहली 3 डी कंक्रीट प्रिंटिंग हाउसिंग पायलट की नींव रखी।

कैप्टन मच्छार को लेकर भाजपा ने राहुल पर साधा निशाना

सुधांशु ने कसा तंज मांगा जवाब

वोट बैंक के डर से वे चुप क्यों? परिवार ने अब तक उन पर एक शब्द नहीं बोला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को प्रेस वार्ता कर कैप्टन स्मित मच्छार पर गांधी परिवार की चुप्पी को लेकर



निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित ने पूरे देश और दुनिया को हैरान कर दिया है। पूरा देश उनकी उपलब्धि पर गर्व करता है। लेकिन कांग्रेस के 'पहले परिवार' की तरफ से उनके बारे में एक भी शब्द नहीं कहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कैप्टन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात की है और इस्राइल के प्रधानमंत्री, अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनकी तारीफ की। कांग्रेस के पहले परिवार की तरफ से कैप्टन स्मित मच्छार के बारे में एक भी शब्द, पोस्ट या प्रेस बयान नहीं आया है।

बाटला एनकाउंटर में सोनिया रोईं, अब हमदर्दी क्यों नहीं?

उन्होंने कहा कि उस परिवार की मुखिया सोनिया गांधी ने कभी बाटला हाउस एनकाउंटर के आरोपियों के लिए आंसू बहाए थे, फिर भी कैप्टन के लिए उनकी आंखों में हमदर्दी की कोई झलक नहीं दिखती। 'बिगड़ैल राजकुमार' राहुल, जो गाजा को लेकर इतने दुखी थे और ट्वीट्स, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के प्रस्तावों और अखबारों के लेखों के जरिए दुख जाहिर कर रहे थे, वे अब 'वोट बैंक' से इतने डरे हुए लगते हैं कि इस मामले पर उनके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकलता। मेरा मानना है कि पूरे देश को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के इस व्यवहार को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए।

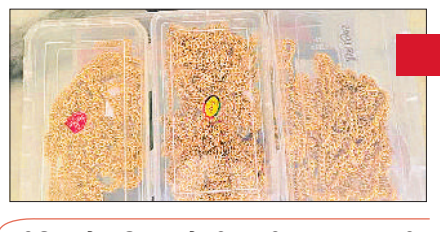
गुजरात पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर लूट पर की ताबड़तोड़ कार्रवाई

कुछ ही घंटे में लुटेरे अरेस्ट, 4 करोड़ का सोना बरामद

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

गुजरात पुलिस ने ज्वैलर के कर्मचारी से कीमती सामान चोरी होने की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की। घटना के कुछ घंटे में ही पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया और 4 करोड़ कीमत का 2 किलो 900 ग्राम सोना बरामद किया। यह सोना खेड़ा जिले के एक रेलवे स्टेशन से चुराया गया था। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम हुई लूट के कुछ ही घंटों बाद अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस और रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीमों ने संदिग्धों को विरमगाम के पास पकड़ लिया। आरोप है कि लुटेरों के एक गिरोह ने एक ज्वैलर के कर्मचारी से कीमती सामान छीन लिया।

चार लुटेरों से 2 किलो 900 ग्राम सोना जब्त किया



पीड़ित ने पुलिस को दी गाड़ी का जानकारी

यह कर्मचारी कोलकाता से सोना लेकर नडियाद रेलवे स्टेशन पहुंचा था। बताया जा रहा कि चोरी के बाद पीड़ित ने आरोपियों का पीछा किया और उनकी गाड़ी की तस्वीर लेने में कामयाब रहा। इसके बाद उसने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

इस तरह पकड़े गए शातिर

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने गाड़ी के रजिस्ट्रेशन की जानकारी और मोबाइल फोन सब्सक्राइबर डिटेल रिकॉर्ड डेटा के आधार पर भागने के संभावित रास्तों का पता लगाया। संदिग्धों के बनासकांठा जाने का संकेत मिला। पुलिस ने अहमदाबाद जिले के विरमगाम के पास संदिग्ध कार का पता लगाया और पाया कि बिना नंबर वाली एक गाड़ी जा रही थी। पुलिस की टीमों ने बिना नंबर वाली गाड़ी को रोकने के लिए ट्रक से नाकाबंदी की और मौके पर ही एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

इंस्पेक्टर को 500 मीटर घसीटा

पुलिस को देखते ही संदिग्धों ने कार गढ़वी की पुलिस गाड़ी से टकरा दी और पीछे से भागने की कोशिश की। गढ़वी ने चलती कार का दरवाजा पकड़कर कार के अंदर पहुंचने, हैंडब्रेक खींचने और गाड़ी को रोकने में कामयाब रहे। इस दौरान उन्हें लगभग 500 मीटर तक घसीटा गया। पुलिस के दूसरे कर्मचारियों ने तुरंत कार अपने कब्जे में लिया और उसमें सवार लोगों को गिरफ्तार किया।

अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों ने सर्वेक्षण में कहा

मुद्रास्फीति के दबाव के बीच रेपो दर 0.25 प्रतिशत बढ़ा सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया संकट दोबारा गहराने से मुद्रास्फीति दबाव में | **वर्ष 2025 में दरों में कटौती के बाद बड़ा ठहराव देखा गया** | **रेपो दर में आखिरी बढ़ोतरी फरवरी, 2023 में की गई थी**

अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है पश्चिम एशिया संकट के दोबारा गहराने से पैदा हुए मुद्रास्फीति के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। सोलह अर्थशास्त्रियों और वरिष्ठ बैंक अधिकारियों के एक सर्वेक्षण के अनुसार यदि आगामी नीतिगत समीक्षा में केंद्रीय बैंक दरों में वृद्धि करता है, तो यह ब्याज दर नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत होगा।

गौरतलब है कि 2025 में दरों में कटौती और उसके बाद लंबे समय तक ठहराव देखा गया था। रेपो दर में आखिरी बढ़ोतरी फरवरी, 2023 में की गई थी, जब आरबीआई ने दर को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया था। इसके बाद उसने 2023-24 के दौरान दर को अपरिवर्तित रखा और फिर 2025 में कटौती का चक्र शुरू किया। इस समय आरबीआई की नीतिगत रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर है।



ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गुंजाइश

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य आर्थिक सलाहकार कनिका पसरीचा ने कहा, ''वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी के साथ तालमेल बैठाने, बढ़ती मुद्रास्फीति के जोखिम और मजबूत वृद्धि की रफ्तार ब्याज दरों को बढ़ाने के लिए नीतिगत गुंजाइश देती है।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना

क्रिसिल की प्रमुख अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि पिछली नीति के बाद से मुख्य रूप से पश्चिम एशिया संघर्ष के फिर से भड़कने और ऊर्जा तथा जिंस की कीमतों में तेजी के कारण मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ गया है। यदि यह दबाव जारी रहता है, तो आगे दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। सर्वेक्षण में शामिल ज्यादातर विशेषज्ञों को बुधवार को होने वाली आगामी नीतिगत समीक्षा में सख्त रुख के साथ ब्याज दर में बढ़ोतरी की संभावना दिख रही है।

खुदरा महंगाई के अनुमान में बढ़ोतरी की उम्मीद

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, खाद्य मुद्रास्फीति के जोखिमों और कीमतों के दबाव के बीच विशेषज्ञों को आरबीआई द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने सीपीआई (खुदरा) मुद्रास्फीति अनुमान में बढ़ोतरी करने की उम्मीद है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''हाल ही में कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने से पेट्रोल और डीजल के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) में वृद्धि हो सकती है।

रेपो दर में कम से कम दो बार बढ़ोतरी हो सकती है

विशेषज्ञों का व्यापक रूप से मानना है कि वित्त वर्ष 2026-27 में रेपो दरों में कम से कम दो बार बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि कई विशेषज्ञों को पूरे वित्त वर्ष के दौरान दो से तीन बार बढ़ोतरी की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ने के कारण केंद्रीय बैंक को अपने मौद्रिक नीति रुख को धीरे-धीरे सामान्य करने की जरूरत हो सकती है।

विशेषज्ञ उदार रुख को वापस लेने के पक्ष में

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता ने कहा, ''प्रमुख मुद्रास्फीति अधिक होने के कारण नीति को धीरे-धीरे सामान्य करना जरूरी है। आने वाली तिमाहियों में वास्तविक दरें नकारात्मक न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए दर वृद्धि आवश्यक है। नीतिगत रुख पर विशेषज्ञों की राय 'कोई बदलाव नहीं होगा' और 'नपे-तुले ढंग से सख्ती' के बीच बंटी हुई है, जबकि कुछ विशेषज्ञ 'उदार रुख को वापस लेने' के पक्ष में भी हैं।

बीते सप्ताह सरसों और मूंगफली के भाव टूटे



नई दिल्ली। उपलब्धता की कमी और मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया जबकि नई फसलों की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। मलेशिया में गिरावट के बीच पाम-पामोलीन के दाम में भी गिरावट आई। सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह उपलब्धता की कमी और कच्ची घानी के तेल मिलों की बढ़ती मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18.34 अरब डॉलर घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 18.34 अरब डॉलर घटकर 747.56 अरब डॉलर रहा। आरबीआई से यह जानकारी मिली। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.88 अरब डॉलर घटकर 765.90 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में 785.71 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।



कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर भारत की चौथी सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी बनी

भुवनेश्वर। कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए टाइम्स हाईर एजूकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में भारत के विश्वविद्यालयों के बीच चौथा स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, यह पूर्वी भारत में प्रथम स्थान पर रहा है। रैंकिंग आज जारी की गई। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष की तुलना में राष्ट्रीय रैंकिंग में एक स्थान की बढ़त हासिल की है। वैश्विक रैंकिंग में कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर को 501–550 के समूह (कोहोर्ट) में स्थान मिला है। दुनिया भर से बढ़ी हुई भागीदारी के बावजूद यह पिछले वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार है। इस नवीनतम रैंकिंग में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास को दर्शाया गया है। विशेष रूप से शिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार के साथ-साथ शोध के वातावरण, उद्योग के साथ जुड़ाव और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है। दुनिया भर से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल हुई यह प्रगति कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर की निरंतर संस्थागत रणनीतियों, मजबूत गुणवत्ता-आश्वासन व्यवस्था तथा बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक विकास में लगातार निवेश को दर्शाती है। यह उपलब्धि कीट के नेतृत्व के विजन, संकाय सदस्यों की मेहनत, शोधकर्ताओं की उपलब्धियों और विश्वविद्यालय के जीवंत वैश्विक छात्र समुदाय की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा: "हर राज्य की यह आकांक्षा होती है कि उसका कोई विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान बनाए। मुझे खुशी है कि कीट, अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में अपेक्षाकृत युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद, दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों में स्थान बनाने में सफल रहा है।

टाइम्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में पूर्वी भारत में शीर्ष स्थान

कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का ब्याज दर पर फैसला, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के तिमाही नतीजे, कच्चे तेल की कीमतें और वैश्विक बॉण्ड पर प्रतिफल इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाएं और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक पर करीबी नजर रहेगी। नीतिगत रुख, मुद्रास्फीति का परिदृश्य और वृद्धि के अनुमान निकट अवधि में घरेलू ब्याज दरों और वित्तीय बाजारों की दिशा के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देंगे। मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र भी शुरू होगा। सूचकांक में अधिक भार रखने वाली कंपनी टीसीएस और खुदरा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीमार्ट समेत कई प्रमुख कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी।

ज्योतिष
कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान
जैसा चाहोगे करके दूगां
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

देश के शीर्ष 20 निजी संस्थानों में शामिल, वैश्विक स्तर पर 1001–1200 रैंक बैंड में पहुंचा; QS रैंकिंग में भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मज़बूत

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में गलगोटियास की ऊंची उड़ान, 24 पायदान चढ़कर देश में 41वां स्थान हासिल किया

ग्रेटर नोएडा। टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में गलगोटियास विश्वविद्यालय ने 24 स्थान की छलांग लगाकर भारत के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में 41वाँ स्थान प्राप्त किया है। 2026 संस्करण में विश्वविद्यालय 65वें स्थान पर था। विश्वविद्यालय भारत के निजी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में भी सात स्थान आगे बढ़कर पिछले वर्ष के 27वें स्थान से 20वें स्थान पर पहुँच गया है। वैश्विक स्तर पर गलगोटियास 2026 के 1201-1500 बैंड से आगे बढ़कर 1001-1200 रैंक बैंड में पहुँच गया है।



THE के साथ QS रैंकिंग में भी मज़बूत उपस्थिति

गलगोटियास विश्वविद्यालय ने QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में भी 1201-1400 वैश्विक बैंड में स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 16वें, देश के सभी विश्वविद्यालयों में 46वें और उत्तर प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर है। THE और QS, दोनों अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान मिलना विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण पड़ाव है। THE की इस वर्ष की रैंकिंग में 118 देशों और क्षेत्रों के 2,297 विश्वविद्यालय शामिल हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 2,191 थी।

शोध और पढ़ाई की गुणवत्ता पर ज़ोर

विश्वविद्यालय शोध और नवाचार पर लगातार काम कर रहा है। इसका शोध आधार 9,940 से अधिक स्कोपस-इंडेक्स्ड प्रकाशनों, 80,780 से अधिक साइटेशन, और 104 के h-इंडेक्स पर आधारित है। विश्वविद्यालय के सात संकाय सदस्य विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हैं, और विश्वविद्यालय ने ICSSR, ANRF, CSIR और SERB सहित एजेंसियों से 15 सरकारी वित्तपोषित शोध परियोजनाएँ प्राप्त की हैं।

मिलान से जापान तक बढ़ा शैक्षणिक सहयोग

गलगोटियास विश्वविद्यालय ने इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, थाईलैंड, वियतनाम और सिंगापुर में अपने शैक्षणिक संबंधों का विस्तार किया है। इन साझेदारियों का उद्देश्य छात्रों को विदेश में पढ़ाई के अवसर देना, संयुक्त शोध को बढ़ावा देना और शिक्षकों के प्रशिक्षण को मज़बूत करना है। विश्वविद्यालय ने 28 सितंबर 2026 को इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ मिलानो-बिकोका के साथ पाँच वर्ष का सहयोग समझौता किया है। इसके तहत शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त शोध और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। वहीं, थाईलैंड की क्रिर्क यूनिवर्सिटी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके ज़रिये साझा शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध, छात्रों के आदान-प्रदान और शिक्षकों के प्रशिक्षण की संभावनाओं पर काम होगा। उद्यमिता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देना भी प्रस्तावित सहयोग का हिस्सा है। जापान में विश्वविद्यालय ने यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन और यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसर बढ़ाने तथा ग्रीन हाइड्रोजन सहित स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त शोध का आधार तैयार करते हैं। समझौते यामानाशी के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आए 200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान हुए। वियतनाम में हो ची मिन्ह सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (HUTECH), हो ची मिन्ह सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस (UEF) और साइगॉन हाई-टेक पार्क से जुड़े संस्थानों के साथ सहयोग शिक्षा, शोध, उद्योग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नई संभावनाएँ तैयार कर रहा है।

छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई के अवसर

कैमब्रिज विश्वविद्यालय के गर्टन कॉलेज के साथ समझौते के तहत वर्ष 2026 में गलगोटियास के 16 छात्रों का चयन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उद्यमिता के दो सप्ताह के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लिए हुआ। कार्यक्रम में उनकी भागीदारी का पूरा खर्च गलगोटियास विश्वविद्यालय ने वहन किया। फ्रांस के YNOV Campus के साथ सहयोग के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और कंप्यूटर साइंस में मास्टर कार्यक्रमों के अवसर उपलब्ध हैं। इनकी संरचना में एक वर्ष भारत और एक वर्ष फ्रांस में पढ़ाई शामिल है। पढ़ाई को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय अपने छात्र-केंद्रित सक्रिय शिक्षण मॉडल G-SCALE को आगे बढ़ा रहा है। इसमें नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर के InSPIRE का परामर्श और मार्गदर्शन मिल रहा है। इस मॉडल में छात्रों को परियोजनाओं, समूह में काम करने और वास्तविक समस्याओं के समाधान के ज़रिये सीखने का अवसर मिलता है।

उद्योग से गहरी साझेदारी

गलगोटियास में छात्र क्या और कैसे सीखते हैं, इसे अब उद्योग साझेदार आकार दे रहे हैं। Accenture ने विश्वविद्यालय के साथ मिलकर AI-आधारित BTech और BBA कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम Accenture के विशेषज्ञ पढ़ाएँगे। गलगोटियास और टाटा टेक्नोलॉजीज़ का फ्यूचर मोबिलिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस छात्रों को इलेक्ट्रिक वाहन, एम्बेडेड और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड वाहन प्रणालियों तथा मैकेनिकल डिज़ाइन में प्रशिक्षित करता है। Apple के साथ संचालित विश्वविद्यालय के iOS डेवलपमेंट सेंटर के छात्र डेवलपर कार्यक्रम को Apple ने विशेष रूप से प्रदर्शित किया है।

छात्रों पर प्रभाव

इन प्रयासों का असर छात्रों के परिणामों में दिख रहा है। 2026 में गलगोटियास के छात्रों को 1,250 से अधिक रिक्रूटर्स से 5,500 से अधिक जॉब ऑफर मिले। Apple के स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज में विश्वविद्यालय की जीत 2025 के 10 से बढ़कर 2026 में 18 हो गई। छात्रों ने अपने जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने वाले ऐप बनाए हैं, जिनमें मासिक धर्म स्वास्थ्य साथी Sakhi और ऑटिज़्म की शुरुआती जाँच में सहायक Auticare शामिल हैं। इस उपलब्धि पर डॉ. ध्रुव गलगोटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गलगोटियास विश्वविद्यालय, ने कहा, "एक ही वर्ष में भारत में 24 स्थान की बढ़त पूरे गलगोटियास परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारे उन संकाय सदस्यों की है जिनकी विद्वत्ता ज्ञान को आगे बढ़ाती है, हमारे उन छात्रों की है जिनकी महत्वाकांक्षा हमें प्रेरित करती है, और उन परिवारों की है जो हमारे विश्वविद्यालय पर भरोसा करते हैं।"उन्होंने आगे कहा, "भारत के शीर्ष 20 निजी संस्थानों में प्रवेश ऊँचा लक्ष्य रखने के हमारे संकल्प को और मज़बूत करता है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा विश्वविद्यालय बनाना है जहाँ उत्कृष्ट शिक्षण, सार्थक शोध और वैश्विक अवसर एक साथ मिलें, और जहाँ हर उपलब्धि हमारे छात्रों के लिए और बड़ी संभावनाओं के द्वार खोले।"



पंजाब नेशनल बैंक के अंचल कार्यालयों द्वारा पौधारोपण अभियान

नई दिल्ली। पंजाब नैशनल बैंक के अंचल कार्यालय, भिकाजी कामा प्लेस, दिल्ली एवं अधीनस्थ मंडल कार्यालयों द्वारा पौधारोपण अभियान पीएनबी प्लास 4.0 के उपलक्ष्य में दिल्ली कैंट क्षेत्र में दिनांक 01/10/2026 को पंजाब नैशनल बैंक (PNB) द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबन्धक महोदय श्री राजेश भौमिक ने दिल्ली कैंट में बैंक के अन्य उच्च अधिकारियों के साथ पौधारोपण किया।

शादी-ब्याज के सीजन से पहले होटल कारोबार में उछाल

नई दिल्ली। सर्दियां शुरू होने से पहले ही होटल उद्योग में शादी समारोहों के लिए मांग तेज हो गई है। लोकप्रिय होटल और रिजॉर्ट में महीनों पहले से बुकिंग हो रही है। कई प्रमुख होटल संपत्तियों ने शादी से जुड़े कारोबार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की है, जबकि नवंबर और फरवरी जैसे प्रमुख महीनों के लिए होटल में बुकिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यानी इनमें बहुत कम दिन के लिए बुकिंग उपलब्ध है। देश के पहले ऑटोग्राफ कलेक्शन होटल के रूप में ब्रांडेड मैरियट इंटरनेशनल के नूर महल दिल्ली एनसीआर, करनाल के कार्यकारी निदेशक रूप प्रताप चौधरी ने कहा कि होटल के विवाह कारोबार में पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2027 के लिए भी पर्याप्त संख्या में शादियों की बुकिंग पहले ही हो चुकी है और नवंबर, 2027 तक के लिए पूछताछ मिल रही है।

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी सौरभ चावला, पुत्रः** संजीव चावला, **पताः** मकान नं. 14/107, कबूल नगर डबल स्टोरी क्वार्टर, शाहदरा, दिल्ली, **FIR No. 206/20, U/s: 392/411/34 IPC, पुलिस थानाः कोतवाली दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ चावला,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ चावला,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ चावला, FIR No. 206/20, U/s: 392/411/34 IPC, पुलिस थानाः कोतवाली दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सायशा चड्ढा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–08 (केन्द्रीय)
केन्द्रीय कमरा नंबर 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/14110/N/2026
(Court Matter)

शब्द पहेली - 6368

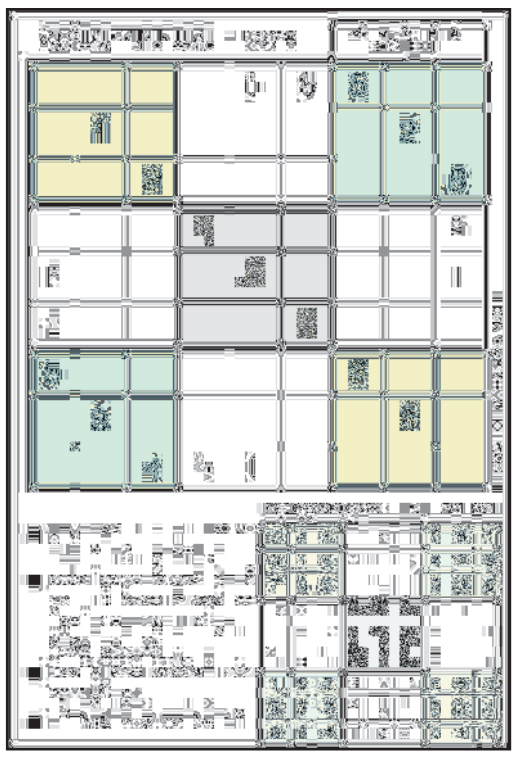


बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6367 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	ब	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		थ	मों	प	दे	श	क



भारत चौथे स्थान पर, 2036 की राह में सबक दे गए एशियाई खेल

एजेंसी ▶▶| नागोया

भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं को आइची-नागोया एशियाई खेलों में एक कड़वी वास्तविकता का सामना करना पड़ा जहां पिछले हांगझोउ खेलों में रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद एक और बड़ी छलांग की उम्मीद थी लेकिन अभियान पदकों की संख्या में बड़ी गिरावट के साथ समाप्त हुआ। भारत ने कुल पदक तालिका में अपना चौथा स्थान बरकरार रखा लेकिन इस बार उसके खाते में 85 पदक ही रह गए जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। यह पिछले एशियाई खेलों में हासिल किए गए 106 पदकों से 21 कम और स्वर्ण पदकों के मामले में सात कम है।

■ भारत को एक कड़वी वास्तविकता का सामना करना पड़ा

मौजूदा देशों और भारत के बीच अब भी अंतर बड़ा

भारत का चौथे स्थान पर रहना अब भी उसे एशिया के प्रमुख खेल राष्ट्रों में बनाए रखता है। यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है लेकिन शीर्ष पर मौजूद देशों और भारत के बीच अंतर अब भी बहुत बड़ा है। अगर अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 स्वर्ण पदकों की शानदार झड़ी नहीं लगाई होती तो शीर्ष पांच में जगह बनाना भी मुश्किल होता।

रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद अभियान पदकों में गिरावट के साथ हुआ खत्म

शीर्ष पर चीन का दबदबा कायम रहा

वर्ष 2036 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष पांच खेल राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखने वाले भारत को ये आंकड़े याद दिलाते हैं कि शानदार प्रदर्शन करना एक बात है लेकिन लगातार प्रगति बनाए रखना कहीं अधिक कठिन चुनौती है। शीर्ष पर चीन का दबदबा कायम रहा। उसने 169 स्वर्ण सहित कुल 341 पदक जीते। जापान 83 स्वर्ण और कुल 269 पदकों के साथ दूसरे तथा दक्षिण कोरिया 39 स्वर्ण और 150 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।





रिले टीम ने एथलेटिक्स में दिलाया एकमात्र गोल्ड

ज्योति याराजी ने अभ्यास के दौरान घुटने में दर्द और परेशानी महसूस होने के बाद महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ की शुरुआती हीट से पहले नाम वापस ले लिया। घुटने की गंभीर चोट से वापसी कर रहे अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में चौथे स्थान पर रहे। किरण पाहल, एम पूवम्मा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज की महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने एथलेटिक्स का एकमात्र स्वर्ण दिलाया।

सुरूचि ने निशानेबाजी में स्वर्ण से खाता खोला

सुरूचि सिंह और कमलजीत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर भारत का निशानेबाजी में सोने के तमगे का खाता खोला। हालांकि टीम का माहौल बदलने वाली खिलाड़ी नीरू ढांडा रहीं। सत्ताइस वर्षीय नीरू ट्रैप निशानेबाजी में व्यक्तिगत एशियाई खेल स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

नीरज चोट के कारण हुए बाहर

एथलेटिक्स में भी भारत को बड़ा झटका लगा। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा चोट के कारण हट गए और भारत का एक बड़ा स्वर्ण पदक दावेदार बाहर हो गया। मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं।

चोटों ने भी खिलाड़ियों की परेशानी बढ़ाई

तेजिंदरपाल सिंह तूर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी नहीं कर सके, जबकि लंबी कूद के मुरली श्रीशंकर और ऊंची कूद के सर्वेश कुशारे को रजत से संतोष करना पड़ा। इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन दिखाता है कि भारत मुकाबले में तो है, लेकिन पदक के रंग को स्वर्ण में बदलने में अभी अंतर बाकी है। चोटों ने भी परेशानी बढ़ाई।

उम्मीद से कम पदक आए

भारत के पदक अभियान में कमी का सबसे बड़ा कारण उसका दो पारंपरिक मजबूत खेलों निशानेबाजी और एथलेटिक्स का अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाना रहा। दोनों खेलों से काफी उम्मीदें थीं लेकिन हांगझोउ की तुलना में भारत को इस बार कम पदक मिले। इससे निरंतरता, दबाव से निपटने और तैयारी में मौजूद कमियां उजागर हुईं।

निशानेबाजी में भारत का प्रदर्शन कमजोर रहा

निशानेबाजी में भारत का प्रदर्शन खास तौर पर गिरा। पिछली बार सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य सहित 22 पदक जीतने वाली 30 सदस्यीय भारतीय टीम इस बार जापान से तीन स्वर्ण, आठ रजत और चार कांस्य सहित 15 पदक लेकर लौटी। अभियान की शुरुआत कई मौकों के हाथ से निकलने और दावेदारों के लड़खड़ाने से हुई।

मनु का प्रदर्शन निराशाजनक रहा

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का अभियान निराशाजनक रहा और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत पदक नहीं जीत सका। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कमलजीत, आकाश भारद्वाज और केदारलिंग उचागांवने की टीम भी प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही।

खबर संक्षेप

बारतुंकोवा ने सबालेंका और जोकोविच ने ज्वेरेव को हराया

बीजिंग। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को रविवार को चीन ओपन के तीसरे दौर में चेक गणराज्य की निकोला बारतुंकोवा के हाथों सीधे सेटों में हारकर बाहर होना पड़ा। पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज बारतुंकोवा ने करीब डेढ़ घंटे में चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका को 6-4, 6-3 से हराया। इसके साथ ही टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में शीर्ष दो वरीय खिलाड़ी बाहर हो गईं। हाल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी एलिना रिबाकिना शनिवार को ही चाइना ओपन से बाहर हो गई थीं।



शेष भारत ने जीता ईरानी कप



श्रीनगर। मुकेश कुमार (33 रन पर छह विकेट) और आकाश दीप (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की दम पर शेष भारत ने रविवार को चौथे और आखिरी दिन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराकर ईरानी कप का खिताब जीत लिया। जीत के लिए 279 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही जम्मू-कश्मीर की टीम को ट्रॉफी अपने नाम करने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। पहली पारी में 41 रन की बढ़त लेने वाली जम्मू कश्मीर की टीम मुकेश और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के आगे दूसरी पारी में महज 111 रन पर ढेर हो गई। सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया (32) और कामरान इकबाल (32) ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़कर टीम को जम्मू कश्मीर को अच्छी शुरुआत दिलाई।

पुरुष हॉकी टीम के लिए नकद पुरस्कार घोषित



भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 11 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य को साढ़े पांच लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। भारत ने शनिवार को मलेशिया को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में दूसरी बार पुरुष हॉकी का स्वर्ण पदक जीता और 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इससे एक दिन पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में गत चैंपियन और ऊंची रैंकिंग वाली चीन को 1-0 से हराकर 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीता था और ओलंपिक का टिकट भी हासिल किया था। यह पहली बार है जब एशियाई खेलों के एक ही चरण में भारतीय पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीता है।

जापान की संस्कृति की शानदार झलक देखने मिली

चमकदार रोशनी और संगीतमय शो से हुआ आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन

एजेंसी ▶▶| नागोया

जापान की संस्कृति और मेहमाननवाजी की शानदार झलक के साथ संगीत और रोशनी से सजे भव्य कार्यक्रम के बीच रविवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन हो गया। दो सप्ताह से अधिक समय तक चली कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में खेलों के समापन समारोह में शामिल हुए। इन खेलों के दौरान 350 से अधिक रिकॉर्ड बने जिनमें कम से कम 50 विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं। हालांकि खेल आयोजन से पहले लॉजिस्टिक समस्याओं और कुप्रबंधन से प्रभावित रहे। समापन समारोह करीब 90 मिनट तक चला।

■ दो सप्ताह से अधिक समय तक चली कड़ी प्रतिस्पर्धा



भारत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर, चीन रहा शीर्ष पर

भारत 85 पदकों (21 स्वर्ण, 27 रजत, 37 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा जो चीन के हांगझोउ में हुए पिछले चरण से 21 कम है। चीन लगातार 12वें चरण में तालिका में शीर्ष पर रहा उसने 169 स्वर्ण, 89 रजत और 83 कांस्य सहित कुल 341 पदक जीते जो विदेश में आयोजित एशियाई खेलों में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

मेजबान जापान दूसरे स्थान पर रहा

मेजबान जापान 269 पदकों (83 स्वर्ण, 95 रजत और 91 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उसके बाद दक्षिण कोरिया के 39 स्वर्ण, 43 रजत और 68 कांस्य पदक थे। एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष शेख जुआन बिन हमद अल थानी ने खेलों के समापन की घोषणा की। बाद में ओसीए ध्वज 2030 एशियाई खेलों के आयोजन समिति के एक प्रतिनिधि को सौंपा गया।

चार साल बाद 2030 में दोहा में मिलने का वादा



अल थानी ने कहा, ''पहली प्रतियोगिता से लेकर आखिरी तक, एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से हमें मंत्रमुग्ध किया। 350 से अधिक रिकॉर्ड टूटे हैं जिनमें 50 से अधिक विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं। यह हमारे एशियाई खेलों के लिए एक रिकॉर्ड है।'' परंपरा के अनुसार ओसीए प्रमुख ने एशिया के युवाओं से इस भावना को आगे बढ़ाने और चार साल बाद 2030 में दोहा में होने वाले 21वें एशियाई खेलों में फिर मिलने का आह्वान किया।

निशानेबाज ढांडा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने भाग लिया

ओसीए ध्वज को दोहा को सौंपने से संबंधित खंड में कतर के ओलंपिक और विश्व चैंपियन मुताज बाशिम शामिल थे। ट्रैप निशानेबाज नीरू ढांडा (दो स्वर्ण और एक रजत पदक विजेता) के नेतृत्व में भारतीयों ने भी उत्सवी माहौल में हिस्सा लिया। सफेद और नीले रंग की पोशाक पहने लगभग 30 भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों ने एथलीट परेड में हिस्सा लिया और तिरंगा लहराया। 'वन एशिया' की समापन समारोह की अवधारणा को व्यक्त करने के लिए स्टेडियम के केंद्र में एक षट्भुजाकार मंच बनाया गया था और यह शो का मुख्य आकर्षण था। भव्य समापन के दौरान इसे लालटेन से सजाया गया था जो जापानी गर्मियों का एक विशिष्ट प्रतीक है। ओसीए अध्यक्ष शेख जुआन बिन हमद अल थानी ने कहा कि आइची-नागोया एशियाई खेलों ने एशियाड के लिए मानक ऊंचा किया है।

भारतीय मुक्केबाजों का गर्मजोशी से स्वागत

फूल-माला, मिठाइयों और आईटीबीपी बैंड से स्वागत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रात के करीब तीन बजे थे लेकिन हवाई अड्डे पर रौनक बनी हुई थी और एशियाई खेलों में पदक जीतकर लौटे भारतीय मुक्केबाजों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उत्साहित परिजनों की मौजूदगी में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बैंड, फूल-माला, मिठाइयों से खिलाड़ियों का स्वागत हुआ। भारतीय मुक्केबाजी दल के नागोया में यादगार अभियान के बाद स्वदेश वापसी पर उसका सफलता के अनुरूप स्वागत किया गया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने खिलाड़ियों की अगवानी की। स्वर्ण पदक विजेता अंकुश पंघाल ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मेरे परिवार के सदस्य यहां आए हैं और अब हम और जश्न मनाएंगे। परवीन हुड्डा के लिए यह जश्न खास तौर पर भावुक करने वाला था। उन्होंने पिछली बार एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था लेकिन निलंबन के बाद वह पदक उनसे छीन लिया गया था।



■ एशिया में नंबर एक बनना शानदार उपलब्धि है

उज्बेकिस्तान, चीन को पीछे छोड़ा

बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने भी भारत के प्रदर्शन पर खुशी जताई और कहा कि एशियाई खेलों की सफलता मजबूत प्रदर्शन की श्रृंखला में एक और उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''मुझे बेहद गर्व है। उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान और चीन जैसे प्रमुख मुक्केबाजी देशों को पीछे छोड़कर एशिया में नंबर एक बनना शानदार उपलब्धि है।''

लक्ष्य स्पष्ट था, स्वर्ण जीतना : हरमनप्रीत

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा (जापान)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनकी टीम को भरोसा था कि वे विश्व कप की निराशा को पीछे छोड़कर एशियाई खेलों का खिताब जीतने के साथ 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते है। हरमनप्रीत ने शनिवार को फाइनल में दो गोल किए जिससे भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार पुरुष हॉकी का स्वर्ण पदक जीता। हरमनप्रीत ने कहा, ''फाइनल हर खिलाड़ी के लिए बड़ा मौका था। कुछ खिलाड़ी पहली बार एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जबकि कुछ चौथी, तीसरी या दूसरी बार खेल रहे थे।'' कप्तान ने कहा, ''हमें पता था कि हम यहां स्वर्ण पदक जीतने और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने आए हैं। लक्ष्य स्पष्ट था।'' एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए विश्व कप में निराशाजनक नौवां स्थान हासिल किया था।



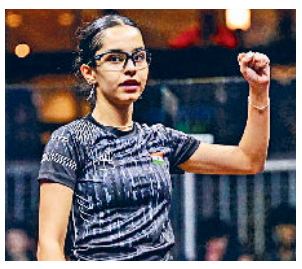
विश्व कप हमारे लिए अच्छा नहीं रहा

हरमनप्रीत ने कहा, ''पूरा साल हमारे लिए बहुत कठिन रहा क्योंकि हमने कई टूर्नामेंट खेले। विश्व कप हमारे लिए अच्छा नहीं रहा लेकिन हमें पता है कि हम एशिया में हमेशा दबदबा रखते हैं। हम यहां अपने खिताब का बचाव करने आए थे।''हरमनप्रीत ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को बढ़त दिलाई और 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर टीम की ओर से पांचवां गोल किया।

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा : अनाहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी।



हम इस जीत के हकदार थे : महिला हॉकी कप्तान

सलीमा ने कहा, एशियाई खेलों में ध्यान जीत पर रहा



एजेंसी ▶▶| रांची

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने रविवार को कहा कि मजबूत चीन के खिलाफ खेलने के बावजूद उनकी टीम को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का पूरा भरोसा था। भारत ने जापान में फाइनल में गत चैंपियन चीन को 1-0 से हराकर 44 साल बाद एशियाई खेलों में महिला हॉकी का स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। टेटे ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम इस जीत के हकदार थे। इस बार हमें अपनी टीम और खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा था कि हम निश्चित रूप से स्वर्ण जीतेंगे, हालांकि चीन की टीम बहुत अच्छी थी। उस एक गोल की बढ़त को बचाकर अपने देश के लिए स्वर्ण जीतना हमारे लिए गर्व का क्षण है।''

■ मजबूत चीन के खिलाफ जीत का पूरा भरोसा था

टीम में चार खिलाड़ी झारखंड की

स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की चार खिलाड़ी झारखंड से हैं। टेटे, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग सिमडेगा जिले से हैं जबकि निक्की प्रधान खूंटी की रहने वाली हैं। राज्य लौटने पर रांची हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। दीपिका ने कहा कि टीम स्वर्ण जीतने के साथ ओलंपिक में जगह पक्की करने से वह बेहद खुश है।

स्वर्ण जीतने बहुत कड़ी मेहनत की

दीपिका ने कहा, ''हमने एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की। इस शानदार जीत के लिए हम लंबे समय से तैयारी कर रहे थे। हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है। चीन जैसी टीम के खिलाफ एक गोल की बढ़त बचाना आसान नहीं था लेकिन हमने ऐसा कर दिखाया।''

खिलाड़ियों का देश में स्वागत

प्रधान ने कहा कि टीम को टोक्यो ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किए गए मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिला और अब उसका ध्यान अगले ओलंपिक की तैयारी पर है। राज्य लौटने पर खिलाड़ियों का हवाई अड्डे पर समर्थकों ने स्वागत किया। कोच और युवा हॉकी खिलाड़ियों ने पारंपरिक मांदर की थाप पर नृत्य कर टीम का स्वागत किया।

'ए' टीम उतारने से फाइनल में मदद मिली, हमारे पास काफी अनुभवी टीम थी

स्वर्ण पदक हमें थाली में परोसा हुआ नहीं मिला : सैमसन

एजेंसी ▶▶| नागोया

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि भारत को एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक 'थाली में परोसा हुआ' नहीं मिला और अनुभवी खिलाड़ियों की 'ए' टीम को उतारने से पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक फाइनल में दबाव से निपटने में मदद मिली। भारत ने शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण पदक बरकरार रखा। सैमसन ने मैच के बाद कहा, ''हमारे पास काफी अनुभवी टीम थी। यहीं अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव काम आता है। हमें पता था कि अपनी ऊर्जा को कैसे संभालना है, खुद को कैसे प्रेरित और एकाग्र रखना है, भले ही अभ्यास या मैच नहीं हो रहे हों।''

सभी को एक अच्छा फाइनल देखने मिला

सैमसन ने कहा, ''आखिरकार हमें एक अच्छा मैच खेलने को मिला। पहली पारी में हमने 200 रन बनाए और लगा कि दूसरी पारी पाकिस्तान के लिए मुश्किल हो सकती है लेकिन विकेट अच्छा था और उन्होंने भी अच्छी बल्लेबाजी की। सभी को एक अच्छा फाइनल देखने को मिला।'' उन्होंने कहा, ''हमें स्वर्ण पदक थाली में परोसा हुआ नहीं मिला। इसके लिए हमें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इससे यह जीत और भी संतोषजनक हो जाती है और हम सभी खुश हैं।''



टीम 'ए' को लाना काफी मददगार रहा

भारत को नियमित टी20 खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के फैसले से इस बड़े मुकाबले में दमखम और संयम के साथ खेलने में मदद मिली। सैमसन ने कहा, ''''ए' टीम को लाना वास्तव में काफी मददगार रहा और पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी यही देखने को मिला। मुझे लगता है कि यह सभी के लिए एक उचित मुकाबला था।''

भारत ने मजबूत स्कोर खड़ा किया था

भारत ने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के अर्धशतकों की मदद से छह विकेट पर 211 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम रोमांचक फाइनल में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। हालांकि, फाइनल एकतरफा मुकाबला नहीं रहा। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर पाकिस्तान के आक्रामक जवाब ने आखिरी चरण तक मुकाबले में रोमांच बनाए रखा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

Dr. Junejo's
पेट सफा
Natural Laxative
GRANULES & TABLETS
कब्ज़ • गैस
एसिडिटी
पेट सफा तो हर रोग दफा
24x7 Helpline 91197 88888
www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores
SELECTED NO.1 BRAND INDIA 2016
दिविसा हर्बल केयर प्रस्तुत करते हैं पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स, जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान, और परिणाम है पहले दिन से
Clinically Tested*
इसकी आदत भी नहीं बनती
Divisa
www.divisastore.com

यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम ग्रुप के फार्मास्युटिकल प्लांट पर रूसी ड्रोन ने मचाई तबाही

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला: भारत की दवा कंपनी तबाह, 400 करोड़ का नुकसान, 1 की जान भी गई

एजेंसी ▶▶ कीव

यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम ग्रुप के फार्मास्युटिकल प्लांट पर रूसी ड्रोन से भीषण हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला यूक्रेन के सूमी शहर स्थित प्लांट पर हुआ, जिससे इमारत का मुख्य ढांचा लगभग पूरी तरह तबाह हो गया है। हताहतों और घायलों की संख्या में अभी बदलाव हो सकता है। हमले के तुरंत बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में ड्रोन टकराने वाली जगह से धुएं का एक बहुत बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। रूस-यूक्रेन युद्ध के पूरे दौर में भी प्लांट लगातार काम करता रहा था, लेकिन इस हमले से इसे भारी नुकसान पहुंचा है।

प्रारंभिक अनुमानों के मुताबिक, इस हमले में कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या आगे बदल सकती है। यह फैक्ट्री रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है।

यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री थी


यूक्रेन में सूमी शहर की दवा कंपनी में हुआ धमाका

यूक्रेन में रूसी हमलों में 6 की मौत

रूस ने 3 अक्टूबर की सुबह यूक्रेन पर किए ताजा हमले में कम से कम 6 लोगों की मौत हुई। इस दौरान राजधानी कीव के नॉर्दर्न ब्रिज को भी नुकसान पहुंचा। हमला ऐसे समय पर हुआ है जब जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज रविवार को स्पेशल ट्रेन से एक दिन के दौरे पर कीव पहुंचे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि इस ब्रिज का इस्तेमाल यूक्रेनी सेना के सैनिकों और सैन्य सामान की आवाजाही के लिए होता है। पिछले तीन दिनों में रूसी हमलों के कारण इनप्रो नदी पर बने कीव के 6 में से 3 सड़क पुलों पर पूरी या आंशिक रूप से आवाजाही बंद करनी पड़ी है। रूस ने शुक्रवार और शनिवार रात यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव और आसपास के इलाकों में ड्रोन और गाइडेड बमों से हमला किया था। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव के मुताबिक इन हमलों में 5 लोगों की मौत हुई और 40 से ज्यादा घायल हुए।

Divisa
www.divisastore.com
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND
SELECTED NO.1 BRAND
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
Clinically Tested*
हर बार नया क्यों ? बार बार आज़माइश छोडियें
अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्यूंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्जवल रखने में भी मदद करता है।
1 Paraben Free
2 Alcohol Free
3 Steroids Free
4 Silicon Free
5 Mineral Oil Free
शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित
रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मैटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।
Helpline : 87259 66666 | www.roopmantra.com

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को दिया न्योता कहा

पीएम नरेंद्र मोदी के साथ आइए, मशाल जलाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित माछर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने



दोस्त पीएम नरेंद्र मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही थी। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। जिस कुल्हाड़ी से हमला किया था वो भी बेहद खतरनाक है।

HONDA
The Honda Joy Fest
इस त्यौहार, घर आये होंडा - घर आये खुशी
कैशबैक ₹10000# तक | न्यूनतम ROI @5.99%* | लोन 100%* तक | लोन अवधि 60* महीने | नो हायपोथिकेशन*
ACTIVA 110 | ACTIVA 125 | SP 125 | Shine 100 DX
IDFC FIRST Bank CREDIT CARDS# pine labs#
डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें
अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें
Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in
Honda Exclusive Authorized Dealerships: DELHI: CENTRAL DELHI: J.B. Honda (Jhande Walan) - 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494; (Naraina) - 8512889494; (Tri Nagar) - 9355719494; SOUTH DELHI: Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 9266802219; (Adchini) - 8860259596; (Khanpur) - 011-40446391 (Saheen Bagh Jamia) - 8287201001; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 9871600730; (RK Puram Sector 1) - 9871600734; (Chattarpur) - 8826153434; Pragnya Honda (Okhla) - 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Uday Honda (Adchini) - 9212355514; (Aya Nagar) - 9266135550; WEST DELHI: Excel Honda (Moti Nagar) - 9999903295; (Raja Garden) - 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667540598; (Mayapuri) - 9811025879; Dhingra Honda (Peeragarhi) - 9871200045; (Uttam Nagar) - 9717455885; (Nangloi) - 9871400045; (Kirari) - 9870200152; (Amanpuri) - 9289739970; (Mangolpuri) - 9289151558; ARK Honda (Tilak Nagar) - 9211711826; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 8506999935; (Vikaspuri) - 8506999939; (Kakrola Mod) - 8506999936; (Vikas Nagar) - 7048947881; (Ranhola) - 9212385582; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 7290068240; (Rajapuri) - 9910364903; (Kapashera) - 9599442118; EAST DELHI: Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400; (Dilshad Garden) - 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (III Pusta) - 9560734814; (Johripur, Shiv Vihar Metro Station) - 9311957772; Swarup Honda (Vikas Marg) - 9810806600; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 9821398522; (Jheel) - 9821398526; (Khichripur) - 9871481114; NORTH DELHI: Globus Honda (Azadpur) - 8826993152; (Rani Bagh) - 8130093649; (Pitampura) - 8130093651; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8130093648; (Jahangirpuri) - 8130093655; (Libaspur) - 8130093656; (Prashant Vihar) - 8130093654; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731; BALLABGARH: Kabir Honda - 9625268154; GAUNCHI BALLABGARH: Kabir Honda - 9717967717; FARIDABAD: Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 9650445006; Faridabad Honda - 8130515558; GREATER FARIDABAD: Pick up Honda - 9873820000; GURUGRAM: Big Swing Honda (Sohna Road) - 9773548833; Ganpati Honda - 9910894235; Yume Honda - 9818250011; Malwa Gurugram Honda - 9311980996; BADSHAHPUR: Big Swing Honda - 9773548844; CHAKKARPUR: Big Swing Honda - 9355990083; KHANDSA ROAD: Malwa Gurugram Honda - 9289223507; PALAM VIHAR GURUGRAM: Ganpati Honda - 9910894234; GURUGRAM RAILWAY ROAD: Ganpati Honda - 9910894233; Yume Honda - 9650186777; SEC-52 GURUGRAM: Yume Honda - 8130364222; SEC-82 GURUGRAM: Ganpati Honda - 9220309621; MANESAR: Ganpati Honda - 9910894239; PATAUDI: Yume Honda - 8222840011; HAYATPUR: JSS Honda - 9992539657; FARUKH NAGAR: JRV Honda - 9211298103; NUH: Sri Madhav Honda - 8708512346; HODAL: Mukund Honda - 8168971032; PALWAL: Parashar Honda - 7056573100; SOHNA: Sohna Honda - 9812872333; GAUTAM BUDDHA NAGAR: Parkash Honda - 9999806883; Pioneer One Honda - 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 8130788666; Parkash Honda (Bhangel) - 7838474152; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 7042351351; GHAZIABAD: JKM Leela Honda - 9999767614; Hindon Honda - 9910110017; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; JKM Leela Honda (Vijaynagar) - 8750324000; SD Honda (Kadrabad) - 7520320611; Shri Vashu Honda (Niwari) - 8445334455; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; BK Honda (Premvihar) - 9311114333; GREATER NOIDA: Parkash Honda - 9971992604; Pioneer One Honda (Gaur City) - 7838950960; Shanti Honda (Kulesra) - 9582823843; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519; Republic Honda (Kasna) - 8368861995; BULANDSHAHR: Shri Masha Honda - 7351489999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751; KLA Honda (Khurja) - 7078677972; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; JHAJJAR: Shree Shyam Honda - 9466511837; ROHTAK: Lohchab Honda - 8684888804; Shri Krishna Honda - 9896655630; SAMPLA: Rama Honda - 8684840808; GOHANA: Shirin Honda - 9053922215; SONEPAT: Triumph Honda - 9254015907; CHOTU RAM CHOWK (SONEPAT): Triumph Honda - 9254015901; GANNAUR: Triumph Honda - 9254015908; KHARKHODA: Ashirwad Honda - 9017190979; KUNDLI: Triumph Honda - 9254015904; BAHALGARH: Triumph Honda - 9034015921.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in